सुप्रभात
रांची, रविवार
08.10.2023
* नगर संस्करण । पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net आश्विन, कृष्ण पक्ष, नवमी संवत 2080 मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 11 । अंक : 88

12 एयर इंडिया ने जारी किया ए350 विमान का पहला लुक

न्यूज डायरी

वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया भारत का मुकाबला आज

चेन्नई। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम अपने विश्व कप 2023 अभियान की शुरुआत 8 अक्टूबर को चेन्नई के चेपॉक से करेगी। 'चेपॉक' के नाम से मशहूर एमए चिदम्बरम स्टेडियम में भारत, ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा। विश्व कप 2023 में यहीं से भारत अपने अभियान की शुरुआत करेगी। मैच के सभी टिकट बिक चुके हैं। चेन्नई में फिलहाल काफी ज्यादा गर्मी है। क्यूरेटर को बारिश का डर है।

सिक्किम : लापता 142 लोगों की तलाश जारी

गंगटोक/जलपाईगुड़ी। सिक्किम में बादल फटने से तीस्ता नदी में अचानक आयी बाढ़ के बाद से लापता 142 लोगों की तलाश शनिवार को भी जारी रही। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार तड़के बादल फटने से अचानक आयी बाढ़ में सात सैनिक समेत 26 लोगों की मौत हो चुकी है।

अवैध खनन : सुनील की जमानत याचिका खारिज

रांची। साहिबगंज में एक हजार करोड़ के अवैध खनन मामले के आरोपित सुनील यादव की जमानत याचिका ईडी कोर्ट ने खारिज कर दी है। ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की कोर्ट ने शनिवार को यह फैसला सुनाया।

बाइक सवार महिला की मौत, दो अन्य गंभीर

खूंटी। खूंटी-रांची रोड में जियारप्पा के समीप शनिवार को सड़क हादसे में बाइक पर सवार हुस्ना परवीन (37) की मौत हो गयी, जबकि बाइक चला रही महिला के पति मो सिराज अंसारी तथा दूसरे बाइक सवार कर्रा थाना क्षेत्र के सोमा महतो गंभीर रूप से घायल हैं।

प्रतुल शाहदेव के खिलाफ दर्ज मामला हुआ निरस्त

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव पर लातेहार के बालूमाथ थाने में दायर प्राथमिकी को निरस्त कर दिया। कोर्ट ने कहा कि यदि किसी निर्दोष व्यक्ति को अदालत के सामने बदनीयती से गलत प्राथमिकी दर्ज कर फंसाया जायेगा तो अदालत को हस्तक्षेप करना ही पड़ता है।

पुलिया के नीचे से अज्ञात पुरुष का शव बरामद

खूंटी। शहर के बाजार टांड़ और सदर अस्पताल के समीप मुख्य पथ पर बनी पुलिया के नीचे शनिवार को एक अज्ञात पुरुष का शव बरामद किया गया। जलापूर्ति की पाइप लाइन में शव झूल रहा था।

सायको : डोभा में डूब कर ग्रामीण की मौत

खूंटी। सायको थानांतर्गत दिगड़ी निवासी खुदिया नाग (45) की गांव के समीप स्थित एक डोभा में नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गयी। घटना की सूचना मिलते ही सायको थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के उपरांत स्वजनों को सौंप दिया।

गहना आभूषण
सोना (बिक्री) : 53,800 रु./10 ग्राम
चांदी : 71,000 रु./प्रति किलो

तीसरी आंख

भारत का रिकार्ड प्रदर्शन, पहली बार सौ पार

एशियन गेम्स : आखिरी दिन 'गोल्डन सिक्सर', 107 पदकों के साथ अभियान खत्म

- भारतीय एथलीटों ने एशियन गेम्स में कर दिया कमाल
- एथलेटिक्स में सबसे ज्यादा मेडल, देशभर में जश्न
- राष्ट्रपति, पीएम, सीएम हेमंत सोरेन ने दी बधाई

एजेंसी

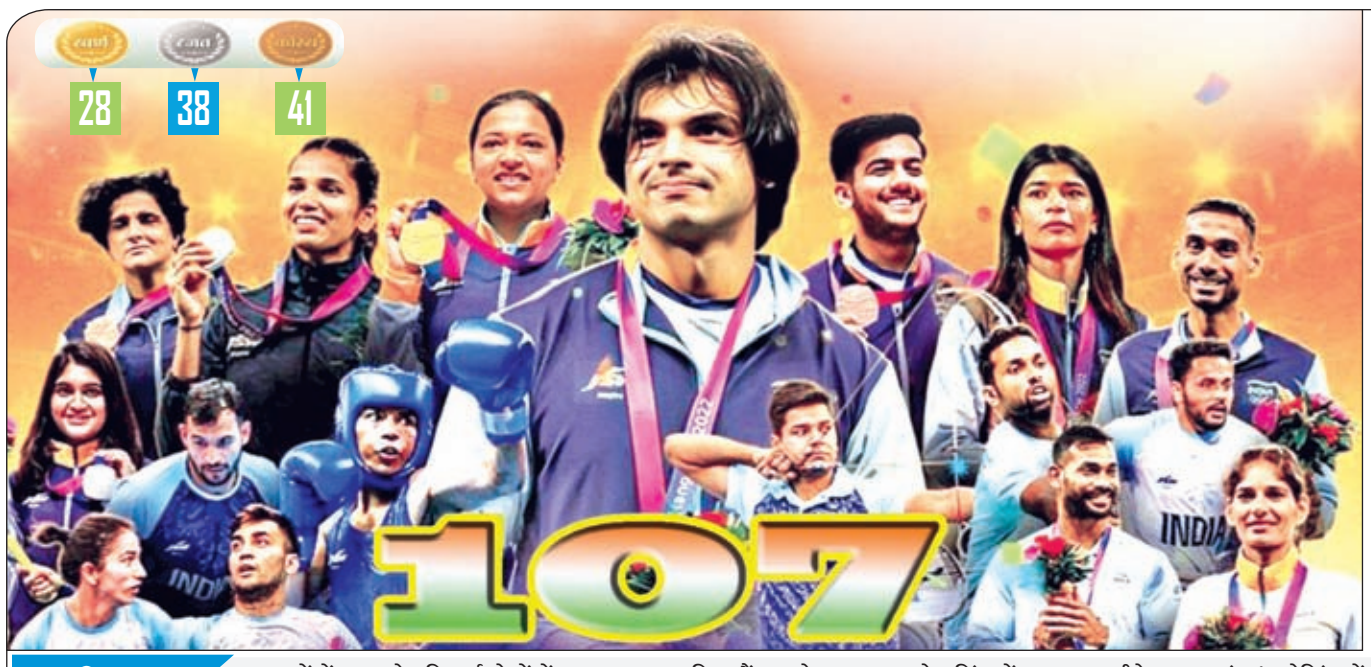

नयी दिल्ली। भारत ने एशियन गेम्स में अपना अभी तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। भारतीय एथलीटों ने 14वें दिन यानी शनिवार को 6 गोल्ड सहित कुल 12 मेडल अपने नाम किये। 28 गोल्ड, 38 सिल्वर और 41 ब्रॉन्ज समेत कुल 107 पदकों के साथ चौथे स्थान पर रहते हुए अपने अभियान का समापन किया। आखिरी दिन भारत की मेंस क्रिकेट टीम ने गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। वहीं कबड्डी में भारतीय पुरुष और महिला टीम चैंपियन बने। बैडमिंटन के पुरुष युगल स्पर्धा में भारत को गोल्ड मिला वहीं आर्चरी के पुरुष और महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में भारतीय तीरंदाजों ने गोल्ड पर निशाना साधा। भारत ने एथलेटिक्स में सबसे ज्यादा 29 मेडल अपने नाम किये। वहीं शूटिंग में 22 पदक आये। 2018 में जकार्ता एशियाई खेलों में भारत ने सबसे ज्यादा 70 पदक हासिल किये थे, जिसमें, 19 स्वर्ण पदक थे। भारतीय दल के इस रिकार्डतोड़ प्रदर्शन पर राष्ट्रपति, पीएम, झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन समेत देश भर के लोगों ने बधाई और शुभकामनाएं दी है।

अंतिम दिन क्रिकेट में भी गोल्ड : भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स में गोल्ड जीत लिया। 14वें दिन भारत का मुकाबला अफगानिस्तान से हुआ। ये मैच बारिश के चलते पूरा नहीं हुआ और भारत की टीम को वरीयता के आधार पर जीता हुआ घोषित किया गया और गोल्ड मेडल दिया गया। महिला कबड्डी टीम ने शनिवार को यहां फाइनल में चीनी ताइपे के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में 26-25 से स्वर्ण पदक जीत लिया। भारत के ओजस देवतले ने पुरुष तीरंदाजी के कंपाउंड में स्वर्ण पदक जीतकर अपना तीसरा स्वर्ण पदक हासिल किया। देवतले ने अभिषेक वर्मा को हराकार फाइनल जीता। इससे पहले गुरुवार को ओजस देवतले, अभिषेक वर्मा और प्रथमेश जावकर की तिकड़ी ने स्वर्ण पदक हासिल किया था।

पहली बार 107 पदक

72 सालों में भारत ने एशियाई खेलों में पहली बार 100 से अधिक पदक जीते। भारतीय दल के 107 पदकों में 28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य पदक शामिल हैं। एथलेटिक्स में सर्वाधिक 29 पदक जीते, जिनमें 6 स्वर्ण, 14 रजत और 9 कांस्य पदक शामिल हैं। इसके बाद भारत ने शूटिंग में 22 पदक जीते, जिनमें 7 स्वर्ण, 9 रजत और 6 कांस्य पदक शामिल हैं। कुश्ती में 6 (1 रजत और 5 कांस्य), क्रिकेट में 2 (दोनों स्वर्ण), कबड्डी में 2 (दोनों स्वर्ण), हॉकी में 2 (एक स्वर्ण और एक कांस्य), रोइंग में 5 (2 रजत, तीन कांस्य) , स्क्वैश में 5 (2 स्वर्ण, 1रजत और दो कांस्य) और मुक्केबाजी में 5 (1 रजत और 4 कांस्य), सेलिंग में 3 (1 रजत और 2 कांस्य), घुड़सवारी में 2 (1 स्वर्ण, 1 कांस्य). वुशु में 1 रजत, टेनिस में 2 (1 स्वर्ण, एक रजत), गोल्फ में एक रजत, बैडमिंटन में 3 (1 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य), रोलर स्केटिंग में दो कांस्य, टेबल टेनिस में 1 कांस्य, कौनोई में 1 कांस्य, सेपकटक्रा में 1 कांस्य, ब्रिज में एक रजत, और शतरंज में दो रजत पदक शामिल है।

महत्वपूर्ण उपलब्धि : पीएम

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू समेत पीएम मोदी ने एशियाई खेलों में भारतीय दल की इस ऐतिहासिक सफलता की सराहना की और विजेताओं को बधाई दी। पीएम मोदी ने कहा-यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। पीएम मोदी ने कहा एशियाई खेलों में भारत के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि! भारत के लोग रोमांचित हैं कि हम 100 पदकों की एक उल्लेखनीय उपलब्धि तक पहुंच गये। हर कोई आश्चर्यचकित है। प्रेरणादायक प्रदर्शन ने इतिहास रच दिया है और हमारे दिलों को गर्व से भर दिया है। पीएम मोदी 10 अक्टूबर को एशियाई खेलों में भारतीय दल की मेजबानी करेंगे। उन एथलीटों के साथ बातचीत करेंगे, जिन्होंने देश को 100 तक पहुंचने में मदद की।

श्रीअन्न करमुक्त, लेबल लगाने पर पांच फीसदी लगेगा टैक्स

एजेंसी

- गुड़, शीरा, जरी पर जीएसटी घटा कर पांच फीसदी करने का फैसला

नयी दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में शनिवार को जीएसटी काउंसिल की 52वीं बैठक ने लेबल वाले मोटे अनाज (श्रीअन्न) पर पांच प्रतिशत कर लगाने का फैसला किया। बैठक में गुड़ समेत कई प्रोडक्ट और जरी पर जीएसटी कम करने का फैसला भी किया गया। बैठक में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के वित्त मंत्री शामिल थे। बैठक में वित्त मंत्री ने कहा कि आटे को पैक करके उस पर लेबल लगाकर बेचने पर जीएसटी लागू होगा। ऐसा आटा जिसमें कम से कम 70 फीसदी मोटा अनाज हो, उसे खुला बेचने पर शून्य जीएसटी लागू होगा। वहीं पैक करके और लेबल लगाकर बेचने पर पांच प्रतिशत जीएसटी लगेगा। मिलेट के आटे से बने खाद्य पदार्थों पर जीएसटी दर कम करने का सरकार का उद्देश्य इसकी सार्वजनिक पहुंच बढ़ाना है।

गुड़ और जरी पर टैक्स घटा : वित्त मंत्री ने बताया कि गुड़ पर जीएसटी की दरें घटाकर 5 फीसदी कर दी गयी हैं। अभी तक गुड़ पर 28 फीसदी की दर से टैक्स लग रहा था। (शेष पेज 11 पर)

हमास के रॉकेट हमले में 100 इजराइली मरे, जवाबी हमले में 200 की मौत

आतंकवाद को कुचलने के लिए इजराइल ने उतारे फाइटर जेट

एजेंसी

यरुशलम। इजराइल और फिलिस्तीन के बीच चल रहा घमासान शनिवार को युद्ध में तब्दील हो गया। इजराइल पर आतंकी संगठन हमास के हमले में 100 लोगों की मौत हो गयी और 700 से अधिक लोग घायल हो गये। इजराइल ने जवाब में युद्ध का ऐलान कर जवाबी हमला कर दिया। फिलिस्तीन का दावा है कि इस जवाबी हमले में 198 लोगों की मौत हुई है और 1600 से अधिक लोग घायल हुए हैं। हमास के हमले के बाद इजराइल ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। आतंकवाद को कुचलने के लिए इजराइल के टैंक, आर्मी और फाइटर जेट उतार दिया। लड़ाकू विमान आतंकियों के ठिकानों पर भयंकर हमला कर रहे हैं। इजराइली हमले में दो सौ से भी अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है। हमास के हमले की भारत, अमेरिका, ब्रिटेन समेत तमाम देशों ने कड़ी निंदा की है। अपने-अपने देशों के नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। (शेष पेज 11 पर)

पुष्पवर्षा के साथ 10 को रांची पहुंचेगा कार्डिनल का शव

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। कार्डिनल तेलेस्फोर पी टोप्पो का पार्थिव शरीर 10 को कॉन्सटेंट लिवंस हॉस्पिटल मांडर से रांची लाया जायेगा। मांडर के पल्ली पुरोहित प्रेसेनन तिर्की व नीलम संदीप तिडू की अगुवाई में विशेष प्रार्थना के बाद विशेष वाहन से पार्थिव शरीर को वहां रवाना होगा। वाहन के पीछे-पीछे भारी संख्या में बाइक पर सवार लोग शामिल होंगे। पार्थिव शरीर काठीटांड़, दलादिली, कटहल मोड़, अरगोड़ा होते हुए अल्बर्ट एक्का चौक तक लाया जायेगा। इस मार्ग पर सड़क के एक किनारे मानव श्रृंखला बना कर लोग पार्थिव शरीर पर फूलों की बारिश करेंगे। मखमंदरो चर्च और ब्रांबे के कलीसिया उन्हें पुष्प अर्पित करेंगे। इसके साथ ही मांडर से रांची तक सड़क किनारे कार्डिनल तेलेस्फोर पी टोप्पो के कटआउट लगाये जा रहे हैं। कार्डिनल टोप्पो का निधन 4 अक्टूबर को शाम 3.45 बजे हो गया था। उनका पार्थिव शरीर लिवंस हॉस्पिटल के मोर्चरी में रखा गया है। यहां उनके अंतिम दर्शन के लिए लोगों का आना जाना लगा हुआ।

11 को शाम चार बजे दफन संस्कार : दस को शाम 3 बजे कार्डिनल तेलेस्फोर पी टोप्पो का पार्थिव शरीर के लोगों के दर्शन के लिए संत मरिया महागिरजा घर चर्च में रखा जायेगा। 11 को सुबह 6 से 12 बजे तक लोग वहां अंतिम दर्शन कर सकेंगे। एक बजे लोयला मैदान में कलीसिया के लोग विधि संस्कार करेंगे। उसके बाद शाम चार बजे देश-विदेश के कार्डिनल, बिशप, पल्ली पुरोहित, सिस्टर की अगुवाई में संत मरिया महागिरजा चर्च में दफन संस्कार होगा।

रांची-टाटा में कैंसर ओपीडी शुरू करेगा मेदांता गुरुग्राम

- यूरो आंकोलॉजी व रोबोटिक सर्जरी से होगा इलाज

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। जनसंख्या के साथ यूरो आंकोलॉजी (प्रोस्टेट, किडनी और ब्लैडर के कैंसर) के मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है। इसे देख मेदांता हॉस्पिटल गुरुग्राम के यूरो आंकोलॉजी और रोबोटिक सर्जरी के कंसल्टेंट डॉ गोपाल शर्मा झारखंड की राजधानी रांची में ओपीडी सेवा शुरू कर रहे हैं। प्रेस क्लब के प्रेस कांफ्रेंस के दौरान डॉ गोपाल ने कहा कि झारखंड में यूरो आंकोलॉजी और रोबोटिक सर्जरी नहीं होने से बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए बड़े शहरों का रुख करते हैं। ऐसे में राजधानी रांची और जमशेदपुर में अंतिम सोमवार को ओपीडी सेवा शुरू होगी।

रोबोटिक सर्जरी से जल्द ठीक होते हैं मरीज

डॉ गोपाल ने कहा कि जिन मरीजों को रोबोटिक सर्जरी की जरूरत पड़ेगी, उन्हें मेदांता गुरुग्राम ले जाकर इलाज किया जायेगा। ओपन सर्जरी से ज्यादा खर्च रोबोटिक सर्जरी में होता है, लेकिन इससे मरीजों को ज्यादा समस्या नहीं होती और वे जल्द ही रिकवर करते हैं। इसमें रक्तस्राव और दर्द भी कम होता है। संक्रमण का खतरा कम होने से मरीज को अस्पताल में कम दिन रहना पड़ता है। वे जल्द अपने काम में वापस लौट जाते हैं। मेदांता गुरुग्राम के यूरो आंकोलॉजी और रोबोटिक सर्जरी विभाग के वाइस चेयरमैन डॉ गगन गौतम ने कहा कि चिकित्सा का क्षेत्र उन्नत होते जा रहा है। इसी कड़ी में रोबोटिक सर्जरी से जान को जोखिम बहुत कम है।

तीन साइबर अपराधी धराये, सामान बरामद

जामताड़ा। साइबर थाना की पुलिस ने फर्जी कॉल सेंटर खोल साइबर अपराध करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने जामताड़ा जिला के सोमबाद में छापेमारी कर तीन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। हालांकि एक अपराधी भागने में सफल रहा। पकड़े गये साइबर अपराधियों में अनवर अंसारी, मनीर अंसारी और सगीर अंसारी शामिल हैं। तीनों जामताड़ा के ही रहने वाले हैं। पुलिस ने साइबर अपराधियों के पास से 15 मोबाइल, 21 फर्जी सिम कार्ड, एक लैपटॉप, दो वाईफाई डोंगल, तीन एटीएम कार्ड, पांच बैंक पासबुक, तीन चार पहिया वाहन जब्त किया है।

एंटी नक्सल अभियान अब आइआरबी के हाथ

- सीआरपीएफ बटालियन सारंडा में होगा शिफ्ट
- पुलिस मुख्यालय ने जारी किया आदेश

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। अब आइआरबी (इंडियन रिजर्व बटालियन) के हाथों में नक्सल विरोधी अभियान की कमान होगी। झारखंड-बिहार सीमा पर नक्सल अभियान में सीआरपीएफ की जगह आइआरबी के जवानों को तैनात किया जायेगा। आइआरबी के जवानों की तैनाती बिहार से सटे पलामू के इलाके में की जायेगी। इस संबंध में झारखंड पुलिस मुख्यालय की तरफ से आदेश जारी कर दिया गया है। दो दशक के बाद बिहार सीमा पर सीआरपीएफ की जगह आइआरबी नक्सल विरोधी अभियान का नेतृत्व करेगी। पलामू में सीआरपीएफ 134 बटालियन की सात कंपनियां तैनात थीं। चतरा और लातेहार सीमा पर तैनात थी। सीआरपीएफ की कंपनियों को हटा दिया गया है। पलामू के लेस्लीगंज में आइआरबी और जैप का मुख्यालय है।

पलामू में जल्द होगी तैनाती

आइआरबी की टुकड़ी जल्द ही पलामू में तैनात होगी। पलामू के लेस्लीगंज में आइआरबी और जैप का मुख्यालय है। पलामू में तैनात सीआरपीएफ के 134 बटालियन को क्लोज किया जा रहा है। उन्हें सारंडा के इलाके में शिफ्ट किया जा रहा है। 1995-96 में पहली बार नक्सल विरोधी अभियान के लिए पलामू में सीआरपीएफ की दो कंपनी पहुंची थी। वर्ष 2003-04 में पहली बार पूरी बटालियन की तैनाती की गयी थी। कई इलाकों में ग्रामीण सीआरपीएफ को हटाने के विरोध में सीएम को पत्र भी लिखा है।

सीएम कल करेंगे सिकटिया मेगा लिफ्ट सिंचाई योजना का शिलान्यास

तीन वर्ष में पूर्ण करने का लक्ष्य, 484.35 करोड़ की लागत आयेगी, 1,11,174 आबादी को फायदा

- दो जिलों की 13,164 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। देवघर और जामताड़ा जिलान्तर्गत सिकटिया मेगा लिफ्ट सिंचाई योजना का शिलान्यास नौ को होगा। इससे 13,164 हेक्टेयर भूमि सिंचित हो सकेगी। सीएम हेमंत सोरेन सोमवार को ग्राम सिकटिया, प्रखंड सारठ, जिला देवघर में इस मेगा लिफ्ट सिंचाई योजना का शिलान्यास करेंगे। इस योजना का निर्माण 484.35 करोड़ रुपये से होगा। इस योजना के क्रियान्वयन के फलस्वरूप देवघर और जामताड़ा जिला चार प्रखंड के 27 पंचायत की 1,11,174 आबादी को लाभ होगा। इसमें 13,930 अनूसूचित जाति एवं 26, 346 अनूसूचित जनजाति के लोग भी रहते हैं। योजना से सारठ प्रखण्ड के 06, करों प्रखंड के 06, विद्यासागर प्रखंड के 12 और जामताड़ा प्रखंड के 03 पंचायत के किसानों को लाभ होगा। योजना का कार्य तीन वर्ष में पूर्ण करने का लक्ष्य तय किया गया है। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने दुमका जिला अंतर्गत मसलिया एवं रानेश्वर प्रखंड में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मेगा लिफ्ट योजना का निर्माण प्रारंभ कराया है, जिससे 22 हजार हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। (शेष पेज 11 पर)

क्यों तैयार की गयी योजना

देवघर और जामताड़ा जिला अंतर्गत सारठ, करो, विद्यासागर एवं जामताड़ा प्रखंड में नदी तल से अधिक ऊंचाई पर खेती योग्य भूमि में पारंपरिक नहर प्रणाली से सिंचाई संभव नहीं होने तथा इस प्रणाली में खेती योग्य भूमि का बहुत ज्यादा भू -अर्जन के कारण भूमिगत पाइपलाइन के माध्यम से जल लिफ्ट कर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने हेतु सिकटिया मेगा लिफ्ट सिंचाई योजना तैयार की गयी है। इसके जरिए पंपिंग के लिए जल की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सिकटिया ग्राम के समीप अवस्थित अजय बराज के अपस्ट्रीम से पंप मोटर से जल पाइपलाइन के माध्यम से सिंचित क्षेत्र में चकवार सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराया जायेगा। प्रस्तावित पटवन क्षेत्र में धान के अतिरिक्त सरसों, मूंग, गेहूं एवं मक्का की खेती भी संभव हो सकेगी। खेती एवं पशुओं को पानी उपलब्ध कराने के उदेश्य से अधिक वर्षा होने और खेतों में जल की जरूरत सीमित होने की स्थिति में पानी को स्थानांतरित कर नजदीक के तालाबों को भरने का प्रावधान किया है, ताकि ग्रामीणों को तालाबों के माध्यम से हमेशा जल मिल सके।

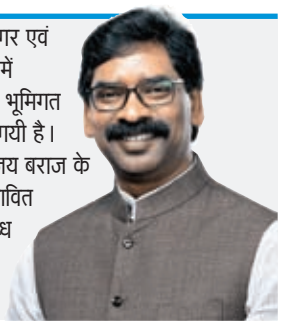

भैरवी में बहे पटना के दो युवकों को बचाया

लातेहार में 6 लड़कियां डूबीं एक की मौत , एक लापता

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़, लातेहार। सिद्धपीठ मां छिन्नमस्तिका मंदिर स्थित भैरवी नदी के तेज बहाव में शनिवार को बिहार के दो युवक बह गये। दामोदर भैरवी संगम स्थल के पास दोनों युवक बचते-बचाते एक गड्ढे में किसी तरह चट्टान को पकड़े और खड़े होकर जान बचाने की गुहार लगाने लगे। यह देख स्थानीय और मंदिर न्यास समिति के पुजारी कड़ी मशक्कत के बाद दोनों युवकों को सकुशल नदी की तेजधार से बाहर निकाले। वहीं लातेहार के मनिका के भटको में शनिवार को औरंगा नदी में नहाने गयीं 6 बच्चियां डूब गयीं। चार लड़कियों को किसी तरह बचा लिया, एक लड़की तेज धार में बह गयी। वहीं एक लड़की की डूबने से मौत हो गयी।

पटना से पूजा करने आये थे : पटना से श्रद्धालुओं की एक टोली शनिवार को मां छिन्नमस्तिका के दर्शन करने के लिए पहुंची थी। (शेष पेज 11 पर)

खबर एक नजर में

झारखंड में शनिवार को डेंगू के मिले 54 मरीज

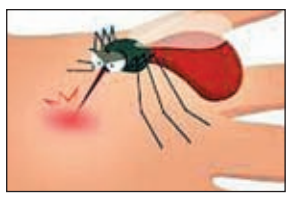

रांची। झारखंड में डेंगू का कहर खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को राज्य भर में डेंगू के 363 संदिग्ध मरीज मिले। जांच के बाद 54 मरीजों में डेंगू की पुष्टि हुई। सबसे अधिक गिरिडीह जिले में डेंगू के 34 मरीज मिले। वहीं पूर्वी सिंहभूम में 17 मरीज मिले हैं। पश्चिमी सिंहभूम में 3 मरीज मिले हैं। वहीं राज्य में चिकनगुनिया के 45 संदिग्ध मामले मिले हैं। हालांकि जांच के बाद किसी भी मरीजों में चिकनगुनिया की पुष्टि नहीं हुई है।

आजसू पार्टी की बैठक आज रांची में

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो की अध्यक्षता में पार्टी के सांसद, विधायकों, पूर्व मंत्रियों, जिला परिषद अध्यक्षों, उपाध्यक्ष्यों, सभी जिला अध्यक्षों, कार्यकारी अध्यक्षों एवं प्रमुख नेताओं के साथ संगठन विस्तार पर चर्चा के लिए महत्वपूर्ण बैठक बुलायी गयी है। यह बैठक रांची के हरमू स्थित पार्टी केंद्रीय कार्यलय में सुबह 10 बजे से होगी। बैठक में महाधिवेशन में लिये गए नवनिर्माण संकल्प समागम के निर्णयों पर चर्चा होगी।

प्रदेश युवा कांग्रेस का मिलन समारोह आज

रांची। झारखण्ड प्रदेश युवा कांग्रेस कमिटी के द्वारा रविवार को युवा कांग्रेस मिलन सम्मेलन का आयोजन गीतांजलि बैंक्वेट हॉल, टैगोर हिल रोड, चिरौंदी, मोरहाबादी में किया गया है। कार्यक्रम में झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडे, भारतीय युवा कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अलावरु, कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, मंत्री बन्ना गुप्ता, बादल पत्रलेख तथा झारखंड युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्षों की उपस्थिति होगी। कार्यक्रम का उद्देश्य वर्तमान तथा पूर्व जिलाध्यक्ष के साथ प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्यों को परस्पर संवाद के लिए एक मंच पर लाना है।

भगवान भगत की जमानत पर आदेश सुरक्षित

रांची। साहिबगंज के पत्थर कारोबारी भगवान भगत की जमानत अर्जी पर ईडी कोर्ट में दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी हो गई। ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की कोर्ट ने मामले में आदेश सुरक्षित रखा है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता पांडेय नीरज राय ने पैरवी की। बताते चलें कि भगवान भगत साहिबगंज में एक हजार करोड़ के अवैध पत्थर खनन मामले से जुड़ा हैं। ईडी इनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है। भगवान भगत को ईडी ने 7 जुलाई को गिरफ्तार किया था। वह पंकज मिश्रा का खास सहयोगी माना जाता है। वह पत्थर खनन के पैसे पंकज मिश्रा को भी पहुंचाता था।

झारखंड मोटरगाड़ी नियमावली-2023 के प्रारूप पर 28 अक्टूबर तक मांगे गये सुझाव

रांची। राज्य सरकार की ओर से झारखंड मोटरगाड़ी (संशोधन) नियमावली 2023 तैयार की गयी है। परिवहन विभाग, झारखंड ने इस नियमावली के प्रारूप को और बेहतर करने की योजना बनायी है। इसके लिए विभाग की ओर से विभागीय वेबसाइट पर जारी भी कर दिया गया है। विभागीय उप सचिव के स्तर पर जारी सूचना में कहा गया है कि मोटरगाड़ी नियमावली के प्रारूप पर जनसाधारण एवं प्रभावित व्यक्तियों से आपत्ति ली जानी है। चाहें तो इसके लिए सुझाव भी दिए जा सकते हैं। आपत्ति, सुझाव के लिए 21 दिनों के अंदर (28 अक्टूबर तक) अपनी राय साझा की जा सकती है। इसके लिए एफएफपी भवन, धुर्वा (रांची) स्थित विभागीय सचिव के पते पर डाक द्वारा इसे भेजा जा सकता है। मेल आईडी के जरिये भी आपत्ति, सुझाव दिए जा सकते हैं।

झारखंड में हो जातीय जनगणना : लालचंद

रांची। पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष और झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री लालचंद महतो ने झारखंड में भी जल्द जातीय जनगणना कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में जातीय जनगणना करने का साहसिक कदम उठाया है, जिसका पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा सराहना करता है। झारखंड में फिलहाल इंडिया गठबंधन की ही सरकार है। ऐसे में झारखंड में भी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सभी दलों को विश्वास में लेकर अविलंब जातीय जनगणना कराने के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर प्रस्ताव पास कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की भूमिका इस मामले में हमेशा से संदिग्ध रही है। इस मामले में भाजपा को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए।

जेएससएसी ने निकाली 863 पदों पर वेकेंसी

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) ने झारखंड इंटर स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा- 2023 के लिए आवेदन मांगा है। कुल 863 पदों पर नियुक्ति होनी है। आवेदन शुल्क 100 रुपये निर्धारित किया गया है। इसके लिए शैक्षणिक योग्यता 12वीं पास होनी चाहिए। उम्र सीमा जनरल के लिए 35 वर्ष, बीसी-1 और बीसी-2 के लिए 37 वर्ष, महिलाओं के लिए 38, अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति के लिए 40 वर्ष है। इच्छुक अभ्यर्थी जेएसएससी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। 20 अक्टूबर 2023 से 19 नवंबर 2023 तक आवेदन करने की तिथि निर्धारित है। आवेदन में हुई त्रुटि के सुधार के लिए 27 नवंबर 2023 से 29 नवंबर 2023 तक का डेट निश्चित किया गया है।

धनबाद बाजार समिति में गड़बड़ियों की जांच करेंगे धनबाद एसडीओ

रांची। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री सह धनबाद जिले के प्रभारी मंत्री बन्ना गुप्ता ने धनबाद एसडीओ को धनबाद बाजार समिति में गड़बड़ी की जांच करने का निर्देश दिया है। इस संबंध में व्यपारियों ने मंत्री बन्ना गुप्ता को ज्ञापन सौंपकर भ्रष्टाचार के आरोपी प्रभारी मार्केट सेक्रेटरी राकेश सिंह के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। स्वास्थ्य मंत्री ने व्यापारी अनिल कुमार जैन की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए एसडीओ धनबाद से जांच करने का निर्देश दिया है। मंत्री ने एसडीओ को लिखे पत्र में कहा है कि इस मामले में अब तक कोई कार्रवाई नहीं होने से व्यापारियों में मायूसी है। उनकी शिकायतों पर अभिलंब कार्रवाई करें। निर्देश के बाद एसडीओ ने दो अधिकारियों को इस जांच की जिम्मेवारी दी है। उन्हें तीन दिनों के भीतर जांच रिपोर्ट देने को कहा है। हालांकि कृषि सचिव अबू बकर सिद्दीक के आदेश पर धनबाद डीसी ने मामले की जांच एडीएम स्तर के अधिकारी से कराकर कृषि सचिव को भेज दी है। वहीं मार्केटिंग बोर्ड की एमडी ने भी पूरे मामले की जांच पत्राचार लिपिक से कराकर कृषि सचिव को सौंप दी है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सीएम हेमंत सोरेन से की शिकायत

जेएसइआरसी से बिना अनुमोदन के जेयूएसएनएल ने जारी किया टेंडर

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने ऊर्जा विभाग झारखंड ऊर्जा संचरण निगम लिमिटेड (जेयूएसएनएल) द्वारा जारी टेंडरों को लेकर सवाल उठाया है। इसे लेकर उन्होंने सीएम हेमंत सोरेन को भी चिट्ठी भी लिखी है। उन्होंने कहा है कि जेयूएसएनएल ने एक निविदा निकाली है। इसे जेएसइआरसी के द्वारा अनुमोदन नहीं दिया गया है। उसके मुताबिक इसकी अभी कोई जरूरत नहीं है। दो ग्रिड सब स्टेशन (चांडिल-169 करोड़, कोडरमा-213 करोड़) के लिए निकाली गयी निविदा की अनुमानित लागत 382 करोड़ रुपये है। जेएसइआरसी के अनुमोदन के बिना इस निविदा को निकाला जाना सरकारी राशि का दुरूपयोग है, क्योंकि भविष्य में बिजली दर निर्धारण के समय यह खर्च न्यायसंगत नहीं होगा। साथ ही इस पर जेएसइआरसी के द्वारा टैरिफ निर्धारण में कोई विचार नहीं किया जायेगा।

राज्य में बन रहा अनियमितता का कीर्तिमान

बाबूलाल मरांडी ने लिखा है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आलोक में जेएसइआरसी द्वारा 175 करोड़ रुपये का थ्रेस होल्ड लिमिट तय किया गया है। यदि इसके उपर कोई कार्य का निष्पादन होना है, तो उसे टीबीसीबी के माध्यम से होना है न कि आरटीएम के माध्यम से। परंतु 213 करोड़ रुपये के कार्य कराये जा रहे हैं जो नियम विरुद्ध हैं। इसके अलावा बलियापुर व अन्य जगहों के लिए निविदा निकाली गयी है। इस पर जेएसइआरसी का अनुमोदन नहीं लिया गया है। इस कार्य को भी जेएसइआरसी के द्वारा मना किया जा चुका है। ये सारे कार्य नियम कानून को ताक पर रख कर किए जा रहे हैं। बाबूलाल ने सवाल उठाते कहा है कि सीएम ऊर्जा विभाग के मंत्री भी हैं। उनकी सहमति के बिना कोई अधिकारी इतनी बड़ी अनियमितता का नया कीर्तिमान कैसे बना सकते हैं? सीएम से अनुरोध करते हुए बाबूलाल ने इस मसले पर समुचित कार्रवाई करने की मांग की है।

आरोप लगाने के पहले पीपीए और जेएसइआरसी का एप्रूवल लेटर का अध्ययन करना चाहिए था...

बाबूलाल के आरोप पर ऊर्जा विभाग के ट्रांसमिशन एमडी केके वर्मा ने रखा पक्ष

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी के आरोप पर ऊर्जा विभाग ट्रांसमिशन निगम के एमडी केके वर्मा ने पक्ष रखा है। उन्होंने कहा कि बाबूलाल मरांडी को यह आरोप लगाने से पहले उन्हें पूरा पीपीए एक बार पढ़ लेना चाहिए, या फिर किसी जानकार से पढ़वा लेना चाहिए। श्री वर्मा ने कहा कि आरोप लगाने से पहले बिजली अफसरों से बात कर लेनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि पतरातू के पूरे प्रोजेक्ट की कड़ी मॉनिटरिंग होती है। वर्ष 2016 में ही नियामक आयोग ने इसे रूल एंड रेगुलेशन के तहत एप्रुव कर दिया था।

केके वर्मा ने जारी किया जेएसईआरसी का पत्र : श्री वर्मा ने कहा कि बाबूलाल ने आरोप लगाया है कि जेएसईआरसी के अनुमोदन के बिना टेंडर निकला है, और यह सरकारी राशि का दुरपयोग है। अगर भविष्य में बिजली दर निर्धारण के समय यह खर्च न्यासंगत नहीं हुआ तो जेएसईआरसी टैरिफ निर्धारण पर कोई विचार नहीं करेगा। वर्मा ने कहा कि बहुत अजीब बात है बिना जानकारी लिए यह बातें कही गईं।

भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव पर दर्ज प्राथमिकी हाइकोर्ट से निरस्त

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट से भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव को बड़ी राहत मिली है। उन पर लातेहार के बालूमाथ थाने में दर्ज प्राथमिकी को हाईकोर्ट ने निरस्त कर दिया है। प्रतुल शाहदेव पर मंटु राम नामक व्यक्ति ने मारपीट करने, जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करने व हत्या के प्रयास को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई थी। गवाहों की सूची में एजाज अंसारी, पूर्व पत्रकार आदर्श रविराज आदि का नाम दिया था। इसके खिलाफ प्रतुल शाहदेव ने झारखंड हाईकोर्ट का रुख किया था। उन्होंने अपनी याचिका में खुद को निर्दोष बताते हुए कहा था कि चंदवा के अभिजीत प्लांट में स्क्रैप की लूट के खिलाफ आवाज उठाने के कारण प्रशासन और स्क्रैप माफियाओं की शह पर फर्जी मुकदमा कराया गया है। प्रतुल की ओर से वरीय अधिवक्ता और पूर्व महाधिवक्ता अजीत कुमार ने दलील देते हुए इस पूरी प्राथमिकी को स्क्रैप माफिया की साजिश बताया। दस्तावेज पेश कर कोर्ट में शिकायतकर्ता और गवाहों के आपराधिक इतिहास को भी दिखाया। उन्होंने प्राथमिकी दर्ज करने में 6 माह के विलंब पर भी बड़ा प्रश्न उठाया।

हाईकोर्ट ने इस मामले में प्रतुल शाहदेव को निर्दोष बताते हुए दर्ज प्राथमिकी को फर्जी पाया और उसे निरस्त करने का आदेश दिया। कहा कि अगर किसी निर्दोष व्यक्ति को अदालत के सामने बदनीयती से गलत प्राथमिकी दर्ज कर फंसाया जाएगा, तो अदालत को हस्तक्षेप करना ही पड़ता है। उच्च न्यायालय ने कहा कि पूरी प्लानिंग करके शिकायतकर्ता ने प्राथमिक में ऐसी घटनाओं का उल्लेख किया है, जिससे लगाई गई धाराओं को बल मिल सके। अदालत ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि यह प्राथमिकी एक सोची समझी प्लानिंग के तहत किया गया है।

थिंक-2024 एक विजन है और उस लक्ष्य के तहत काम करेगी प्रोफेशनल्स कांग्रेस

समाज की मजबूती और उत्थान व्यापार के बिना संभव नहीं हो सकता : अविनाश पांडे

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड प्रदेश प्रोफेशनल्स कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष आदित्य विक्रम जयसवाल की अध्यक्षता में शनिवार को रांची में थिंक-2024 का आयोजन किया गया। मौके पर झारखंड कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडे ने कहा कि हर व्यक्ति सबसे पहले देश का नागरिक होता है, कोई भी समाज बिना व्यापार से मजबूत नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि तीन राज्यों के निर्माण को मैंने नजदीक से देखा है झारखंड में जो स्किल्ड, सोच, बुद्धिजीवी वर्ग का समूह है वह अन्य राज्यों में नहीं है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि हमारी सरकार प्रोफेशनल्स के मुद्दे को लेकर काफी संजीदा है। उन्होंने कहा कि

हमारे पास मानव श्रम होते हुए भी लोग रोजगार के लिए बाहर पलायन कर रहे हैं। इस पर रोक लगाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में बेरोजगारी बढ़ी है। मोदी सरकार के आने से देश में आर्थिक समानता काफी बढ़ी है।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा कि व्यापार क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए जब तक पब्लिक पार्टनरशिप नहीं होगा तब किसान का उत्पादन खराब होता रहेगा। खनिज भंडार से समृद्ध हमारे झारखंड राज्य में अद्यौगिक विकास के क्षेत्र में स्वर्णिम अवसर है। राज्य में ऐसे उद्योगों की स्थापना की जाय जो रोजगार के सृजन के साथ साथ राज्य सरकार को राजस्व की भी प्राप्ति हो सके।

कृषि मंत्री बादल पत्रलेख ने कहा कि हर व्यक्ति अपने राज्य के लिए, प्रोफेशन के लिए, अपने करियर के लिए अच्छा करना चाहता है। राजनीति एक अच्छा विषय है जिसके जरिये राज्य का विकास होता है, हालांकि आजकल यह क्षेत्र पैसा बन गया है जिससे भ्रष्टाचार बढ़ गया है। प्रोफेशनल्स लोगों को सेवा के क्षेत्र में आगे आने की जरूरत है।

मौके पर प्रदेश कांग्रेस के महासचिव अजय नाथ शाहदेव ने कहा कि झारखंड में प्रोफेशनल्स कांग्रेस सभी व्यापारी वर्ग के लोगों को पार्टी से जोड़कर थिंक 2024 के लक्ष्य के साथ राहुल गांधी की सपनों को पूरा करने का काम करेगी।

प्रोफेशनल्स कांग्रेस के अध्यक्ष आदित्य विक्रम जयसवाल ने कहा कि झारखंड प्रदेश में प्रोफेशनल्स कांग्रेस थिंक-2024 लक्ष्य के तहत पूरी संजीदगी के साथ काम करेगी और प्रोफेशनल्स के मुद्दों को पार्टी संगठन और सरकार के बीच समन्वय बनाकर निवारण करने का काम करेगी।

ई-विद्यावाहिनी को लेकर नया आदेश जारी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद् की परियोजना निदेशक किरण कुमारी पासी ने ई-विद्यावाहिनी को लेकर नया आदेश जारी किया है। इसकी जानकारी सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी और जिला शिक्षा अधीक्षक को दे दी गयी है। इसमें दिए गए निर्देश का पालन हर हाल में 31 अक्टूबर, 2023 तक पूरा करने को कहा है। जारी आदेश में निदेशक ने लिखा है कि वर्ष 2023-24 में छात्रवार आंकड़ा ई-विद्यावाहिनी के माध्यम से अद्यतन/प्रोग्रेशन और नए बच्चों का संकलन 31 जुलाई, 2023 तक पूर्ण करने का निर्देश दिया गया था। खेद के साथ सूचित करना है कि अब तक आपके जिले द्वारा उक्त कार्य पूर्ण नहीं किया गया है। उक्त के संबंध में कई निर्देश दिए गए हैं।

छात्र संबंधित आंकड़ों के संकलन और अपडेशन का आदेश : वर्ष 2022-23 में नामांकित सभी छात्र-छात्राओं का प्रोग्रेसन उनके वार्षिक प्राप्तांक, उपस्थिति दिवस, प्राप्त पोशाक एवं पाठ्य पुस्तक के आंकड़ों के साथ वर्ष 2023-24 के लिए किया जाना है। वर्ष 2023-24 में नामांकित सभी नए विद्यार्थियों के आंकड़ों की प्रविष्टि ई-विद्यावाहिनी में की जानी है। भारत सरकार द्वारा प्राप्त डीसीएफ के आधार पर वर्ष 2023-24 में यू-डायस मैनडेटरी फिल्ड्स में कुछ नए फिल्ड्स जोड़े गए हैं। इसलिए सभी छात्रों के आंकड़ों का यू-डायस मैनडेटरी फिल्ड्स में नए फिल्ड्स का अपडेशन किया जाना है।

विद्यालय स्तर से यह सुनिश्चित और सत्यापित किया जाना है कि वर्ष 2023-24 में नामांकित सभी बच्चों का विवरण यथा वर्ग, वर्ग अनुभाग, कोटि, छात्र लिंग, आधार संख्या, बैंक खाता जैसे आंकड़े की जानकारी सही भरी गई है।

शत प्रतिशत छात्रों का आधार संख्या और बैंक खाता अद्यतन एवं ई-विद्यावाहिनी के आंकड़ों के आधार पर छात्रों के चाइल्ड इंटाइटलमेंट की राशि डीबीटी करने की पूर्ण जबाबदेही प्रखंड संसाधन केंद्र एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में कार्यरत लेखापाल-सह-कम्प्यूटर ऑपरेटर की होगी।

विद्यालय संबंधित आंकड़ों के संकलन एवं अपडेशन : जिला अंतर्गत भौतिक रूप से संचालित सभी कोटि एवं प्रबंधन के विद्यालय जिसे अब तक यू-डायस कोड आवंटित नहीं किया गया है, को ई-विद्यावाहिनी में जोड़ा जाना है। साथ ही, सभी विद्यालयों के आधारभूत संरचना, शिक्षक एवं छात्र से संबंधित आवश्यक आंकड़ों का संकलण ई-विद्यावाहिनी के माध्यम से किया जाना है।

80 उत्कृष्ट विद्यालयों समेत 41 अन्य स्कूलों में लागू होगी हर्ष जोहार पाठ्यचर्या योजना

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड के शिक्षा विभाग द्वारा 80 उत्कृष्ट विद्यालयों और और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों को मिलाकर कुल 121 स्कूलों में हर्ष जोहार कार्यक्रम के तहत हर्ष जोहार पाठ्यचर्या को लागू करने की पहल की जा रही है। इसे लेकर 80 उत्कृष्ट विद्यालयों और कस्तूरबा विद्यालयों में से प्रत्येक विद्यालय से 10 शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए दो दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण प्रोजेक्ट के तहत हर्ष जोहार कार्यक्रम चलाया जा रहा है, इसी के तहत राज्य के 121 स्कूलों में बच्चों के अंदर सोशल इमोशनल लर्निंग, एक्टिविटी बेस्ड लर्निंग, इंटरैक्टिव सेशंस, सेफ स्पेस फॉर लर्निंग आदि के माध्यम से जीवन कौशल विकसित किया जाएगा। यह पाठ्यक्रम 6 से 12वीं तक के बच्चों के लिए होगा।

हर्ष जोहार पाठ्यचर्या के तहत बच्चों में भावनात्मक लचीलापन विकसित करने, महत्वपूर्ण विचार कौशल, जिम्मेदार निर्णय लेने, आत्म जागरूकता, आत्म सम्मान, विकासोन्मुख मानसिकता, सकारात्मक संबंध स्थापित करने और उसे बनाये रखने, दूसरों के प्रति सहानुभूति रखने जैसे जीवन कौशल विकसित किये जाएंगे।

पुलिस ड्यूटी मीट-2023 संपन्न, दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय पुलिस ड्यूटी मीट में भाग लेंगे विजयी प्रतिभागी

दुमका ओवर-ऑल चैंपियन, रांची टीम बनी रनरअप

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची के जैप वन ग्राउंड में चल रहे तीन दिवसीय पुलिस ड्यूटी मीट 2023 शनिवार को संपन्न हो गया। तीन दिनों तक चले इस आयोजन के दौरान झारखंड पुलिस की सात टीमों के प्रतिभागियों ने अपराध अनुसंधान के विषयों को लेकर अपने कौशल का प्रदर्शन किया। झारखंड पुलिस ड्यूटी मीट में सर्वाधिक पुरस्कार के साथ दुमका ओवर ऑल चैंपियन बनी, जबकि रांची की टीम दूसरे स्थान पर रही। समापन समारोह के मुख्य अतिथि मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने 4 से 07 अक्टूबर तक चली प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिह्न और कप देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के दौरान डीजीपी अजय कुमार सिंह ने कहा कि झारखंड में पुलिसिंग को दुरूस्त करने के लिए हर तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। झारखंड पुलिस ड्यूटी मीट एक बेहतर मंच है जहां आकर प्रतियोगिता के तौर पर पुलिसकर्मी अपने अनुसंधान के गुर का प्रदर्शन करते हैं। प्रतियोगिता में विजेता रहे पुलिसकर्मी दिल्ली में राष्ट्रीय पुलिस ड्यूटी मीट में शामिल होंगे। इसके लिए उन्हें विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

पुलिस मजबूत हो तभी जनता सुरक्षित : मिथिलेश

पुलिस ड्यूटी मीट समापन समारोह के मुख्य अतिथि मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि पुलिस मजबूत होगी तभी जनता सुरक्षित रहेगी। मिथिलेश ठाकुर के अनुसार हमारी पुलिस अब तकनीकि रूप से दक्ष है। मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि नक्सलियों के खिलाफ झारखंड पुलिस में अभूतपूर्व सफलता पाई है। उन्होंने डीजीपी से यह अनुरोध किया कि साइबर क्राइम पर विशेष तौर पर काम होना चाहिए ताकि राज्य से साइबर अपराध का भी खात्मा हो सके।

शाहदेव प्रसाद ने जीते सबसे ज्यादा मेडल

पुलिस ड्यूटी मीट 2023 में संथाल रेंज का दबदबा रहा। सर्वाधिक पुरस्कार के साथ दुमका ओवरऑल चैंपियन रहा, दूसरा स्थान रांची जिला रहा। सबसे ज्यादा मेडल देवघर जिला बल के शाहदेव प्रसाद ने जीता है।

किस प्रतियोगिता में कौन कितने नंबर पर रहा

फॉरेंसिक साइंस (लिखित)
इंस्पेक्टर शाहदेव प्रसाद, देवघर सब इंस्पेक्टर मीनू कुमारी, वेस्ट सिंहभूमसब इंस्पेक्टर प्रशांत कुमार, बोकारो

फिंगर प्रिंट (प्रेक्टिकल एंड ओरल)
सब इंस्पेक्टर नविता कुमारी, लोहरदगा इंस्पेक्टर अनिल कुमार तिवारी, एटीएससब इंस्पेक्टर मीनू कुमारी, वेस्ट सिंहभूम

फोटोग्राफी (सीन एंड क्राइम)
इंस्पेक्टर शाहदेव प्रसाद, देवघर इंस्पेक्टर अनिल कुमार तिवारी, एटीएस सब इंस्पेक्टर मीनू कुमारी, वेस्ट सिंहभूम

क्राइम इंवेस्टिगेशन लॉ रूल्स एंड प्रोसिजर्स एंड कोर्ट जजमेंट
इंस्पेक्टर शाहदेव प्रसाद, देवघर सब इंस्पेक्टर प्रशांत कुमार, बोकारो इंस्पेक्टर राजीव रंजन (साहेबगंज)और अनिल तिवारी (एटीएस)

मेडिको लीगल (ओरल)
इंस्पेक्टर शाहदेव प्रसाद, देवघरसब इंस्पेक्टर नविता कुमारी महतो, लोहरदगा सब इंस्पेक्टर रवि शंकर, रांची

लिफ्टिंग पैकिंग एंड फारवार्डिंग ऑफ एक्जिबिट्स
सब इंस्पेक्टर इकबाल हुसैन, कोडरमा सब इंस्पेक्टर रोहित कुमार कालिंदी, रांची इंस्पेक्टर सतीश कुमार, सीआईडी और सब इंस्पेक्टर प्रशांत कुमार, बोकारो

झारखंड में बढ़ी हैं हत्या की घटनाएं

हत्या के मामले में रांची टॉप पर, जुलाई में हुई 18 हत्या

जिला	जून	जुलाई	जिला	जून	जुलाई
रांची	11	18	रामगढ़	02	03
खूंटी	02	07	कोडरमा	03	05
गुमला	06	10	चतरा	11	10
सिमडेगा	06	05	गिरिडीह	10	08
लोहरदगा	01	05	धनबाद	13	07
चाईबासा	05	05	बोकारो	03	05
सराइकेला	03	07	दुमका	05	06
जमशेदपुर	07	06	गोड्डा	09	05
पलामू	16	14	जामताड़ा	01	02
लातेहार	04	09	देवघर	06	08
गढ़वा	15	09	साहेबगंज	04	02
हजारीबाग	07	16	पाकुड़	03	01

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड में लोग एक दूसरे के खून के प्यासे हो गये हैं। यदि स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की बात करें तो झारखंड में हत्या की घटनाओं में तेजी से बढ़ोत्तरी हुई है। हत्या की सबसे अधिक वारदात जून और जुलाई महीने में हुई है। जून में हत्या की 151 घटनाएं घटित हुई थी, जबकि जुलाई में 173 हो गयी।

झारखंड में पलामू और हजारीबाग जिला में सबसे अधिक हत्या की घटनाएं हुई हैं। वहीं, राज्य की राजधानी रांची में जुलाई में हत्या की वारदात 18 रिकॉर्ड किया गया है। कहा जा सकता है हत्या के मामले में रांची टॉप पर है।

उत्सवी माहौल में आधुनिक नागपुरी गीतों पर झूमे लोग

सरना सदान मूलवासी मंच के कार्यक्रम में जुटे कई संगठन के लोग, अपनी परंपरा, संस्कृति और रीति-रिवाज को बचाने पर दिया जोर

करम मिलन समारोह

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सरना सदान मूलवासी मंच के तत्वावधान में अल्बर्ट एक्का चौक मेन रोड में करम मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य पाहन जगलाल पाहन, मुख्य संरक्षक रंजीत टोप्पो, हेमंत बरला, केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा, अध्यक्ष सूरज टोप्पो, महिला अध्यक्ष अर्चना मिर्धा, महासचिव अजीत लाकड़ा ने किया। इस करम मिलन समारोह का उद्देश्य एक मंच में आकर करम पूजा की खुशियों को आपस में बांटना रहा ताकि झारखंड के बाहर के लोग भी झारखंड की परंपरा रीति-रिवाज संस्कृति को जानें।

मुख्य पहान जगलाल पहान ने कहा कि आदिवासी समाज जिस दिन अपनी परंपरागत व्यवस्था को छोड़ता है तो उसी दिन से आदिवासीयत समाप्त हो जाता है। इसलिए अपने पूर्वजों की दी गई व्यवस्था को मानें तभी आदिवासी समाज बच पाएगा।

सरना सदान मूलवासी मंच के अध्यक्ष सूरज टोप्पो ने कहा कि करम मिलन समारोह के माध्यम से हर वर्ग के लोगों को एक मंच पर लाना सरना सदान मूलवासी मंच का मकसद है।

केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि आदिवासी समाज के ऊपर चौतरफा हमला हो रहा है। इन हमलों से बचाना हमसब का दायित्व है। ऐसे कार्यक्रम से आदिवासी समाज को जागरूक करना आदिवासी समाज की रीति रिवाज और परंपरा को बरकरार रखना है।

इन समिति के बच्चों ने लिया हिस्सा : करम टोली सरना समिति, चडरी सरना समिति, नगला टोली सरना समिति, हिंदीपीढ़ी सरना समिति, मिसिर गोंदा सरना समिति, सरना समिति हतमा, एदलहातू सरना समिति, सरई टांड़ सरना समिति, बिरसा विकास जन कल्याण समिति, ओरमांझी सरना समिति, चडरी के बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम किया गया।

सामाजिक संगठनों को किया गया सम्मानित : कार्यक्रम में सभी सामाजिक संगठनों के पदधारियों का स्वागत किया गया, जिसमें रांची महावीर मंडल के पूर्व अध्यक्ष जय सिंह यादव, जेके इंटरनेशनल के निदेशक जितेंद्र सिंह, कांग्रेस नेता कुमार राजा, भाजपा नेता मुनचुन राय, झामुमो नेता अंतु तिर्की, पूर्व अध्यक्ष राजीव रंजन मिश्रा, रामनवमी सिंगर समिति के अध्यक्ष राकेश वर्मा, चैती दुर्गा पूजा समिति के लल्लू सिंह, जय मां काली पूजा समिति के अध्यक्ष रिंकू वर्मा, बसंत चंद्रवंशी, महेंद्र वर्मा, महानगर काली पूजा समिति के अध्यक्ष विनय सिंह, त्रिकोण हवन कुंड दुर्गा पूजा समिति के राजेश ठाकुर, रमेश गुप्ता को सम्मानित किया गया।

आधुनिक नागपुरी कलाकारों ने की गीत-संगीत की प्रस्तुति : इसके बाद सीमा देवी ने नागपुरी गीत संगीत एवं नृत्य प्रस्तुत किया। वहीं रात्रि 8:00 बजे से आधुनिक नागपुरी गीत का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसमें मनोज शहरी, पवन, पंकज, मनिका, लक्ष्मी ईगनेश, प्रीतम आदि उपस्थित थे।

SHARDA GLOBAL SCHOOL
Affiliated to C.B.S.E. (10+2), New Delhi
BUKRU, KANKE, RANCHI

ADMISSION OPEN (SESSION 2024-25)

Registration forms for admission in **Pre-Nursery to Std. IX** are available on payment of **Rs. 1100/- and 1300/-**. Forms can be filled and submitted online at our website : **www.shardaglobalschool.com** from **11th October to 14th October 2023.** Forms are also available at School Office, Timing 8:00 AM to 1:00 PM.

Last date of Form submission is **19th October 2023.**

Hostel facility available for Boys (Class III - Onwards)

BPL category candidates can apply with valid documents as per the Government rules for Pre-Nursery

For details contact us at : 7542983222, 9771435100, 9931069966
E-mail: shardaglobalschool@gmail.com
Principal

रिसालदार बाबा की मजार पर आज चादरपोशी करेंगे सीएम हेमंत सोरेन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार शाह बाबा का उर्स हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। शनिवार को बाद नमाजे फाजर कुरान खानी का आयोजन किया गया। उसके बाद विभिन्न क्षेत्रों से बाबा के आस्ताने में चादर पोशी की गयी। इस दौरान पुलिस मुख्यालय रक्षित परिवहन की ओर से दरगाह में चादरपोशी की गयी। डीएसपी जेपी नागू, सार्जेंट मेजर महेश चौधरी परिवार समेत शामिल हुए। वहीं अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हदायतुल्ला खान ने भी चादरपोशी कर राज्य की खुशहाली के लिए दुआ मांगी। इसके बाद नमाज जोहर मजार कमिटी द्वारा जायरीनों के बीच लंगर बांटा गया। दोपहर में दरगह परिसर में दरबारी कव्वाली का प्रोग्राम चला। जिसमें कव्वाल शहंशाह ब्रदर और आरिज नवाज कादरी के बीच मुकाबला हुआ।

बता दें कि आज रविवार को हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार शाह बाबा की मजार पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन चादरपोशी करेंगे।

इधर दरगाह के सामने मैदान में उर्स के साथ मेले का भी आयोजन किया गया है। जहां मनोरंजन के कई प्रकार झूले लगाये गये हैं। मेले में सुरक्षा लेकर दरगाह कमिटी ने वोलेंटियर ग्रुप बनाया है। वहीं जिला प्रशासन भी अपनी उर्स मे विधि व्यवस्था संभाली हुई है।

उर्स को सफल बनाने में कमेटी के अध्यक्ष अयूब गद्दी, महासचिव जावेद अनवर, उपाध्यक्ष रिजवान हुसैन, बेलाल अहमद, जुल्फिकार अली भुट्टो, मोहम्मद सदीक, जैनुल आबिदीन राज, अब्दुल खालिक, अनीश गद्दी, सरफराज उर्फ सम्पा, नज्जू अंसारी, एजाज गद्दी, आसिफ नईम, आफताब आलम, साजिद उमर, मोहम्मद शहजाद बबलू, नसीम गद्दी,एल उर्फ पप्पू गद्दी आदि शामिल हैं।

दुगार्पूजा के सफल आयोजन को लेकर पूजा पंडाल समितियों के साथ बैठक में डीसी बोले

पूजा समितियों की मांग के अनुरूप सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने का होगा प्रयास

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। उपायुक्त राहुल कुमार ने शनिवार को दुगार्पूजा को लेकर विभिन्न पूजा पंडाल समितियों के साथ बैठक की। जिसमें विभिन्न पूजा पंडाल समिति के सदस्यों द्वारा शांतिपूर्ण माहौल एवं बेहतर व्यवस्था के बीच पूजा समापन को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये। समिति के सदस्यों ने बारी-बारी से सीसीटीवी की व्यवस्था, साफ-सफाई, जलापूर्ति, अवैध शराब की बिक्री पर रोक, निर्बाध बिजली आपूर्ति, महिला आरक्षियों की प्रतिनियुक्ति, ग्रामीण क्षेत्र से आनेवाले श्रद्धालुओं के लिए परिवहन की व्यवस्था, विर्सजन के दौरान घाटों पर लाइट की व्यवस्था आदि को लेकर सुझाव दिये।

इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा मुहैया करायी जाने वाली सभी सुविधाएं समितियों को उपलब्ध कराने का भरपूर प्रयास किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन बेहतर से बेहतर व्यवस्था देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान नगर निगम के संबंधित अधिकारी ने कहा कि पूजा समितियों की मांग के आलोक में पूरी व्यवस्था की जायेगी। नवमी और दशमी को घाटों पर लाइट की समुचित व्यवस्था की जायेगी। वहीं शांति समिति और पूजा समिति में युवाओं की सहभागिता की उपायुक्त ने प्रशंसा की।

बैठक में एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा, एसडीओ सदर दीपक दुबे, एसडीओ बुंडू अजय कुमार साव, सिटी एसपी, अपर जिला दंडाधिकारी और संबंधित पुलिस-प्रशासन, नगर प्रशासन के पदाधिकारी, सीओ व विभिन्न दुर्गा पूजा समिति के सदस्य उपस्थित थे।

पंडाल में इंट्री और एग्जिट अलग हो: एसडीओ

बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी सदर रांची दीपक दुबे ने कहा कि पंडाल में इंट्री और एग्जिट प्वाइंट अलग-अलग रखें, अगलगी से सुरक्षा के लिए उपकरण की व्यवस्था रखें। उन्होंने कहा कि उपायुक्त के निर्देशानुसार जिला प्रशासन की टीम पंडालों का निरीक्षण करेगी, जांच दल द्वारा जो भी कमियां बतायी जाती हैं, उसे समितियां सुधार लेंगी। उन्होंने कहा कि 24 और 25 अक्टूबर को विसर्जन के लिए सभी समितियां 4-5 घंटे का समय निर्धारित कर लें। युवा दस्ते के सहयोग के लिए एसडीओ ने आभार जताया।

नियमानुसार लाउडस्पीकर और डीजे का करें इस्तेमाल : एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने कहा कि इस बात का ध्यान रखें कि ध्वनि प्रदूषण न हो, नियमानुसार लाउडस्पीकर का इस्तेमाल करें, रात 10 बजे के बाद लाउडस्पीकर का उपयोग न करें। बच्चों के गुम हो जाने के दौरान सिर्फ खोया-पाया की ही घोषणा करें।

प्रदर्शन का नहीं पूजा का भाव हो : एसएसपी

बैठक के दौरान एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने पूजा समितियों से कहा कि इस तरह से पूजा करें कि सच में पूजा का भाव दिखे। उन्होंने कहा कि ये बातें होती है कि पुलिसकर्मी पूजा नहीं कर पाते, आप ऐसे अपनी ड्यूटी निभायें जैसे मां की पूजा कर रहे हों। उन्होंने कहा कि अगर सड़क के गड्ढों और बिजली के तार से किसी श्रद्धालु को जरा भी परेशानी होती है तो ठेकेदार पर कार्रवाई की जायेगी। शांति समिति के साथ जिलावासियों से अपील करते हुए श्री सिन्हा ने कहा कि सोशल मीडिया पर भड़काऊ फोटो, वीडियो और पोस्ट की जानकारी पुलिस को दें। पुलिस अधीक्षक नगर ने कहा कि बिना थाना प्रभारी को सूचना दिये विसर्जन न करें।

अवैध शराब की बिक्री पर कार्रवाई जारी

उत्पाद विभाग के अधिकारी ने बताया कि टीम द्वारा अवैध शराब बिक्री पर कार्रवाई की जा रही है। बैठक के दौरान सड़क पर निर्माण कार्य में लगे विभिन्न एजेंसियों को गड्ढ़ों को भरने या घेराबंदी करने का निर्देश दिया गया। अपर जिला दंडाधिकारी ने जुडको के संबंधित पदाधिकारी को कहा कि जहां काम चल रहा है वहां लाइट की भी व्यवस्था करें।

बिजली की शिकायत 9431135682 पर करें

बिजली विभाग के अधिकारी ने बताया कि पूजा पंडालों का निरीक्षण किया जायेगा। पूजा समिति के अध्यक्ष एवं सचिव को संपर्क नंबर दिया जायेगा। बिजली समस्या को लेकर पूजा समिति के सदस्य कंट्रोल रुम में 9431135682 पर कॉल कर सकते हैं। समितियां विसर्जन के दौरान रुट और समय की जानकारी दें ताकि आवश्यक इलाके में ही पावर कट करना पड़े। उन्होंने कहा कि बिजली के तार से तीन मीटर की दूरी पर पंडाल निर्माण कार्य करें।

साफ्टवेयर इंजीनियर से सामूहिक दुष्कर्म मामले के अनुसंधानकर्ता 'बीबी सहाय ट्राफी' से सम्मानित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पुराना चाईबासा हवाई अड्डा में अपने पुरुष मित्र के साथ घूमने गयी 26 साल की साफ्टवेयर इंजीनियर के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना का वैज्ञानिक तरीके से अनुसंधान कर अपराध को अंजाम देने वाले युवकों को गिरफ्तार करने वाले अनुसंधानकर्ता सह सदर थाने थाना प्रभारी इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार को राज्य स्तर पर उत्कृष्ट अनुसंधानकर्ता के रूप में बीबी सहाय ट्राफी और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार को यह सम्मान पुलिस ड्यूटी मीट में मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने रांची में डीजीपी की उपस्थिति में प्रदान किया। मालूम हो कि 20 अक्टूबर 2022 को शाम के समय जब 26 वर्षीय एक युवती साफ्टवेयर इंजीनियर अपने परिचित दोस्त के साथ घूमने के लिए पुराना चाईबासा एयरोड्रम की तरफ गयी थी। वहां पर अचानक 9-10 नवयुवकों द्वारा घेरकर दोनों की पिटाई कर मोबाइल, पर्स, डेबिट कार्ड, रुमाल, पैसा इत्यादि छीन लिया गया था। साथ ही साथ महिला साफ्टवेयर इंजीनियर के साथ सामूहिक दुष्कर्म एवं अप्राकृतिक यौनाचार किया गया था।

गवर्नर और सीएम ने भारतीय महिला हॉकी टीम को दी बधाई

रांची। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एशियन गेम्स-2023 में कांस्य पदक जीतने पर भारतीय महिला हॉकी टीम को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने एशियन गेम्स 2023 में कांस्य पदक जीतने के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम को हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि एशियन गेम्स में विभिन्न खेलों में ऐतिहासिक कुल 107 पदक जीतकर टीम इंडिया ने देश का मान-सम्मान बढ़ाया है। आप सभी का भविष्य उज्ज्वल हो यही कामना करता हूं।

सीएम ने सोशल मीडिया एक्स (ट्विटर) पर कर उन्होंने कहा कि एशियन गेम्स के विभिन्न खेलों में ऐतिहासिक कुल 107 पदक जीतकर टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन कर देश का मान-सम्मान बढ़ाया है। सभी खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

सीसीएल ओबीएस ने नीलम कुमारी को 9.83 लाख रुपये का चेक सौंपा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सीसीएल ऑफिसर्स बेनिवोलेन्ट सोसाईटी (ओबीएस) ने नीलम कुमारी को क्रमशः सीसीएल ओबीएस का रू. 4,50,000/- एवं ग्रुप इंशोयरेंस का रू. 5,33,905/- यानि कुल रू. 9,83,905/- (रू. नौ लाख तिरासी हजार नौ सौ पांच) की राशि चेक के माध्यम से प्रदान की। यह चेक सीसीएल ऑफिसर्स बेनिवोलेन्ट सोसाईटी (ओबीएस) की कोषाध्यक्षा कुमारी प्रतिभा और संगीता के द्वारा प्रदान किया गया। ज्ञात हो कि नीलम कुमारी के पति स्व. मुकेश कुमार, सहायक प्रबंधक (ई एण्ड एम), केदला वाशरी, हजारीबाग क्षेत्र का निधन सड़क दुघर्टना में हो गयी थी। इस अवसर पर सीसीएल ओबीएस के महासचिव आलोक कुमार त्रिपाठी, उपाध्यक्ष राजीव रंजन शर्मा एवं विनय कुमार शंकर, सुरेन्द्र प्रताप सिंह सहित नीलम कुमारी के परिवार के सदस्यसगण भी उपस्थित थे।

वर्चस्व की लड़ाई में मारा गया राजेश और संदीप

पीएलएफआइ के अमृत होरो ने दिया था लापुंग दोहरे हत्याकांड को अंजाम

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। 29 सितंबर की रात लापुंग के हुलसू गांव में राजेश साहु और संदीप की हत्याकांड के मामले में रांची पुलिस को क्लू मिला है। क्लू के मुताबिक, राजेश और संदीप की हत्या पीएलएफआई के अमृत होरो गुट ने कर दिया है।

एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा कहा कि पूरे मामले में जल्द ही खुलासा कर लिया जायेगा। रांची पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि पीएलएफआई उग्रवादी अमृत होरो के द्वारा ही संदीप और राजेश को गोली मारी गई थी। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि जेल में बंद पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप का बेहद करीबी मार्टिन केरकेप्ता, अमृत होरो, दुर्गा सिंह, कोरिया टोपनो, फिल्टर और मृतक राजेश साहू के बीच वर्चस्व की लड़ाई चल रही थी। राजेश साहू खूंटी में बालू सप्लाई का भी काम करता था।

राजेश का भी रहा है पीएलएफआई से पूर्व में संबंध

पुलिस की जांच में यह भी पता चला है कि मृतक राजेश का भी पीएलएफआई संगठन से लिंक जुड़ा हुआ था। संगठन और मृतक के बीच पैसे को लेकर कुछ विवाद चल रहा था। संगठन की ओर से कई बार राजेश को चेतावनी भी दी गयी थी, लेकिन वह नहीं माना, जिसके बाद संगठन की तरफ से हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया।

एके-47 से 20 राउंड हुई थी फायरिंग

29 सितंबर की रात 12 बजे लापुंग थाना क्षेत्र के हुलसु गांव में बाइक सवार अपराधियों ने राजेश और संदीप को निशाना बनाकर अंधाधुंध फायरिंग की थी। इस दौरान एके-47 से अपराधियों ने करीब 20 राउंड फायरिंग की थी। गोलीबारी की घटना में चार गोली लगने से राजेश की मौके पर ही मौत हो गयी थी, जबकि संदीप को दो गोली लगी थी। आनन-फानन में संदीप को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां बीते सोमवार को इलाज के दौरान संदीप की भी मौत हो गई।

उग्रवादियों की तलाश में चलाया जा रहा सर्च अभियान

दोहरे हत्याकांड में शामिल उग्रवादियों की गिरफ्तारी के लिए रांची के लापुंग और उसके आसपास के इलाको में झारखंड जगुआर के साथ मिलकर रांची पुलिस अभियान भी चला रही है। लेकिन लगभग एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी अभी तक पुलिस को कोई सफलता हाथ नहीं लगी है।

कांके अंचल के सीओ और कर्मी को दलालों से जान का खतरा!

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। कांके अंचल के सीओ और अंचल में कार्यरत कर्मियों को अब जमीन दलालों से खतरा हो गया है। जमीन दलालों से मुक्ति पाने के लिए कांके सीओ ने उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा और एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है। अंचल ऑफिस की ओर से लिखे गये पत्र में 12 सक्रिय जमीन दलालों की सूची भी भेजी है, जिनमें चार पर पूर्व में भी प्राथमिकी दर्ज है। पत्र में मो असामुददीन अंसारी उर्फ शाहिद, मिन्हाजुल अंसारी, मो रिजवान अंसारी (हुसिर, पूर्व में प्राथमिकी दर्ज), विजय राम (बुकरू, पूर्व में प्राथमिकी दर्ज), चांद मंसूरी (सुकुरहुटटू), मंटू सिंह, अनिल तिवारी (लालगंज), अर्जुन साहू, अल्ताफ रजा (होचर), अजय कुमार (अरसंडे), महानंद महतो (हुंदूर), फैज फारूकी (हिंदपीढ़ी) शामिल है। पत्र में कहा गया है कि सभी जमीन दलाल ऑफिस खुलने से पहले ही कार्यालय पहुंच जाते हैं और परिसर में जमीन संबंधी काम कराने आए लोगों को रास्ते में पकड़ कर खुद कागजात ले लेते हैं और कहते हैं कि वह यहां का कर्मचारी है, वह काम कर देगा।

सीओ ने कहा है कि उनलोगों से काम के एवज में पैसे लिये जाते हैं, जिससे अंचल कार्यालय की बदनामी होती है। सीओ ने यह भी कहा कि ये सभी दलाल यू- ट्यूबर और फर्जी पत्राकार जिनका कोई अस्तित्व नहीं रहता है, वैसे लोगों से फोटो और वीडियो खिंचवाकर ब्लैकमेल करने का काम करते हैं। उच्चाधिकारियों से कहकर सस्पेंड कराने की भी धमकी देते हैं।

सीओ ने यह भी कहा कि वरीय अधिकारियों को ट्विटर पर काम करने के तौर तरीको को भेजने और कार्रवाई की बात कही जाती है। इन जमीन दलालों के द्वारा कर्मियों के साथ रास्ते में गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी जाती है। ऐसे सीओ ने इन सभी जमीन दलालों पर कार्रवाई करने की मांग की है।

खबर एक नजर में

भू-माफिया चंद्रभूषण सिंह गिरफ्तार, गलत ढंग से जमीन की करायी थी रजिस्ट्री

रांची। पंडरा में आदिवासी जमीन को फर्जी तरीके से रजिस्ट्री कराने वाले भू-माफिया चंद्रभूषण सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पंडरा ओपी की पुलिस ने कार्रवाई की। चंद्रभूषण सिंह डोरंडा इलाके में रहते हैं। चंद्र भूषण सिंह पर आरोप है कि तत्कालीन हेहल सीओ के सहयोग से उसने करीब साढ़े चार एकड़ आदिवासी जमीन को संजय साहू नाम के व्यक्ति से रजिस्ट्री करा लिया था। इस मामले में भूषण प्रसाद सिंह के खिलाफ पंडरा ओपी में बीते 24 मई 2017 को कांड संख्या 260 /17 दर्ज किया गया था।

दान उत्सव को लेकर माल ऑफ रांची में नुक्कड़ नाटक का आयोजन

रांची। पूरे विश्व में 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर दान उत्सव के रूप में मनाया जाता है। दान उत्सव एक त्योहार के रूप में दान करने की भावना जगाने को लेकर मनाया जाता है। इस वर्ष प्रतिज्ञा संस्था ने टीम अभिव्यक्ति के कलाकारों के साथ मिलकर शनिवार को मॉल ऑफ रांची के प्रांगण में एक नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति की जहां उन्होंने बच्चों की शिक्षा, आवास और भूख को मुद्दे के रूप में झलकाने की कोशिश की। मौके पर संस्था के सचिव अजय कुमार, लक्ष्मी, कृति, मनीष व अन्य मौजूद थे।

सभी शिक्षकों की बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य, नहीं बनानेवालों की वेतन रोकें

डीसी ने की शिक्षा विभाग एवं पीएम पोषण (मध्याह्न भोजन) योजना की समीक्षा बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने जिला शिक्षा अधिकारी और संबंधित पदाधिकारियों को सभी शिक्षकों की बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि जो शिक्षक बायोमेट्रिक उपस्थिति नहीं बनाते हैं, उनपर कार्रवाई करें। उपायुक्त शनिवार को समाहरणालय में शिक्षा विभाग और पीएम पोषण योजना की समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान जिला शिक्षा अधीक्षक मिथिलेश केरकेट्टा, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, नोडल पदाधिकारी एमडीएम रहमत अली, सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी झारखंड शिक्षा परियोजना रांची आशीष कुमार और अन्य सभी संबंधित अधिकारी बैठक में शामिल थे।

15 दिनों में करायें बैंक सत्यापन : बैंक खाता सत्यापन में जिले के 19% बच्चों का अब तक पूर्ण किया गया है। जिसमें नामकुम, चान्हो, ओरमांझी, तमाड़, राहे इन प्रखण्ड का बैंक सत्यापन औसत से काफी कम पाया गया है। जिसपर उपायुक्त ने 15 दिनों में ई-विद्यावाहिनी से संबंधित सभी आंकड़े को पूर्ण करने का निर्देश देते हुए कहा कि प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी इसका गहन अनुश्रवण करेंगे।

निःशुल्क पोशाक वितरण की स्थिति : उपायुक्त रांची ने पहली कक्षा एवं दूसरी कक्षा के बच्चों के लिए पोशाक उपलब्धता को लेकर विद्यालय प्रबंधन समिति एवं प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को समय सीमा निर्धारण करते हुए कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया।

एफएलएन कार्यक्रम (निपुण भारत) : उपायुक्त ने एफएलएन कार्यक्रम (निपुण भारत) की समीक्षा करते हुए एफएलएन कार्यक्रम के अंतर्गत उपलब्ध कराए गए वर्क बुक, किट एवं नूपुर पुस्तक के उपयोग एवं अनुश्रवण के लिए सीआरपी और बीआरपी को अनुश्रवण करने का निर्देश दिया गया।

उत्कृष्ट विद्यालयों में हो रहा हर्ष जोहार की पढ़ाई : उपायुक्त ने हर्ष जोहार योजना पर कहा कि बच्चों को नैतिक शिक्षा बल्कि तनावमुक्त वातावरण में पढ़ाई कराने के लिए यह योजना यह काफी महत्वपूर्ण है जिससे बच्चे पढ़ाई को बोझ समझने के बजाए खेल खेल में शिक्षा ग्रहण करने में सफल होंगे। बता दें कि झारखंड के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को अब खेल-खेल में शिक्षा देने की योजना है। फिलहाल, इसकी शुरूआत उत्कृष्ट विद्यालय से हो रही है।

मिड डे मिल के चावल का उठाव एवं इसका वितरण ससमय कराने के निर्देश : उपायुक्त ने मिड डे मिल के चावल का उठाव एवं इसका वितरण ससमय कराने को लेकर सम्बंधित अधिकारी को कई दिशा निर्देश दिया।

उन्होंने विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए इसे विद्यालयों द्वारा लागू कराने का निर्देश दिया। श्री सिन्हा ने सभी विद्यालयों को प्रश्न बॉक्स स्थापित कराने को कहा गया।

विद्यालय प्रबंधन समिति का प्रशिक्षण एवं विद्यालय विकास योजना

उपायुक्त ने विद्यालय प्रबंधन समिति का प्रशिक्षण एवं विद्यालय विकास योजना की समीक्षा करते हुए इसे अपडेट करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त रांची, ने प्रयास एवं प्रोजेक्ट रेल कार्यक्रम पर विस्तृत चर्चा करते हुए पाया की प्रोजेक्ट रेल में 54% बच्चों का मूल्यांकन में उपस्थित पाया। जिसके लिए उपायुक्त रांची, द्वारा इसे और बढ़ाने के लिए सम्बंधित अधिकारी को निर्देश दिया एवं सहायक शिक्षक (पारा शिक्षक), कस्तूरबा गांधी बालिका (आवासीय) विद्यालय, आइसीटी की समीक्षा करते हुए इसमें सम्बंधित अधिकारी को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।

ई-विद्यावाहिनी को अपडेट करें

उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने ई-विद्यावाहिनी के प्रोगेस्न में खलारी, लापुंग, नगड़ी, रांची सदर, ओरमांझी में जिला औसत से कम पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि इसे 15 दिनों के अंदर ई-विद्यावाहिनी में अपडेट करायें। उपायुक्त ने छात्रों की उपस्थिति की भी जानकारी ली और ई विद्यावाहिनी में अपडेट करने को कहा। उपायुक्त रांची ने निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण को लेकर संबंधित अधिकारी को पाठ्य पुस्तक के आंकड़ो को ई-विद्यावाहिनी में अपडेट करने का निर्देश दिया।

खबर एक नजर में

श्री श्याम मंदिर में भंडारा आयोजित

रांची। इस भोग के अतिप्रिय भजनों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर शनिवार को गूंज रहा था। अवसर था 82वें श्री श्याम भंडारे के प्रसाद का भोग अर्पित करने का। श्री श्याम मित्र मंडल के पहले महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया व उपमंत्री अनिल नारनौली के नेतृत्व में यजमान संजय सिंघानिया रेखा सिंघानिया संजीत सिंघानिया साक्षी सिंघानिया ने श्री श्याम मंदिर में विराजमान खाटूनरेश लड्डू गोपाल शालिग्राम शिव परिवार हनुमान व गुरुजनों को भंडारे का प्रसाद अर्पित कर सुख समृद्धि व खुशहाली की प्रार्थना की। श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, संजय सिंघानिया, रेखा सिंघानिया, संजीत सिंघानिया, साक्षी सिंघानिया, श्रवण ढानढनिया, प्रदीप राजगढ़िया, श्याम सुंदर शर्मा, पूर्व सांसद अजय मारू, अनिल नारनोली, राजीव रंजन मित्तल, स्नेह पोद्दार, अनुज मोदी, आशीष डालमिया, अमित सरावगी, वेद भूषण, जैन राहुल, मारू श्याम, सुंदर जोशी, कौशल चौधरी, कमलेश सावा, अंकित, राजेश कटारुका, मनोज खेतावत, स्नेहा पोद्दार, अन्नपूर्णा सरावगी, कविता मित्तल, रमा सरावगी, सरिता अग्रवाल, अभिषेक सरावगी, साहित्य पवन, मनीष वर्मा, झूलन मुंडा, उपेंद्र पांडे, सुक्रा उरांव, संजय शर्मा, अमित महतो, अभिषेक गुप्ता, तरुण शर्मा, नकुल मुंडा, कुमार पवन शर्मा, मदन सोनी, अरविंद सोमानी, रौनक पोद्दार, संजय सराफ सहित 70 से ज्यादा स्वयंसेवकों ने भंडारा वितरण में सहयोग किया।

श्री गणेश पूजा महानगर समिति का पुरस्कार वितरण

रांची। श्री चैती दुर्गा पूजा मंदिर (भुतहा तालाब) के प्रांगण में शनिवार को श्री गणेश पूजा रांची महानगर जिला महासमिति के द्वारा प्रथम, द्वितीय और तृतीय आने वाले रांची महानगर और रांची ग्रामीण के पूजा पंडालों के बीच पुरस्कार वितरण अध्यक्ष नंद किशोर सिंह चंदेल की अध्यक्षता में किया गया। ओवरऑल पुरस्कार का खिताब न्यू स्टार नवयुवक संघ श्री गणेश पूजा समिति लोअर चुटिया को मिला, प्रथम पुरस्कार पंडाल- भारतीय युवा संघ गणपति पूजा समिति पिस्का मोड़ लकड़ी टाल, द्वितीय पुरस्कार पंडाल-श्री श्री गणेश पूजा समिति साउथ रेलवे कॉलोनी चुटिया फुटबॉल ग्राउंड, तृतीय पुरस्कार पंडाल- श्री कृष्णा नगर कॉलोनी युवक संघ श्री गणेश पूजा समिति रातू रोड मेट्रो गली को मिला। इस मौक पर शहर के अन्य पूजा पंडालों को भी पुरस्कार से नवाजा गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तौर पर राज्यसभा सांसद डॉक्टर महुआ माजी ने कहा कि आने वाले समय में तमाम पूजा पंडालो को इको फ्रेंडली पंडाल बनाना चाहिए।

इंटर डीपीएस बास्केटबॉल प्रतियोगिता में डीपीएस रांची चैंपियन

रांची। दिल्ली पब्लिक स्कूल, रूबी पार्क, कोलकाता द्वारा आयोजित इंटर डीपीएस बास्केटबॉल टूर्नामेंट (बॉयज) प्रतियोगिता के फाइनल मैच में दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) राँची की टीम ने दिल्ली पब्लिक स्कूल, सिलीगुड़ी की टीम को पराजित कर चैंपियन बनी। प्रतियोगिता में झारखंड, बिहार, ओरिसा, बंगाल एवं असम राज्य के डीपीएस विद्यालयों ने भाग लिया। शनिवार को आयोजित फाइनल मैच में डीपीएस रांची और डीपीएस सिलीगुड़ी के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखी गई। दोनों टीमों ने पूरे खेल के दौरान अनुकरणीय कौशल, टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। मैच कांटे का था, लेकिन खेल के अंत में, डीपीएस रांची ने 42-40 के अंतिम स्कोर के साथ जीत हासिल की। इस अवसर पर ओमकार श्रेष्ठ (कक्षा क) को 'बेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्राचार्य डॉ. राम सिंह ने कहा, इंटर डीपीएस बास्केटबॉल टूर्नामेंट में यह जीत डीपीएस रांची के छात्रों की प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है।

अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष ने कार्डिनल को दी श्रद्धांजलि

रांची। मांडर लिवेन्स अस्पताल में रखे कार्डिनल तेलेस्फोर पी टोप्पो के पार्थिव शरीर पर पर शनिवार को अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम ने अस्पताल जाकर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि कार्डिनल की मृत्यु से झारखण्ड मर्माहत है। कार्डिनल तेलेस्फोर पी टोप्पो का निधन एक अपूरणीय क्षति है। झारखण्ड में स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जायेगा। उन्होंने प्रेम, शांति और भाईचारे का सदा संदेश दिया। उनके जीवनकाल में विशप हाउस हर धर्म के लिए खुला रहा। कार्डिनल पी टोप्पो हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका प्रेम और सद्भाव हमेशा हमारे दिलों में बसी रहेगी। इस मौके पर आबिद अंसारी, अजबुल अंसारी शमीम अख्तर आजाद सइद् अख्तर, साकिर इस्लाही ने भी अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित की।

हटिया विस्थापित नेता नगड़ी सीओ से मिले

रांची। हटिया विस्थापित परिवार समिति के अध्यक्ष सह भाजपा नेता पंकज शाहदेव और झामुमो के जिला उपाध्यक्ष सह विस्थापित नेता कलाम आजाद ने नगड़ी प्रखंड के नव नियुक्त अंचलाधिकारी को पुष्प गुच्छ देकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। साथ ही विश्वास प्रकट किया कि नव नियुक्त अंचलाधिकारी क्षेत्र के गरीब गुरबों के कार्यों के साथ साथ जनहित के कार्यों को पूरी गंभीरता के साथ प्राथमिकता के आधार पर करेंगे।

नौसेना द्वारा आयोजित थिंक क्विज प्रतियोगिता में एस आर डीएवी का दबदबा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। जी-20 के अंतर्गत आयोजित भारतीय नौसेना तथा नेवी वेलफेयर एवं वेलनेस एसोसिएशन द्वारा आयोजित क्विज प्रतियोगिता में एस. आर. डीएवी. पुंदाग के दो विद्यार्थी कक्षा दश के अतुल राज तथा शुभम सिंह का चयन क्वार्टर फाइनल में हुआ है। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस प्रतियोगिता में देश के कई स्कूलों ने भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में कई चरण पार करने के बाद ही विद्यार्थी क्वार्टर फाइनल प्रतियोगिता में अपना स्थान सुनिश्चित कर पाए हैं। इसका सेमीफाइनल मुकाबला गेटवे ऑफ इंडिया मुंबई में आयोजित किया जायेगा।

प्राचार्य संजीत कुमार मिश्र ने क्विज के विजेता विद्यार्थियों को बधाई तथा क्वार्टर फाइनल चरण की प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने प्रतियोगियों को अगले चरण की तैयारी में एड़ी-चोटी का जोर लगाने की भी सलाह दी तथा उम्मीद जताई कि सेमीफाइनल मुकाबले में भी वे विजयी होंगे।

युवा बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन 3 का 7 लीजेंड्स में हुआ आगाज

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मारवाड़ी युवा मंच के रांची शाखा की ओर से शनिवार को युवा बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन-3 का आयोजन कांके रोड स्थित 7 लीजेंड्स में किया गया। इसमें कुल 8 टीम में भाग ले रही हैं। प्रथम मैच श्याम सुपरनोवास एवं महावीर जॉइंट्स द्वितीय वीकेंड वॉरियर्स एवं आदर्श अचीवर्स तीसरा मैच ऋषभ स्ट्राइकर एवं अग्निवीर चौथा मैच नारायणी अचीवर्स एवं फ्रेंड्स यूनाइटेड पांचवा मैच अग्निवीर एवं महावीर जेंट्स छठा मैच फ्रेंड्स यूनाइटेड एवं आदर्श अचीवर्स सातवां मैच श्याम सुपरनोवास एवं ऋषभ स्ट्राइकर आठवां मैच वीकेंड वॉरियर्स एवं नारायणी अचीवर्स के बीच खेला गया। पहले मैच महावीर जेंट्स ने 13 रन से जीता एवं दूसरे मैच के विजेता वीकेंड वॉरियर्स 17 रन से जीते इस कार्यक्रम के संयोजक विवेक तिबड़ेवाल एवं हर्ष जालान संस्था के खेलकूदय निर्देशक अभिषेक जालान एवं चेतन पोद्दार के निर्देशन में यह खेल का आयोजन किया जा रहा है। मैच का अगला कार्यक्रम रविवार को भी रखा गया है जिसमें विजय प्रतिभागियों को ट्रॉफी से नवाजा जाएगा इसके साथ ही बच्चों एवं महिलाओं के लिए भी विशेष क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया है जो कि रविवार को कांके रोड स्थित 7 लीजेंड्स में खेला जाएगा कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष रूप से अध्यक्ष अमित चौधरी सचिव विकास गोयल कोषाध्यक्ष अमित जांगिड़ पूर्व अध्यक्ष मनीष लोढा दीपक गोयंका, उपाध्यक्ष आशीष अग्रवाल रोहित सराओगी नीरज अग्रवाल सह सचिव सनी टीबड़ेवाल ,राघव जालान, उमंग सुल्तानिया, अरुण पोद्दार, अखिल तिकमानी, सोनित अग्रवाल, स्पर्श चौधरी, एवम अन्य सदस्य महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है।

मवि पंडरा में प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग ऑन सोलर विलेज पर कार्यशाला

रांची। गवर्नमेंट मिडल स्कूल पंडरा में सौर ऊर्जा आच्छादित ग्राम विषय पर छात्रों के लिए पीरामल फाउंडेशन द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग ऑन सोलर विलेज विषय पर आधारित प्रोजेक्ट कार्य, पेंटिंग व स्लोगन लेखन कार्य के माध्यम से ऊर्जा के नवीकरणीय स्त्रोत तथा सौर ऊर्जा की भारत वर्ष में अपार संभावना को देखते हुए अधिक से अधिक ग्रामों व शहरों को सौर ऊर्जा से आच्छादित करने पर ध्यान आकृष्ट कराने का सफल और सार्थक प्रयत्न किया गया। इस कार्यक्रम के अंत में छात्रों द्वारा दिनांक 6 अक्तुबर को पंडरा में जागरूकता रैली निकली गयी। संपूर्ण कार्यक्रम के दौरान स्कूल के हेड मास्टर अशोक सिंह एवं स्कूल के सभी शिक्षक- शिक्षिका और पीरामल फाउंडेशन की फेलो सायली आदि का बड़ा सहयोग था।

रक्षा सेवा कंबाइंड रिक्रूटमेंट टेस्ट 2023 की परीक्षा आज भी

रांची। कंबाइंड रिक्रूटमेंट टेस्ट 2023 के तहत राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और नौसेना अकादमी परीक्षा के अलावा सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा दो दिन चलेगी। पहले दिन शनिवार को रांची के आठ केन्द्रों पर शांतिपूर्ण परीक्षा हुई। आज रविवार को भी इन्हीं केन्द्रों पर परीक्षा होगी। संघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली द्वारा आयोजित होने वाली इस परीक्षा में 5324 परीक्षार्थी परीक्षा में हिस्सा ले रहे हैं। शनिवार को दोपहर 2:00 बजे से 4:00 बजे तक परीक्षा आयोजित की गयी। वहीं रविवार 8 अक्टूबर को प्रथम पाली 9:30 बजे पूर्वा? से 11:30 बजे पूर्वा? तक, वहीं द्वितीय पाली 2 बजे अपरा? से 4 बजे अपरा? तक परीक्षा आयोजित की जाएगी। जिसमें कुल 5324 परीक्षार्थी शामिल होंगे। दक्षिणी छोटानागपुर के प्रमंडलीय आयुक्त मनोज कुमार जायसवाल ने परीक्षा को शांतिपूर्ण और कदाचार मुक्त आयोजित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए हैं।

दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों का अभिनंदन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। महानगर श्री दुर्गा पूजा समिति के कार्यालय बिहार क्लब में सत्य अमरलोक दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष एवं एवं हनुमान मंदिर श्री दुर्गा पूजा समिति रेलवे स्टेशन नामकुम के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी का महानगर के कार्यालय में अभिनंदन और स्वागत किया गया। सत्य अमर लोक के अध्यक्ष हेमेंद्र सिंह एवं उनके पदाधिकारी तथा हनुमान मंदिर के अध्यक्ष विनोद सिंह एवं दुर्गा पूजा समिति के पदाधिकारी को माल्यार्पण एवं चुन्नी देकर दुर्गा पूजा में उनकी भूमिका की सहरना की गई। इस अवसर पर महानगर के अध्यक्ष डॉ अजीत सहाय कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप राय बाबू, वरीय उपाध्यक्ष राजन वर्मा, सहसंयोजक राजू लाल, रमेश सिंह उपाध्यक्ष राणा, रणधीर महामंत्री रविंद्र वर्मा कोषाध्यक्ष संजय सिंन्हा गोपू सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हुए। उपरोक्त जानकारी वरीय उपाध्यक्ष राजन वर्मा ने दिया।

पहाड़ी मंदिर विकास समिति ने धार्मिक न्यास पर्षद का किया विरोध

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। धार्मिक न्यास पर्षद का पुनर्गठन किया और इसमें विशुद्ध राजनीतिक लोगों की नियुक्ति कर दी गई है, ये वो लोग हैं जिनकी आस्था शायद ही हमारे मंदिरों में है, अपनी राजनीतिक निष्ठा के लिए ये किसी भी सीमा तक जा सकते हैं और ये बहुत गंभीर बात है। ये बातें पहाड़ी मंदिर विकास समिति के आनंद गड़ोदिया, अजय गोयंका,अमृत रमण, मुकेश अग्रवाल और अभिषेक यादव ने संयुक्त रूप से शनिवार को प्रेस वार्त्ता में कही। इन्होंने कहा कि अभी आरंभ में इस पर्षद में हिन्दू नाम धारी लोगों की ही नियुक्ति की गई है। आन्ध्र प्रदेश स्थित विश्वविख्यात तिरुपति मंदिर के बोर्ड में विभिन्न गैर हिन्दू लोग बैठा दिए जाते हैं, जो कि मंदिर के संसाधनों का अपने व्यक्तिगत लाभ या अपने धर्म के प्रचार-प्रसार में प्रयोग करते हैं। कुछ वर्ष पहले प्रयागराज में आयोजित होने वाले कुम्भ मेले की प्रबंध समिति का अध्यक्ष तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री आजम खान को बना दिया गया था, क्या आप किसी राज्य की हज समिति या किसी मस्जिद या चर्च की प्रबंध समिति में किसी गैर मुस्लिम, गैर ईसाई के होने की कल्पना कर सकते हैं। ये शुरूआत है, अभी इस सरकार ने पहचान पहाड़ी बाबा मंदिर और मेन रोड स्थित हिन्दुओं की श्रद्धा के केंद्र हनुमान मंदिर समेत ईटखोरी स्थित माँ भद्रकाली मंदिर पर ही कब्जा किया है लेकिन यदि समय रहते इसका विरोध न किया गया तो फिर ये लोग झारखंड के गौरव बाबा बैद्यनाथ मंदिर, बाबा वासुकिनाथ मंदिर समेत हर छोटे-बड़े मंदिर पर कब्जा कर लेंगे और उनसे प्राप्त संसाधनों का प्रयोग वस्तुतः सनातन धर्म के विरुद्ध होने वाली गतिविधियों में ही होगा।

सीतामढ़ी में स्थापित होंगी मां सीता की 251 फीट ऊंची प्रतिमा

रामायण रिसर्च काउंसिल ने लिया निर्णय

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। विधानसभा परिसर में शनिवार को रामायण रिसर्च काउंसिल के तत्वावधान में श्रीभगवती सीता मंदिर निर्माण जनजागरण अभियान समिति की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान सीतामढ़ी में मां सीताजी की 251 फीट ऊंची प्रतिमा की स्थापना तथा संबंधित क्षेत्र को शक्ति, पर्यटन एवं सांस्कृतिक क्षेत्र के रूप में विकसित करने के विषय को विस्तार से जानकारी दी गई। बैठक में शामिल हजारीबाग से पूर्व सांसद डॉ. यदुनाथ पाण्डेय ने कहा कि जैसे अयोध्या में भगवान श्रीराम के जन्मस्थान पर भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है, उसी तरह मां सीताजी के प्राकट्य क्षेत्र सीतामढ़ी में मां की विशाल प्रतिमा का स्थापित होना और उन्हें भगवती के रूप में स्थापना करना, निस्संदेह एक ऐतिहासिक पहल है और हम सब झारखण्ड के लोगों को इसे एक अवसर समझकर बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए।

बैठक के दौरान सर्वसम्मति से स्वामी दिव्यानंद महाराज को झारखण्ड प्रदेश का कार्यकारी संयोजक मनोनीत किया गया। अपने मनोनयन के बाद स्वामी दिव्यानंद महाराज ने कहा कि हम भारत में अन्य प्रदेशों की तरह झारखण्ड में भी काउंसिल की टीम का विस्तार कर मां सीताजी के इस पवित्र कार्य की जानकारी देकर लोगों को जागरूक करेंगे। उन्होंने कहा कि हम इस प्रकल्प से अधिक से अधिक महिलाओं को जोड़ने के लिए काउंसिल द्वारा गठित सीता सखी समिति का भी इस प्रदेश में विस्तार करेंगे और वह महिलाओं से आग्रह करेंगे कि वह इस कार्य का इस प्रदेश में नेतृत्व करें। बता दें कि काउंसिल के तत्वावधान में सीतामढ़ी में भव्य प्रतिमा के अलावा एक अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र भी विकसित किया जाना है। इसके अलावा अध्ययन केंद्र, शोध केंद्र, डिजिटल लाइब्रेरी समेत कई महत्वपूर्ण कार्यों को भी पूर्ण किया जाना है। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष आरती कुजूर, भाजपा प्रदेश महिला कार्यसमिति की सदस्य ऊषा पाण्डेय, राकेश कुमार मंडल, सत्यनारायण शुक्ला, मौसम सिंह, अधिवक्ता सुनील कुमार, कैलाश कुमार केसरी, ब्रजेश पाण्डेय, कुमुद झा, अनिता कुमारी, दीपेश निराला, विजय कुमार सिन्हा, डॉ. कुमार मनोज, नम्रता सोनी, कृष्णकांत सिंह, निलय सिंह, अनुज कुमार, उजय कुमार सिंह, शीला साहू समेत कई अथितिगण शामिल हुए। इस कार्यक्रम के संयोजक अखिलेश पाठक ने बैठक में आए सभी अतिथियों का धन्यवाद किया।

स्पीड न्यूज

चान्हो : ट्रैक्टर के नीचे दब कर चालक की मौत

चान्हो। तरंगा पंचायत के हर्रा जतरा टांड़ में ट्रैक्टर पलटने से चलाक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना शनिवार सुबह लगभग दस बजे की है। बताया जाता है कि मांडर थाना क्षेत्र के हेसल घुघरी निवासी तीस वर्षीय एतवा उरांव अपना ट्रैक्टर लेकर हल जोतने हर्रा गांव गया था। खेत जोतने के बाद वह दूसरा खेत जा रहा था, उसी दौरान ऊंचाई से उतरने में असंतुलित होकर ट्रैक्ट गढ्ढे में पलट गया और चालक इसके नीचे दब गया। ग्रामीणों ने बताया कि ट्रैक्टर एतवा का ही था। वह उसे स्वयं चलाता था। एतवा का बड़ा भाई बितना उरांव ईंट भट्ठे में काम करता है। घर पर उसके पिता पेरो उरांव और भाभी है जिसका रो रो कर बुरा हाल है।

इटकी में पूर्वाह्न 11 से शाम पांच बजे तक ठप रही विद्युत आपूर्ति

इटकी। इटकी प्रखंड क्षेत्र में शनिवार को पूर्वाहन 11 बजे से शाम पांच बजे तक बिजली आपूर्ति ठप रही, जिससे क्षेत्र के दर्जनों छोटे बड़े उद्योग के अलावा बिजली से जुड़ी कार्य ठप रहा। वही आमलोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ा। विभागीय जानकारी के मुताबिक विभाग द्वारा हटिया पावर ग्रिड में मेन्टेनेंस का कार्य किया जा रहा था। जिसके कारण इटकी विद्युत सबस्टेशन के अलावे पिस्का नगड़ीए बेड़ोए ब्राम्बे फीडर में बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई थी। विभाग द्वारा बिजली कट रहने की सूचना नही दी गई थी।

शहीद विश्वा केरटकेट्टा फुटबॉल टूर्नामेंट 18 से

इटकी। इटकी के कुंदी मैदान में शहीद विश्वा केरटकेट्टा मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ आगामी 18 अक्तूबर को किया जायेगा। टुनार्मेंट के आयोजक एमएफसी व एनवाइसी फुटबॉल क्लब कुंदी के संयुक्त बैठक में शनिवार को उक्त निर्णय लिया गया है। इस पांच दिवसीय फुटबॉल टूनार्मेंट में 16 टीमें भाग लेंगी। यह जानकारी आयोजन समिति के हसीबुल अंसारी ने दी। उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट के विजेता को प्रथम पुरस्कार, उपविजेता को 70 हजार व तीसरे और चौथे स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 20-20 हजार रुपये नगद पुरस्कार दिया जायेगा। टूर्नामेंट का इंट्री फीस दस हजार रुपये रखा गया है।

हाथियों ने रौंद डाली 50 किसानों के धान की फसल

राहे। प्रखंड के लोवाहातू पंचायत के कई गांव में हाथियों के झुंड ने शुक्रवार की रात घूम घूम कर धान फसल को मन भर खाया और रौंद दिया है। धान फसल में अब बाली निकल रहे है इस समय धान की बाली नरमएओर स्वादिष्ट होता है जिस कारण हाथियों को मन भर खाने को मिल रहा है। दिन में बांस वन के आसपास रहते हैएशाम होते ही खेत में उतर जाते है। किसानों का साल भर का मेहनत बर्वाद हो रहा है। पंचायत के लोवाहातू, दूधीटांड़, कोलमा, नीमटुंगरी, दारगाडीह, नावाडीह आदि गांव के 50 किसानों धान नष्ट हुये है। वन विभाग हाथियों को भगाने का काफी प्रयास किया है लेकिन हाथी बांस वन से निकल नही रहे है।

रोजगार के लिए नर्सिंग का क्षेत्र बेहतर विकल्प

सनराईज कॉलेज ऑफ नर्सिंग में फ्रेशर डे

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। सनराईज कॉलेज ऑफ नर्सिंग हुटुप ओरमांझी में शनिवार को फ्रेशर-डे कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर नर्सिंग की छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। वहीं कई छात्राओं ने नृत्य, गीत व रैम्प प्रस्तुत किए। वहीं क्यूज प्रतियोगिता का भी ओयाजन हुआ। इससे पूर्व नये नर्सिंग छात्र-छात्राओं का तिलक लगा कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कूलप्रकाष नर्सिंग कॉलेज के निदेषक कुलदीप कुमार सिंह व विषिष्ट अतिथि पासर हॉस्पिटल के नर्सिंग सुप्रिटेंडन अजय कुमार सिंह व अन्य अतिथियों द्वारा कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्जवलित कर किया गया। कुलदीप कुमार सिंह ने कहा ग्रामीण क्षेत्र के छात्र-छात्राओं में भी स्वस्थ्य के क्षेत्र में अपनी भविष्य तलास रहे हैं। ऐसे युवाओं के लिए नर्सिंग क्षेत्र सबसे बेहतर विकल्प है। वहीं कॉलेज के निदेषक युधीष्ठीर महतो ने बताया इंडियन नर्सिंग कांसिल (आईएनसी) नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त हो गया है। अब सनराईज नर्सिंग कॉलेज हुटुप में जीएनएम व एएनएम के साथ बीएसी नर्सिंग की भी षिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। इनके अलावा अजय कुमार सिंह, प्रचार्य अनुपमा सुरीन व सविता महतो ने भी संबोधन किया और नर्सिंग की छात्राओं को बेहतर भविष्य की शुभकामानएं दी। मौके पर डा. विकास कुमार, उमेश महतो, एलिस अत्ता व किरन मुर्मू के साथ षिक्षक व छात्र-छात्राएं आदि उपस्थित थे।

फ्रेशर-डे में नृत्य करती नर्सिंग की छात्राएं।

फ्लोरेंस के छह नर्सिंग छात्र स्टेट टॉपर

ओरमांझी। झारखंड नर्सेज रजिस्ट्रेशन कांसिल रांची द्वारा जीएनएम प्रथम वर्ष व द्वितीय वर्ष और एएनएम प्रथम वर्ष का परीक्षा परिणाम छह अक्टूबर को जारी किया गया। जिसमें फ्लोरेंस कॉलेज ऑफ नर्सिंग इरबा के छह छात्रा स्टेट टॉपर हुई हैं। जीएनएम प्रथम वर्ष में स्नेहा दत्ता व मंजू लकड़ा स्टेट में द्वितीय टॉपर हुई हैं। वहीं तानिया कुमारी तृतीय व जीएनएम द्वितीय वर्ष में रिंकू सामन्ता स्टेट टॉपर व रोहित कुणाल तृतीय टॉपर हुआ हैं। इसकी जानकरी देते हुए कॉलेज के सचिव जीनत कौशर सभी को टॉपर को बधाई दी और कहा कॉलेज के छात्र-छात्राएं स्टेट टॉपर होकर फ्लोरेंस के मान बढाया है। इनके अलावे षिक्षक व छात्राएं नें भी टॉपरों को बधाई दी है।

भटक कर बेड़ो पहुंची महिला की पिटाई के बाद किया दुष्कर्म, अस्पताल में भर्ती

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। भटक कर बेड़ो पहुंची लगभग 35 वर्षीय महिला के साथ हैवानियत की सभी हदें पार कर दी गईं। उसके साथ न केवल बेरहमी से पिटाई की गयी बल्कि लगातार दो दिनों तक दुष्कर्म भी किया गया। फिलहाल महिला बेड़ो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। महिला थाना क्षेत्र के लमकाना गांव के पास रांची-गुमला मुख्य मार्ग पर गुरुवार के दिन खड़ी मिली थी। जिसे एक ऑटो चालक ने बेड़ो पोस्ट ऑफिस के पास पहुंचा दिया। यहां ग्रामीणों द्वारा पूछे जाने पर महिला ने अपना नाम रानी बाई, पति पप्पू यादव पता सुल्तानपुर बता रही थी। ग्रामीणों का कहना है कि पहले तो महिला कुछ बोल नहीं पा रही थी। फिर उसे बिस्किट खिलाने व पानी पिलाने के बाद सिर्फ अपना और अपने पति का नाम और पता केवल सुल्तानपुर बता रही थी। इस महिला की पहचान को लेकर आसपास के कई व्हाट्सएप ग्रुप में महिला का वीडियो व फोटो चलाया गया था। महिला सुबह से शाम तक पोस्ट ऑफिस के आसपास दिखती रही, लेकिन उसका सुध लेने वाला कोई नहीं था। वही रात होते ही गायब हो जाती थी। फिर सुबह में नजर आती थी। वही शनिवार को इसे बेड़ो सीएचसी में अज्ञात लोगों द्वारा पहुंचा दिया गया, जहां महिला का इलाज हुआ।

संत अन्ना कॉलेज मांडर में शिक्षक अभिभावक मीटिंग

मांडर। संत अन्ना इंटरमीडिएट कॉलेज मांडर में शनिवार को शिक्षक अभिभावक मीटिंग सह रिजल्ट वितरण संपन्न हुआ। मीटिंग का आरंभ अभिभावक प्रतिनिधि द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। शिक्षक-अभिभावक द्वारा छात्र-छात्राओं के बेहतर रिजल्ट के लिए चर्चा परिचर्चा किए गए।

अनुमण्डल पदाधिकारी-सह-अनुमण्डल दण्डाधिकारी का कार्यालय, खूँटी (सामान्य शाखा)

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित करना है कि रेडक्रास सोसाईटी खूँटी शाखा, कार्यपालक समिति के पुनगर्ठन किया जा रहा है। भारतीय रेडक्रॉस सोसाईटी खूँटी शाखा, पूर्व से ही जनहित/जनभागीदारी में जिला प्रशासन के साथ सकिय भूमिका निभाती आ रही है। इसकी कड़ी को बरकरार रखने के लिए जिला प्रशासन कृतसंकल्प है।

अतः भारतीय रेडक्रास सोसाईटी खूँटी, के कार्यपालक समिति पुनगर्ठन हेतु इच्छुक व्यक्ति सदस्यता के लिए अपना आवेदन दिनांक 20.10.2023 तक अनुमण्डल कार्यालय, खूँटी में दे सकते है। आवेदक भारतीय रेडक्रास सोसाईटी खूँटी का सदस्य होना अनिवार्य है।

अनुमण्डल पदाधिकारी
खूँटी

PR 308578District(23-24)#D

ओरमांझी : स्वस्थ और स्वच्छ राष्ट्र निर्माण की ली शपथ

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। झारखंड स्वास्थ्य मिशन रांची के सौजन्य से शनिवार को उदय मेमोरियल बीएड कॉलेज केदल, नेवरी विकास में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के शिक्षक, गैर-शैक्षणिक कर्मचारी तथा बीएड व डीएलएड के सभी प्रशिक्षु छात्र-छात्राओं ने स्वच्छ भारत अभियान चलाने व समाज व राष्ट्र को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया गया। वहीं षिविर में सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल मेडिका के डा. केसी लाल, दीपक कुमार, एलिजाबेथ, सिलवंती, ओरल केयर के निदेषक डा. सौरभ प्रियदर्शी तिवारी, डा. लवली सहित अन्य चिकित्सकों द्वारा शिविर में पहुंचे 200 ग्रामीण व मरीजों का बीपी, शुगर, दांत व नेत्र जांच के अलावे जेनरल चेकप किया गया। कॉलेज के सचिव संतोष महतो ने कहा ग्रामीण क्षेत्र के कई ऐसे गरीब लोग हैं जो अपने स्वस्थ्य के प्रति जागरूक नही हैं। षिविर के माध्यम से लोगों को स्वस्थ्य जांच व स्वस्थ्य के प्रति जागरूता लाने के लिए यह षिविर लगाया गया। वहीं निदेषक राजेश कुमार कंडरवार ने कहा समाज स्वस्थ्य रहेगा तभी स्वस्थ्य राष्ट्र का निर्माण होगा। उन्होने कहा जल्द ही रक्तदान षिविर भी लगाया जाएगा। शिविर को सफल बनाने में झारखंड स्वास्थ्य मिशन के अध्यक्ष संतोष सोनी, निशा भारती एकता कुमारी, अंजली कुमारी, राजकुमार, स्वाति अंजना टोप्पो शामिल हैं।

कार्डिनल का जाना देश के लिए अपूरणीय क्षति

श्रद्धांजलि

खबर मन्त्र संवाददाता

मांडर। दिवंगत कार्डिनल टीपी टोप्पो को श्रद्धांजलि देने शनिवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी अविनाश पांडे, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम, कृषि मंत्री बादल पत्र लेख, विधायक दल के उप नेता प्रदीप यादव, सिमडेगा के विधायक विधायक भूषण बड़ा, फादर जॉर्ज कुजुर, विधायक प्रतिनिधि जमील मालिक, प्रखंड अध्यक्ष मंगा उरांव, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष सेरोफीना मिंज, जुवेल तिग्गा, मांडर थाना प्रभारी विनय कुमार यादव, मांडर चर्च के पल्ली पुरोहित। इस सभी ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि कार्डिनल का जाना पूरे भारत के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके सामाजिक कार्यों को नहीं भुलाया जा सकता है।

शमशेर आलम ने दी श्रद्धांजलि

मांडर। दिवंगत कार्डिनल टीपी टोप्पो को श्रद्धांजलि देने शनिवार को झारखंड सरकार के अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम मिशन अस्पताल पहुंचे। श्रद्धांजलि देते हुए शमशेर आलम ने कहा कि श्री टोप्पो झारखंड के महान विभूति थे। जीवनपर्यंत उन्होंने राज्य को आगे बढ़ाने पर ध्यान दिया। आज जिस अस्पताल में उनका शव रखा है वह बंद होने के कगार पर था, लेकिन आज उन्हीं की देन है कि यह अस्पताल अपने पुराने स्वरूप में लौटकर लोगों की सेवा कर रहा है। मौके पर मोमिन कांफ्रेंस के जिलाध्यक्ष शमीम अख्तर आजाद, साकिर इस्लाही सहित अन्य मौजूद थे।

MINOR IRRIGATION DIVISION, RANCHI.

e-Tender e-Procurement Notice

e-Tender Reference No. WRD/MID/RANCHI F_2 - 01/2023-24

1.	Name of the work	**Under Minor Irrigation Division, Ranchi.** Residual work of **Karanji M.I. Scheme,** Block:- Bero, Dist- Ranchi.
2.	Estimated Cost	**Rs. 1,67,14,759.00**
3.	Time of Completion	(11 months)
4.	Date of Publication of E - Tender on website	09.10.2023 at 2.00 pm
5.	Last date/Time for submission of E-Tender BID's	20.10.2023 up to 5:00 pm
6.	Last Date for online Submission of tender fee and EMD	e-Procurement Portal **(jharkhandtenders.gov.in)** 26.10.2023 up to 5:00 pm
7.	Date of Opining Tender	27.10.2023 at 2:00 pm
8.	Name & address of office Inviting tender	Executive Engineer, M.I. Division, Ranchi, Room No. 302, Abhiyantran Bhawan, Kutchery Chowak, Ranchi
a.	Contact no. of e-Procurement officer	9431190681
b.	Helpline number of e-Procurement cell	0651-3512781/Email ID- eemidran-cemr-jhr@nic.in

Note :- (1) Only e-Tenders will be accepted.
(2) Published Estimated Cost may be Increase or Decrease
Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer,
Minor Irrigation Division,
Ranchi.

PR 308634Minor Irrigation(23-24)#D

आजसू के भरत कांशी और जिप अध्यक्ष ने निजी कोष से करायी काठीटांड़ चौक की सड़क मरम्मत

खबर मन्त्र संवाददाता

कई लोग हो चुके हैं दुर्घटना के शिकार

रातू। आजसू पार्टी के हटिया विधानसभा प्रभारी भरत कांशी व जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला बिरेंद्र भगत की समाज के प्रति जवाबदेही और दरियादिली का हर कोई कायल है। दुकानदार संघ और राहगीरों की कठिनाइयों को देखते हुए उन्होंने शनिवार की रात ब्लॉक रोड स्थित काठीटांड़ चौक में बने सैकड़ों जानलेवा गढ्ढे को निजी कोष से भरवाकर सड़क की मरम्मत करायी। इससे पूर्व भी श्री कांशी रिंग रोड से सुंडिल होते हुए रवि स्टील चौक तक की जर्जर सड़क का श्रमदान से जीर्णोद्धार करा चुके हैं। सामाजिक सरोकार से ताल्लुक रखने वाले पार्टी नेता और जिप अध्यक्ष की इस उदारता को जनता खूब सराह रही है। संघ चौक की इस सड़क में महिला समेत दर्जनों लोग दुर्घटना के शिकार हो चुके थे। वाहनों के पलटने की भी खबर है। इसके मद्देनजर सांसद संजय सेठ और विधायक नवीन जायसवाल से फरियाद की गयी थी, लेकिन बात नहीं बनी। जनभावना को देखते हुये श्री कांशी व श्रीमती भगत ने इसकी मरम्मत का बीड़ा उठाया और लोगों की दिलों में जगह बना ली। और राहगीरों ने खुशी का इज़हार करते हुये न केवल आभार जताया, बल्कि उन्हें बधाई भी दी है। मौके पर चिंटू मिश्र व विशाल साहू आदि मौजूद थे।

रातू में शौर्य जागरण यात्रा का स्वागत

रातू। विहिप और बजरंग दल शौर्य जागरण यात्रा यहां पहुंची। सनातन धर्मावलंबियों ने गर्मजोशी से रथ का स्वागत किया। इससे पूर्व विहिप व भाजपा कार्यकर्ता ने रथ लेकर ब्राम्बे से मलटोली, मुरगू, काटू, मखमंदरो, ब्रजपुर, मरियाटांड़ व चट्टी होते हुये राजकिला स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर परिसर आये। क्षेत्र के लोगों की ओर से रथ में स्थापित श्रीराम लला की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये रौशन चौधरी ने अयोध्या राम मंदिर निर्माण को लेकर भक्तों को जानकारी दी। उन्होंने रविवार को 11 बजे रैली निकाल धुर्वा मैदान में धर्म सभा में भाग लेने की अपील की।

समाहरणालय, सिमडेगा
(पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवाकार्य शाखा)

इच्छा की अभिव्यक्ति अति अल्पकालिन निविदा

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निदेशक, खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय, झारखण्ड राँची के कार्यालय आदेश ज्ञापांक– 463/ दिनांक– 08.09.2023 के द्वारा वित्तीय वर्ष 2023–24 में सिमडेगा जिलान्तर्गत विभाग द्वारा संचालित 02 (दो) आवासीय क्रीड़ा प्रशिक्षण केन्द्रों में प्रशिक्षणरत् खिलाड़ियों प्रति प्रशिक्षण केन्द्र में 25 (पच्चीस) कुल– 50 प्रशिक्षुओं को भारतीय खेल प्राधिकरण के न्यूट्रीशनिस्ट तथा खेल विशेषज्ञों के द्वारा भोजनादि का डाईट चार्ट एवं साप्ताहिक मेन्यू के आधार पर भोजन एवं नाश्ता की व्यवस्था प्रति प्रशिक्षु हेतु निर्धारित रू0 –350/– (तीन सौ पच्चास रूपये) की दर से इच्छा की अभिव्यक्ति आमंत्रित किया जाता है।

इच्छुक प्रतिष्ठित फर्म तकनीकी बीड एवं वित्तीय बीड अलग–अलग लिफाफे में दिनांक– 14.10.2023, 02.00 बजे अपराहन् तक जिला खेल कार्यालय, सिमडेगा (समाहरणालय भवन) में समर्पित करना अनिवार्य होगा तथा दिनांक– 16.10.2023 को 12.30 बजे अपराहन् में कमिटि के द्वारा EOI खोली जायेगी। EOI की शर्त तथा विस्तृत खाने की मेनू के लिए वेबसाइट simdega.nic.in पर उपलब्ध है।

जिला खेल पदाधिकारी,
सिमडेगा

PR 308630 Simdega(23-24).D

झारखण्ड सरकार, खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय
(पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवाकार्य विभाग)

अति अल्पकालीन निविदा

संख्या–15/2023–24 राँची, दिनांक–06/10/2023

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि पर्यटन, कला–संस्कृति, खेलकूद एवं युवाकार्य विभाग अन्तर्गत खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय, झारखण्ड, राँची द्वारा आयोजित की जाने वाली "Jharkhand Women's Asian Hockey Champions Trophy, 2023" के अंतर्राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में देश, राज्य एवं विदेश के कई गणमान्य अतिथि एवं राष्ट्रीय मीडियाकर्मी शामिल होंगे। इस आयोजन को सफल करने के क्रम में मीडियाकर्मी/वीवीआईपी/वीआईपी (Media/Press/VVIP/VIP) व्यक्तियों आदि के अल्पाहार/भोजनादि की व्यवस्था हेतु मेन्यू के अनुसार प्रति प्लेट (Per Plate rate) की दर के निर्धारण हेतु इच्छुक कैटरर/फर्म/प्रतिष्ठान से मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदादाता दिनांक–14.10.2023 को पूर्वा० 11:00 बजे तक बिरसा मुण्डा फुटबॉल स्टेडियम, मोरहाबादी, राँची अवस्थित निदेशक, खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय, झारखण्ड, राँची के कार्यालय में निविदा समर्पित कर सकते है। निविदा की शर्तें एवं विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पट्ट एवं इस निदेशालय के वेबसाईट – https://sports.jharkhand.gov.in के Tender Section से Download की जा सकती है। इस निविदा से संबंधित अनुवर्ती/बाद की आवश्यक संशोधन एवं अन्य सूचनाएँ आदि निदेशालय के वेबसाईट https://sports.jharkhand.gov.in पर उपलब्ध होंगी। निविदा को किसी भी स्तर पर संशोधित, रद्द करने का सर्वाधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा।

ह०/– निदेशक,
खेलकूद एवं युवाकार्य, निदेशालय,
झारखण्ड, राँची

PR 308602 Art Culture Sports and Youth Affairs (23-24)_D

एफसी बड़काटोली चितरकोटा ने जीता फुटबॉल टूर्नामेंट

खबर मन्त्र संवाददाता

चान्हो। जय सरना क्लब बढ़ैय द्वारा आयोजित फुटबॉल टूर्नेमेंट का फाइनल मैच शनिवार को खेला गया। फाइनल मैच में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा युवा नेता सन्नी टोप्पो, विशिष्ट अतिथि चान्हो पूर्वी के जिला परिषद सदस्य आशुतोष तिवारी उपस्थित हुए। फाइनल मैच एफसी बड़काटोली चितरकोटा बनाम आदर्श विकास क्लब नवाटोली रोल के बीच खेला गया। एफसी बड़काटोली चितरकोटा ने पेनाल्टी शूटआउट में बढ़त बनाकर खिताब पर कब्जा किया। इस अवसर पर श्री टोप्पो ने कहा कि किसी भी खेल को सीखना कोई आसान काम नहीं है। इसके लिए समर्पण और मेहनत की जरूरत है। इसके अलावाए यह सब खेल आपके धैर्य और इसके प्रति आग्रह का परीक्षण करता है। इसके अलावाए आपके द्वारा सीखे गए हर नए कौशल के साथ आपके खेल में भी सुधार होता है। भारत में फुटबॉल

अगर हम कुछ साल पहले के परिदृश्यों को देखें तो हम कह सकते हैं कि पश्चिम बंगाल को छोड़कर फुटबॉल कोई लोकप्रिय खेल नहीं था। वहीं श्री तिवारी ने कहा हमारे देश में खेल के बढ़ते महत्व को देखते हुए इस विषय पर बात करना बहुत आम बात हो गया है। हर कोई जानता है कि खेलकुद हमारे जीवन का अनिवार्य हिस्सा है।

समाहरणालय, खूँटी
(जिला आपूर्ति शाखा)
Email ID-dsokhuntig200@gmail.com

प्रेस विज्ञप्ति
राशन कार्डधारियों (कार्ड सरेन्डर/रद्दीकरण) हेतु सुचना

एतद् द्वारा खूँटी जिला के सभी राशन कार्डधारियों (पूर्वविक्ता प्राप्त गृहस्थ योजना, अन्त्योदय अन्न योजना तथा झारखण्ड राज्य खाद्य योजना) को सूचित किया जाता है कि झारखण्ड सरकार के अधिसूचना संख्या 2114 दिनांक 28.07.2022 द्वारा अधिसूचित **"झारखण्ड लक्षित जन वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2022"** के अध्याय–II के कंडिका 4(III) के अनुसार गुलाबी या पीला तथा हरा राशन कार्ड प्राप्त करने की अयोग्यता–अपवर्जन मानक निम्नवत् है :–

1. वैसे परिवार जिनका कोई भी सदस्य, भारत सरकार/राज्य सरकार/केन्द्र शासित प्रदेश या इनके परिषद/उद्यम/प्रक्रम/उपक्रम/अन्य स्वायत निकाय जैसे विश्वविद्यालय इत्यादि/नगर निगम/नगर पर्षद/नगरपालिका/न्यास, इत्यादि मे नियोजित हो, अथवा;
2. वैसे परिवार, जिनका कोई भी सदस्य आयकर/सेवा कर/व्यावसायिक कर/**GST** देता हो, अथवा;
3. वैसे परिवार, जिनके पास पाँच एकड़ से अधिक सिंचित भूमि अथवा दस एकड़ से अधिक असिंचित भूमि हो, अथवा;
4. वैसे परिवार, जिनके पास चार पहिया मोटर वाहन(Four Wheeler Vehicle) अथवा इससे अधिक पहिया के वाहन हो, अथवा;
5. वैसे परिवार, जिनका कोई भी सदस्य सरकार द्वारा पंजीकृत उद्यम का स्वामी या संचालक हो, अथवा;
6. सरकारी आवास योजनाओं से अनाच्छादित वैसे परिवार, जिनके पास कमरों में पक्की दीवारों तथा छत के साथ तीन या इससे अधिक कमरों का मकान हो, अथवा;
7. वैसे परिवार, जिनके पास 5 लाख या इससे अधिक लागत का मशीन चालित चार पहिये वाले कृषि उपकरण (ट्रैक्टर, थ्रेसर इत्यादि) हो।

यदि किसी राशन कार्डधारी के पास उक्त मानकों मे एक भी मानक लागू है तो वह गुलाबी राशनकार्ड/पीला राशनकार्ड या हरा राशनकार्ड के हकदार नहीं है।

अतः जन साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त के आलोक में 7(सात) मानको मे से किसी भी एक मानक को पुरा नहीं करने वाले व्यक्तियों/परिवारों से अनुरोध है कि अपना राशन कार्ड रद्द/निरस्त करने हेतु https://jsfss.jharkhand.gov.in/SeccCardholders/login/ लिंक में जा कर उक्त सात(7) बिन्दुओं में से जिससे आप संबंध रखते हो उसका प्रमाण संलग्न करते हुए Online आवेदन करें अथवा लिखित आवेदन संबंधित प्रखंड आपूर्ति/पणन पदाधिकारी/प्रखंड विकास पदाधिकारी/अंचल अधिकारी/अपर समाहर्ता–सह–जिला शिकायत निवारण पदाधिकारी, खूँटी या जिला आपूर्ति पदाधिकारी, खूँटी के कार्यालय में दिनांक 15.10.2023 से 15.11.2023 के अपराहन 05:00 बजे तक जमा कर दें। अन्यथा उपर वर्णित 7 बिन्दु में से किसी एक के रहने की स्थिति में झारखण्ड लक्षित जन वितरण प्रणाली(नियंत्रण) आदेश 2022 के अध्याय–II के कंडिका 7(II) के अनुसार निम्नवत कठोरतम कार्रवाई की जायेगी।

(क) आपराधिक कार्यवाही प्रारम्भ की जायेगी।
(ख) लिये गए राशन की वसूली, राशन लिए जाने की तिथि से भू–राजस्व के बकाए के सदृश्य बाजार दर पर 12 प्रतिशत् प्रतिवर्ष की ब्याज पर वसूली की जायेगी।
(ग) यदि वह भारत सरकार/राज्य सरकार/केन्द्र शासित प्रदेश या इनके परिषद/उद्यम/प्रक्रम/उपक्रम/अन्य स्वायत निकाय जैसे विश्वविद्यालय इत्यादि में नियोजित हो तो उपरोक्त के अलावा उस पर विभागीय कार्यवाही का संचालन किया जायेगा।

ह0/–
उपायुक्त, खूँटी

PR 308645 (Khunti) 23-24 (D)

बेड़ो और लापुंग में शौर्य जागरण रथ का भव्य स्वागत

खबर मन्त्र संवाददाता

लापुंग। विश्व हिंदू परिषद सह बजरंग दल का शौर्य जागरण रथ शनिवार को सुबह 9.30 बजे सुबह खूंटी जिले के तोरपा से गोबिंदपुर होते हुए लापुंग के फतेहपुर पहुंचा। जहां हजारों की संख्या में सनातनियों व विश्व हिंदू परिषद सह बजरंग दल के लोगों ने पुष्प की वर्षा कर और कलश में जल लेकर स्वागत किया गया। झारखंड प्रान्त संयोजक स्वामी कृष्ण चैतन्य ब्रह्मचारी ने कहा कि अयोध्या राम जन्म भूमि पूर्व में था आज भी है और भविष्य में भी रहेगा। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण न करे दूसरे के बहकावे में न आवे सरना सनातन एक है और एक रहेंगे। इस मौके पर सीमावर्ती क्षेत्र फतेहपुर पहुंचते ही रथ का भव्य स्वागत करते हुए मोटरसाइकिल जुलूस के साथ लालगंज काली मंदिर परिसर लाया गया। लापुंग के फतेहपुर से लालगंज तक जगह जगह महिलाओं एवं पुरुषों के द्वारा पुष्प वर्षा किया गया। इस दौरान रथ के साथ आये साधु संतों एवं विहिप के पदाधिकारियों का पुष्प माला व अंग वस्त्र भेंट कर स्वागत किया गया। इसके उपरांत रथ को गुमला के सिसई के लिए रवाना किया गया।

श्री राम की प्राचीन प्रतिमा का किया दर्शन

बेड़ो। विहिप की शौर्य यात्रा कई जिलों से होते हुए सात अक्तूबर शनिवार को बेड़ो के महादानी मंदिर प्रांगण पहुंची। इस दौरान शौर्य यात्रा रथ में सवार 5000 साल पुरानी भगवान श्री राम की प्रतिमा का दर्शन करने को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। इसके पूर्व प्रखंड के विभिन्न हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने शौर्य यात्रा के रथ को प्रखंड के ईटाचिल्द्री से भव्य स्वागत कर बेड़ो महादानी मंदिर लाए। जहां दर्शन को लेकर भक्तों का भीड़ उमड़ पड़ा। इस दौरान शौर्य यात्रा में शामिल राम भक्त ने बताया कि नेतृत्व के निर्देश पर यात्रा के दौरान लोगों को अवगत कराया जा रहा है कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दिन अयोध्या आने की बजाय लोग अपने गांव के मंदिर पर कार्यक्रम का आयोजन करें।

मौके पर थे मौजूद मौके पर विहिप अध्यक्ष वैद्य बंधन सिंह खेरवार कार्यकारी अध्यक्ष राम प्रसाद साहु महामंत्री समीर गुप्ता खुंटी जिला मंत्री विरेन्द्र सोनी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संदीप साहु लखन साहु चरकु साहु कृष्णा कुमार नंदलाल साहु मंटु भगत शिवनारायण वर्मा अन्नु भगत विपिन कुमार साहू प्रवीण कुमार सुभाष बाउरी विहीप गुमला जिला धर्म रक्षक नागमनी बाबा सहित अन्य मौजूद थे।

समय संवाद

एशियाई खेल 2022 (जो 2023 में आयोजित हुआ) में भारत ने 28 स्वर्ण ,38 रजत और 41 कांस्य सहित कुल 107 पदक जीते। जो एशियाई खेलों के इतिहास में सर्वाधिक है। इससे पहले 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में 70 पदक भारत ने जीते थे ।

हम जो ऐसे ही खेलों में कुछ स्पर्धा में अंपायरिंग खराब रही और विवाद की स्थिति भी उत्पन्न हुई। 100 मीटर बाधा दौड़ में अंपायरों के विवादित फैसले के कारण भारत की खिलाड़ी ज्योति यराजी के मनोबल पर पड़ा और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।इसी तरह पुरुष कबड्डी के फाइनल में अंतिम क्षणों में एक रेड पर फैसला देने में अंपायर एक घंटे से अधिक समय तक अनिर्णय की स्थिति में रहे। अंततः भारत ने इस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

एशियाड में बना कीर्तिमान भारत सौ पार

सत्यनारायण गुप्ता

एक तरफ जहां भारत में आयोजित क्रिकेट विश्व कप में शतकों की झड़ी लगी हुई है। वहीं दूसरी ओर चीन के हांगझाऊ में एशियाई खेलों में एक और शतक बना है यह है भारत द्वारा जीते गए पदकों का । एशियाई खेलों के इतिहास में पहली बार भारत ने 100 से अधिक पदक हासिल करके नया रिकॉर्ड बना दिया है। लेकिन अभी इसे लंबा सफर तय करना है क्योंकि इन्हीं खेलों में चीन के पदकों का आंकड़ा 300 से ऊपर है।

हमने वह दौर भी देखा है जब भारत एक स्वर्ण पदक प्राप्त करने के लिए भी मशक्कत करता हुआ दिखता था। 1990 में भारत को मात्र एक स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ था वह भी कबड्डी में। लेकिन हांगजाऊ में हमने 28 स्वर्ण पदक जीते हैं जो एशियाई खेलों के इतिहास में सर्वाधिक है। इससे पहले 2014 और 2018 के एशियाई खेलों में भारत को 16-16 स्वर्ण पद हासिल हुए थे। निशानेबाजी, तीरंदाजी,जैवलीन थ्रो,शॉटपुट थ्रो,इक्वेस्ट्रियन(घुड़सवारी), क्रिकेट, कबड्डी, हॉकी और एथलेटिक्स में भारत का प्रदर्शन शानदार रहा। रोइंग, सेलिंग, वुशु, स्क्वैश , गोल्फ , बॉक्सिंग, बैडमिंटन, रोलर स्केटिंग, कैनोस्प्रिंट , सेपकटकरा, ब्रिज, शतरंज और कुश्ती जैसे खेलों में भी भारत ने पदक जीते। एथलेटिक्स में भारत ने 29 पदक अपने नाम किए, जिनमें 6 स्वर्ण ,14 रजत, 9 कांस्य पदक हैं, जबकि निशानेबाजी में भारत ने कुल 22 पदक जीते जिसमें सात स्वर्ण 9 रजत और 6 कांस्य पदक शामिल हैं। घुड़सवारी में 41 साल बाद भारत ने कोई पदक जीता है।

भारत को आशा अनुरूप क्रिकेट और कबड्डी के महिला और पुरुष दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक मिले। पुरुष हॉकी में स्वर्ण पदक मिला,जबकि महिला हॉकी में कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। फुटबॉल,वॉलीबॉल और बास्केटबॉल जैसे टीम स्पधाओं में हमेशा की तरह निराशा हाथ लगी। कुश्ती और बॉक्सिंग में भारत के पुराने इतिहास को देखते हुए प्रदर्शन निराशा जनक की कहा जाएगा। कुश्ती में निराशा जनक प्रदर्शन का कारण जग जाहिर है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने फाइनल में जापान को हराकर न सिर्फ स्वर्ण पदक जीता बल्कि अगले साल होने वाले पेरिस ओलंपिक खेलों के का टिकट भी हासिल कर लिया। भारतीय हॉकी टीम का उत्साह और तैयारी का पता इसी से चलता है कि पूरे टूनार्मेंट में इसने कुल 68 गोल किए। भारतीय महिला हॉकी टीम भी पूरी प्रतियोगिता में सिर्फ सेमीफाइनल में चीन से हारी और कुल 33 गोल करके कांस्य पदक जीता। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के नेतृत्व में पुरुष हॉकी टीम ने पेनल्टी कॉर्नर में वेरिएशन का खूब प्रयोग किया और मैदानी गोल भी किये।हालांकि पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलने की क्षमता को और भी विकसित करने की आवश्यकता है और। महिला हॉकी टीम को पेरिस ओलंपिक का टिकट हासिल करने के लिए अब क्वालीफाइंग दौर का सामना करना पड़ेगा। उसे अपनी कमियों को दूर करते हुए यह लक्ष्य हासिल करना होगा।हम जो ऐसे ही खेलों में कुछ स्पर्धा में अंपायरिंग खराब रही और विवाद की स्थिति भी उत्पन्न हुई। 100 मीटर बाधा दौड़ में अंपायरों के विवादित फैसले के कारण भारत की खिलाड़ी ज्योति यराजी के मनोबल पर पड़ा और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।इसी तरह पुरुष कबड्डी के फाइनल में अंतिम क्षणों में एक रेड पर फैसला देने में अंपायर एक घंटे से अधिक समय तक अनिर्णय की स्थिति में रहे। अंततः भारत ने इस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

19वां एशियाई खेल निश्चित रूप से भारतीय खेल प्रेमियों के उत्साह को बढ़ाएगा। 100पदकों का लक्ष्य हमने हासिल कर लिया है। लेकिन यह सफलता ऐसे ही नहीं मिली है। इसके पीछे खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल प्रशासकों का कठिन परिश्रम है।

साथ ही पिछले कुछ वर्षों में भारत में बढ़ी खेल संस्कृति और खेलों की आधारभूत संरचना में किये गये निवेश भी इसके कारण हैं। सरकार की फिट इंडिया मूवमेंट, खेलो इंडिया,खेल प्रतिभा खोज पोर्टल और टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना के सकारात्मक परिणाम अब नजर आने लगे हैं। किंतु खिलाड़ियों के व्यक्तिगत प्रयासों और संघर्ष को भी नकारा नहीं जा सकता। देश में इस समय विश्व कप क्रिकेट के हंगामे के बीच कहीं हम इन खिलाड़ियों के संघर्ष को भूल न जाएं।

जब समाज में प्रेम था तब भारत विश्व गुरु था

स्वामी सत्यानंदजी परमहंस

समाज की मजबूती प्रेम से संभव है। अगर किसी व्यक्ति को जंगल में अकेले भेज दिया और सभी साधन उसके पास हो तब भी वह खुश नहीं रहता है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, यह सभी जानते हैं और शौक से गुलामी भी की जाए तो बुरी नहीं लगती है। उन्होंने कहा कि तन, मन और धन के समर्पण की बात की जाती है। तन और धन का समर्पण ज्यादा कठिन नहीं है लेकिन मन का समर्पण सबसे कठिन है। कंचन तजना सरल है सरल त्रिया का मोह, लेकिन मन जो मान से बना है और उसे मांद से समझना आसान होता है। उसमें जीव सबसे ज्यादा घिरा होता है। इसमें सबसे ज्यादा लोग फंसते हैं। जिसने मन का समर्पण कर दिया वह मान-अपमान से उपर हो जाता है।

लक्ष्मण का उदाहरण देते हुए स्वामी जी ने बताया कि लक्ष्मण का मन राम को समर्पित था। लक्ष्मण ने जितनी बार क्रोध किया वह राम के अपमान पर किया, चाहे चित्रकूट में भरत पर, गंगा पार कराते निसाध पर, धनुषभंग के क्रम में परशुराम पर। जीव सबसे ज्यादा मान अपमान में फंसता है और इससे ही अहंकार पैदा होता है। इस मन को हम प्रेम के माध्यम से ही समर्पित करते हैं।

भारतीय समाज में जब प्रेम था तब भारत दुनिया का सबसे समृद्ध और सुदंर देश था। भारतीय मन कभी हिंसक और साम्रज्यवादी नहीं रहा। मौर्य वंश के बाद गुप्त वंश तक लगभग 800 वर्षों तक पूरे विश्व में भारत का डंका बजता रहा। यूरोपीय देश भारत से व्यापार करते थे। लोग बहुत समृद्ध थे। प्रेम और त्याग की भावना से भरे थे। यूरोपीय देश अरब होकर भारत से व्यापार करते थे। अरब के लोगों को इस व्यापार के कारण भारत की समृद्धि की जानकारी मिली।

इस कारण नादिरशाह, तैमूरलंग जैसे कई अरबी शासकों ने भारत पर आक्रमण कर लूट-पाट की और लौट गये। दूसरी ओर भारत की समृद्धि के कारण यूरोपीय देशों ने भारत तक आने को समुद्री मार्ग खोजना चाहा क्योंकि अरब देशों में चुंगी अधिक हो गयी। इसी क्रम में कोलंबस 1498 में निकला और अमेरिका की खोज हो गयी, जिसे रेड इंडियंस कहा गया। फिर वास्कोडिगामा ने भारत की खोज की। अंग्रेजों ने इसी समृद्धि के कारण देश को गुलाम बना लिया। दुनिया की सबसे अच्छी आबोहवा भारत के गंगा युमना के मैदानी क्षेत्र और पंजाब के पंचनद क्षेत्र की है। समतल मैदान, उपजाउ भूमि, धर्म में आस्था रखने वाले लोग। दूसरे विश्व युद्ध में ब्रिटेन तबाह हो गया और भारत को आजाद करना उसकी बाध्यता हो गयी। इस बीच मुगलों ने शासन किया और उन्हें भारतीय समाज ने सहजता से स्वीकार किया। उस काल में भी धार्मिक निष्ठा हमारी सुरक्षा कवच के तौर पर काम करती है। समाज को एक करने में धर्म का महत्वपूर्ण योगदान है। पूरे विश्व में ब्रह्म विद्यालय सह आश्रम की स्थापना प्रेम बढ़ाने के लिये ही की गयी है जिससे धर्म की स्थापना स्वतः होती है। श्री राम का जीवन संतोष, प्रेम, त्याग और तप का जीवन था । यही कारण है कि आज भी भारतीय जीवनशैली एक मात्र संतोष प्रधान है। जो दिया अच्छा दिया। न्यायालय के उपर दयालय की कल्पना है। ईश्वर और कुदरत के बीच का सूक्ष्म अंतर भारतीय संतों ने दुनिया को बताया। स्वामी सदगुरु शिवर्धमानंदजी ने कहा था कि भारत समृद्ध था और फिर देश को समृद्ध होने से कोई नहीं रोक सकता है। कोई भी संप्रदाय देश की मूल भावना से हटकर कार्य करें तो असंतोष पनपेगा इसलिए सभी को देश के मूल भावना का, मूल प्रकृति का सहयोगी वृति का ख्याल रखना चाहिए।

(ब्रह्म विद्यालय सह आश्रम मुख्य स्थानः छोटका राजपुर, बक्सर, बिहार)

ड्राई आई सिंड्रोम से बचें

रितु ढिल्लों

आंखें कुदरत का अनमोल रतन हैं। इनका ध्यान रखें। लंबे समय तक लैपटॉप और मोबाइल का इस्तेमाल करने से बच्चों में ड्राई आई सिंड्रोम की समस्या आम हो गई है। यूं तो पहले भी टीवी ज्यादा देखने वाले बच्चों में ऐसी परेशानी देखी जाती थी, लेकिन कोविड-19 के चलते बच्चों की पढ़ाई ऑनलाइन होने से यह समस्या बढ़ गई। बच्चे ही नहीं, बड़े भी ड्राई आई सिंड्रोम का शिकार हो रहे हैं। लेकिन मोबाइल और लैपटॉप के अंधाधुंध प्रयोग ने बच्चों को ऐसा बांधा कि लगातार एक ही जगह पर नजरें टिकाए रहने से न तो उनकी आंखों का व्यायाम हो पाता है और न ही बीच-बीच में जरूरी आराम मिल पाता। समय के हिसाब से ऑफिस या स्कूल के काम का भले ही अंदाज बदला हो, लेकिन अपनी आंखों का ध्यान हर किसी को रखना चाहिए।

कोशिश करें कि समय-समय पर आपकी आंखों को आराम मिले और लगातार आप किसी स्क्रीन की तरफ देखते नहीं रहें।

क्या हैं लक्षण

आंखों में जलन और खुजली होने के साथ ही दृष्टि धुंधली होने लगती है। ऐसा भी देखा गया है कि आंखों से पानी आना भी ड्राई आई सिंड्रोम का लक्षण हो सकता है। सामान्यतः आई सिंड्रोम के लक्षण हैं-आंखों में जलन (इचिंग) महसूस होना, आंखें भारी होना, आंखे शुष्क होना, आंखें लाल होना, दृष्टि धुंधली होना। ऐसी समस्या आए तो चिकित्सक से परामर्श लें। इस समस्या से बचाव के लिए विटामिन-ए युक्त चीजों का अधिक सेवन करें। साथ ही पेय पदार्थ अधिक लें। बच्चों को अनावश्यक रूप से मोबाइल का इस्तेमाल करने से रोकें। चिकित्सक की सलाह के बिना आंख में कुछ भी न डालें।

इस सिंड्रोम के कारण और निदान

मुख्य कारणों में शामिल हैं, लंबे समय तक डिजिटल डिवाइस का इस्तेमाल करना, ज्यादा समय तक एसी में रहना, लगातार कॉन्टेक्ट लैंस का प्रयोग करना, फैटी एसिड वाले भोजन का न करना, बहुत ज्यादा किताबें पढ़ना। आई सिंड्रोम की परेशानी से बचने के लिए जरूरी है कि लगातार स्क्रीन के सामने न रहें, ब्रेक लेते रहें, विटामिन-ए युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें, पेय पदार्थों का सेवन अधिक करें, तंबाकू और एल्कोहल के प्रयोग से बचें और साबुत अनाज, फल और सब्जियों का सेवन करें।

मेदांता में यूरो-ऑन्कोलॉजी और रोबोटिक सर्जरी पर विमर्श

मेदांता हॉस्पिटल ने एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया

मेदांता अस्पताल, गुरुग्राम ने यूरो-ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में रोबोटिक सर्जरी की भूमिका पर एक इंटरैक्टिव जागरूकता सत्र का आयोजन किया।

सत्र का नेतृत्व प्रख्यात डॉक्टरों ने किया, जिनमें डॉ. गगन गौतम (उपाध्यक्ष - यूरो-ऑन्कोलॉजी और रोबोटिक सर्जरी, किडनी और यूरोलॉजी संस्थान, मेदांता, गुरुग्राम) और डॉ. गोपाल शर्मा (सलाहकार - यूरो-ऑन्कोलॉजी और रोबोटिक सर्जरी, किडनी) शामिल थे।

हाल के विकास पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. गगन गौतम ने बताया कि कैसे रोबोटिक सर्जरी ने यूरो-ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में कई मायनों में क्रांति ला दी है। उन्होंने कहा, पारंपरिक ओपन सर्जरी या लेप्रोस्कोपिक सर्जरी की तुलना में रोबोटिक सर्जरी के कई फायदे हैं।

प्रमुख लाभों में से एक यह तथ्य है कि यह न्यूनतम आक्रामक है, जिसका अर्थ है कि सर्जिकल चीरे छोटे होते हैं। इसके अलावा, चूंकि रोबोट की भुजाएं उस तरह से बढ़ सकती हैं जिस तरह से मानव हाथ नहीं फैल सकता, रोबोटिक सर्जरी अधिक सटीकता की अनुमति देती है

इस तकनीक ने यूरो-ऑन्कोलॉजिकल सर्जरी में कई मायनों में क्रांति ला दी हैः

-रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम सर्जनों को सर्जिकल क्षेत्र का एक उच्च-परिभाषा, 3डी दृश्य प्रदान करता है, जिससे ट्यूमर हटाने और अंग-बख्शने की प्रक्रियाओं में अधिक सटीकता की अनुमति मिलती है।

-पारंपरिक खुली सर्जरी के विपरीत, रोबोटिक प्रक्रियाओं में छोटे चीरे लगाए जाते हैं, जिससे दर्द, घाव और संक्रमण का खतरा कम होता है। मरीजों को आमतौर पर तेजी से ठीक होने में समय लगता है और अस्पताल में कम समय तक रहना पड़ता है।

पारंपरिक खुली सर्जरी के विपरीत, रोबोटिक प्रक्रियाओं में छोटे चीरे लगाए जाते हैं, जिससे दर्द, घाव और संक्रमण का खतरा कम होता है। मरीजों को आमतौर पर तेजी से ठीक होने में समय लगता है और अस्पताल में कम समय तक रहना पड़ता है।

-रोबोटिक सर्जरी का सुव्यवस्थित नियंत्रण और बढ़ी हुई दृष्टि सर्जनों को प्रक्रियाओं के दौरान रक्त की हानि को कम करने में सक्षम बनाती है, जिससे ट्रांसफ्यूजन की आवश्यकता कम हो जाती है।

-जो मरीज रोबोटिक सर्जरी से गुजरते हैं, उन्हें अक्सर काम और शारीरिक गतिविधियों सहित अपनी दैनिक दिनचर्या में जल्दी वापसी का अनुभव होता है।

सोच बदलोगे क्या?

ओनम सिंह

वासना है तुम्हारी नजर ही में तो मैं क्या क्या ढकूं,

तू ही बता क्या करूं की चैन की जिंदगी जी सकूं।।

साडी पहनती हूं तो तुझे मेरी कमर दिखती है

चलती हूं तो मेरी लचक पर अंगुली उठती है।।

दुप्पटे को क्या शरीर पर नाप के लगाउ मै।

कैसे अपने शरीर की संरचना को तुमसे छुपाउ मैं ।।

पीठ दिख जाए तो वो भी काम निशानी है।

क्या क्या छुपाउ तुमसे

तुम्हारी तो मेरे झूमके को देख के बहकती जवानी है।।

घाघरा चोली पहनू तो सीने पर तुम्हारी नजर टिकती है,

पीछे से देखो तो मेरे ूंह्य पर तेरी आंखे सटती है ।

केश खोल के रखू तो वो भी बेहयाई है।

क्या करे

तेरी निगाहों मे समायी काम परछाई है।

हाथो को कगंन से ढक लूं चेहरे पर घुंघट का परदा रखलूं

किसी की जागिर हूं दिखाने के लिए अपनी मांग भरलूं।

पर तुम्हे क्या परवाह

मैं किसकी बेटी किसकी पत्नी किसकी बहन हूं।

तुम्हारे लिए तो बस

तुम्हारी वासना को मिलने वाला चयन हूं।।

सिर से पांव के नख तक को छुपालूंगी

तो भी कुछ नहीं बदलेगा,

तेरी वासना का भूजंग तो नया बहाना

बनकर के हमें डस लेगा।।

(फेसबुक वॉल से)

बाजारवाद मूल्यों को समाप्त कर देगा?

सुधीर शर्मा

बाजारवाद में सामान पहले बनाया जाता है, और जरूरतें फिर पैदा की जाती हैं।इसे ऐसे समझिए कि जब आपकी जरूरत साफ पीने योग्य पानी है, तो बाजारवाद आपको बिसलेरी का पानी पीने को बाध्य करेगा। समझाया जाएगा ये प्योर है, सबसे अच्छा है, सबसे साफ है। ऐसे ही, जब आपकी जरूरत तेल, साबुन, मंजन है, तब बाजारवाद आपको समझायेगा कि फलाना ब्रांड का तेल, साबुन, मंजन लेना चाहिए क्योंकि वो सबसे अच्छा है, बेहतरीन क्वालिटी का है। खैर, बात वापस अपने मुद्दे की। चर्चा ईगो पर पहुंची थी। तो फि लहाल बाजारवाद आपकी-हमारी ईगो का मसाज ऐसे कर रहा है कि हमें-आपको कंज्यूमर इज किंग कर राजा घोषित कर रहा है। एक आभासी दुनिया में राजा बना रहा है।

अब आपको राजा घोषित कर दिया गया तो आपको राजा की परिभाषा पर पूरा भी उतरना पड़ेगा। मतलब राजसी तरीके से रहना और खर्चा करना। खर्च करने के लिए बाजारवाद ने आपके लिए सामान पहले ही बना कर रख लिए हैं, मसलन सबसे अच्छा तेल, मंजन, शैम्पू।

तो अब आप राजा बनने के एहसास में राजसी खर्च करने लगे। भले ही आपको जरूरत न हो, आपने नयी जरूरतें बना लीं। मसलन कोई खास क्रीम या कोई स्पेशल फूड। और उन जरूरतों को पूरा करने और राजा सा दिखने के चक्कर में आपने अपने आर्थिक संसाधनों का दोहन शुरू कर दिया। और अब आपके इस किंग होने के एहसास के चलते, आपके परिवार की आदतें भी वैसी बनने लगीं। अब आपके बच्चे भी प्रिंस और प्रिंसेज बन गए। अब राजा साहब और रानी साहिबा सुबह से शाम या रात तक दफ़्तरों में काम करते हैं चुपचाप क्योंकि अब वो राजा सा दिखने के लिए दफ़्तर के गुलाम बन चुके हैं। नौकरी नहीं तो राजसी शौक और जीवनशैली कैसे मैनिज करेंगे? और राजा भी अब अमूमन वीकेंड पर ही बन पाते हैं, या बहुत हुआ तो दफ़्तर के बाद कभी-कभी शामों को जब ईगो मसाज के लिए राजा साहब, क्वीन और प्रिंस और प्रिंसेज के साथ किसी रेस्टोरेंट में राजसी खाने के अनुभव के लिए जाते हैं।

इस सब के बीच वो बाजारवाद का चेहरा खी-खी कर छिप कर हंस रहा होता है। बिल्कुल वैसे ही, जैसे आप हैरत से हंसेंगे अगर आप सड़क पर किसी परिवार को राजसी वेशभूषा में टहलता और नॉर्मल सा बिहेव करता देखेंगे। आपको पता है वो राजा नहीं, न किसी फि ल्म की शूटिंग चल रही है, और न कोई फैंसी ड्रेस शो। आपके मूँह से शायद निकले ये पगला गए हैं क्या?

बस ठीक ऐसा ही बाजारवाद को बढ़ाती ब्रांड्स को लगता है। वो हँसते हैं आप पर मन ही मन क्योंकि आप उसी फजी राज परिवार से हैं जैसा सड़क पर आपने घूमता देखा। वो हँसते हैं आपको देख कर क्योंकि आप उनके जाल में फंस उनकी जेब गरम कर रहे हैं। और वो ब्रांड्स आपके सामने अब और ज्यादा जोश और संजीदगी से बताते हैं कि आप जो कर रहे हैं वो सही है क्योंकि आपके ह्यपरिवार की सेहत और सुरक्षा और खुशीह्व के लिए वो सब जरूरी है। और आप फिर इमोशनल गेम में उनके फंस गए।

खैर, अब राजा साहब ने इतना प्रचार कर दिया अपने राजा होने का कि वो अगर अपने नॉर्मल रूप में घूमेंगे को उन्हें अजीब लगेगा और शायद शर्मिंदा महसूस करेंगे। इसलिए अब राजा साहब ओढ़े रहते हैं वही घिसा हुआ राजसी चोला जिसके पीछे से झाँकती है असलियत।

वैसे न जाने क्यों राजा साहब का सुनते ही शादियों में गेट पर खड़े उन चमकीले कपड़ों और नकली मूंछों और भाले लिए राजसी सुरक्षा कर्मी याद आ गए। जिन्हें मेजबान ने शायद किसी राजसी आभास के लिए खड़ा किया था लेकिन असलियत आपको पता होती है। अंदर न राजा होता है न रानी, और प्लेट पर मिलती है वही पुड़ी-पनीर और ग्लास में होता है वही पानी। सब सोच कर हंसी आ रही है।

कसम से...

अल्का हेम्बरोम

कसम से ....

कहा उसने ..हम सुनते रहे .... कसम खाने की है ...हर रिश्ते की लेकिन मैं कभी #कसम नहीं खाती ....??

मैं इसके बदले मनपसंद चीजे जरूर खा लेती हूँ ?

ना जाने क्यूं जिंदगी में होता है ऐसा क्यूं कि किसी को यकीन दिलाने के लिए ...

ऐसा ही मामला एक आया जब ...उस 14 वर्ष की बच्ची को मुंबई से अगवा कर झारखण्ड ले आया 24 वर्ष का लड़का ...सूचना मिलते ही पुलिस उस लड़की को ..ले आई हमारे पास ...।

उस लड़की ने बस कसम...खाते हुए दस्तां सुनाई ...कि उस लड़के से प्यार कर बैठी ...मोबाईल में कोई गेम के टीम का में दोनों ही थे ....।

लड़की ने मुझे ...कहा कसम खाईए कि ..मेरे मां पिता को मत बताईएगा कि हम ...इसके प्रेम नहीं धमकी सुन कर भागे है ...।

जब पिता मुंबई पुलिस के साथ पहूंची तो सुरक्षित हमने पिता के हाथो सौपा उसे ....।

कसम तो हमने खाई नहीं लेकिन ...उन बातों को बताना उचित नहीं समझा क्योंकि साझा करना उसके पिता से जिन बातो को उसने बताया था .।

पिता की इकलौती संतान ...पिता बहुत ही खुश थे उसे पाकर ...?सच तो ये भी था कि उस अपरिपक्व उम्र में लड़की भी लड़के के #कसम खाने वाले अंदाज पर फिदा थी ....

मैं तो मानती हूँ .....कसम के बदले कुछ मिठाई ही खा लो ?

आह ....

लगती है लोगों की ..मेरा मानना है ? बात उन दिनों की जब मैं पढ़ती थी ..पिता के कठोर वचन सुना था ..लेकिन माँ का ममता तले कितनी कुछ बाते सीखी उसका बयां कर सकती हूँ लेकिन कितना अपने जिंदगी में लागू किया या नहीं ...सही से नहीं बता पाऊंगी ...।

एक पंचायत बैठी थी माँ के खिलाफ दोष देने वाले परिवार के लोग ही थे ...माँ ने चुपचाप सब कुछ सह लिया ...

जवाब नहीं दिया ...हाँ ...उन्हें बहुत ठेस लगी थी ...। पिता बाहर दूसरे राज्य में नौकरी पर थे ...माँ घर के काम काज खेती बारी संभालती ...और हमारा बहुत ही सम्पन्न जीवन था ..खेती बारी के मामले में और इन्ही विषयो पर चोरी होने की शिकायत अपने परिवार वालों ने ..माँ पर लगाया ...जब वह इस घटना का जिक्र करती थी ..तो खून खौलता मेरा लेकिन ...माँ ने सीख दी थी ....

जब आह !! दिल से निकलती है तो...

इसकी वेआवज ..कितनी दूरी और कितना वक्त अगले पर लगती है ...इसके लिए बस चुप्पी से बड़ा हथियार कोई नहीं होता .....?

और आह !!! का असर हमने देखा ...

अन्याय कोई भी इंसान करे तो ...आह! का असर इसी जीवन काल में लगती है ।

माँ मेरे स्वभाव को अच्छे से जानती थी ..मेरे चिल्लाने और धीरज खोने का ...

बस सीखा कर गयी ...जिन लोगों ने मुझे सरेआम ..बेईज्जत किया ...उन लोगों के किसी पीढ़ी से बुरा वर्ताव नहीं करना

हाँ उनके बच्चों को अब भी देखती हूँ ...तो मन में माँ की आवाज गूंजती है लेकिन जिन लोगों ने ऐसा वर्ताव किया,

जीवन के अंतिम दिनों में ..उन लोगों ने शरण लिया ..तो माँ के पास ही ... हाँ ये ...सच है न्याय भी इंसान के जीते जी हो जाता है ....

बहुत डरती हूँ ...किसी की आह !! मुझ पर ना लगे ...

आंखो पर पट्टी बांधी ...वो स्त्री ....तराजू को संतुलित हमेशा करती सी दिखती है ...बस इस पर नजर रहती है। (लेखिका समाज कल्याण अधिकारी गिरिडीह हैं।)

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

समर्थ गुरु रामदास का जीवन और सनातन के प्रति समर्पण

-अशोक प्रवृद्ध

प्रसिद्ध सन्त और हिन्दू पद पादशाही के संस्थापक छत्रपति शिवाजी के गुरु एवं मराठी ग्रन्थ दासबोध के रचयिता समर्थ रामदास (1608-1682) का जन्म महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले के जाम्ब नामक स्थान पर चैत्र शुक्ल नवमी अर्थात रामनवमी को विक्रम सम्वत 1665 तदनुसार शालिवाहन शके 1530 (1608 ई0) को दोपहर में जमदग्नी गोत्र के देशस्थ ऋग्वेदी ब्राह्मण परिवार में हुआ था । समर्थ रामदास का मूल नाम नारायण सूर्य (सूर्या) जीपंत कुलकर्णी (ठोसर) था। बाल्यकाल में उन्हें नारायण कहकर पुकारा जाता था ।श्री राम के जन्म दिन श्रीरामनवमी के दिन इनका जन्म होने के कारण इनका नाम रामदास रखा गया । एक अन्य कथा के अनुसार, बचपन में ही उन्हें साक्षात प्रभु श्रीराम के दर्शन हुए थे। सूर्यदेव की कृपा से सूयार्जी पन्त को दो पुत्र गंगाधर स्वामी और नारायण (समर्थ रामदास) प्राप्त हुए। समर्थ रामदास के बड़े भाई का नाम गंगाधर को सब 'श्रेष्ठ' कहते थे। वे आध्यात्मिक सत्पुरुष थे। उन्होंने सुगमोपायनामक ग्रन्थ की रचना की है। मामा भानजी गोसावी प्रसिद्ध कीर्तनकार थे।

सात वर्ष की अवस्था में उन्होंने हनुमान जी को अपना गुरु मान लिया। इसके बाद तो उनका अधिकांश समय हनुमानमन्दिर में पूजा में बीतने लगा। इसके साथ ही उन्होंने शक्ति के उपासक हनुमानजी की मूर्ति की स्थापना की। समस्त भारत का उन्होंने पद-भ्रमण किया।

वे प्रातः ब्रह्ममुहूर्त में उठकर प्रतिदिन बारह सौ सूर्यनमस्कार लगाते, तत्पश्चात गोदावरी नदी में खड़े होकर राम नाम और गायत्री मंत्र का जाप किया करते थे। मध्याह्न काल अर्थात दोपहर में सिर्फ पाँच घर की भिक्षा माँग कर वह प्रभु श्रीराम को भोगलगाते थे। उन्होंने स्वयं एक रामायण लिखा। हिन्दुओं की दुर्दशा देखसमर्थ रामदास का हृदय संतप्त हो उठा और उन्होंने मोक्षसाधना के साथ ही अपने जीवन का लक्ष्य स्वराज्य की स्थापना द्वारा आततायी मुगल शासकों के अत्याचारों से जनता को मुक्ति दिलाना बना लिया। इसी प्रयत्न में उन्हें छत्रपति श्रीशिवाजी महाराज जैसे योग्य शिष्य का लाभ हुआ और स्वराज्यस्थापना के स्वप्न को साकार होते हुए देखने का सौभाग्य उन्हें अपने जीवनकाल में ही प्राप्त हो सका। उस समय महाराष्ट्र में मराठों का शासन थाऔर शिवाजी महाराज समर्थ रामदास के कार्य से बहुत प्रभावित हुए । इतना प्रभावित कि जब इनका मिलन हुआ, तब शिवाजी महाराज ने अपना राज्य ही समर्थ रामदास की झोली में डाल दिया। इस पर रामदास ने शिवाजी से कहा- यह राज्य न तुम्हारा है न मेरा। यह राज्य भगवान का है, हम सिर्फ. इसके न्यासी हैं।शिवाजी समय-समय पर उनसे सलाह-मशविरा किया करते थे। छत्रपति शिवाजी और रामदास स्वामी पहली बार 1674ई० में मिले और शिवाजी ने रामदास स्वामी को अपना धार्मिक गुरु व मार्गदर्शक मान लिया था । उन्होंने शके 1603तदनुसार सन 1682में 73 वर्ष की अवस्था में महाराष्ट्र में सज्जनगढ़ नामक स्थान पर समाधि ली। समर्थ रामदास ने दासबोध, आत्माराम, मनोबोध,चौदह शतक ,जन्स्वभावा,पञ्च समाधी ,पुकाश मानस पूजा ,जुना राय बोध राम गीत आदि ग्रंथों की रचना की है। मानपंचक, पंचीकरण, चतुर्थमान, बाग प्रकरण, स्फूट अभंग इत्यादि समर्थ रामदास की अन्य रचनाएँ हैं। यह सभी रचनाएँ मराठी भाषा के ओवी नामक छंद में हैं।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक उन्होंने 1100 मठ तथा अखाड़े स्थापित कर स्वराज्यस्थापना हेतु जनता को तैयार करने का प्रयत्न किया। शक्ति एवं भक्ति के आदर्श श्री हनुमान जी की मूर्तियाँ उन्होनें गाँव- गाँव में स्थापित कर अपने सभी शिष्योंको विभिन्न

स्पीड न्यूज

दूधमटिया में लगा पर्यावरण मेला

टाटीझरिया । प्रखंड के टाटीझरिया से बगोदर जाने के रास्ते दूधमटिया जंगल में पर्यावरण बचाओ वृक्ष लगाओ के तहत हरेक वर्ष की भांति इस वर्ष भी वृक्षों का रक्षाबंधन पूजा अर्चना कर पेड़ पौधे बचाने का संकल्प को लेकर कई नुक्कड़ नाटक, रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन क्षेत्र के सनफोर्ड डीएवी पब्लिक स्कूल टाटीझरिया,आई. एम. एस इंग्लिश पब्लिक स्कूल पिपचो,उत्क्रमित +2 उच्च विद्यालय झरपो,नेशनल पब्लिक स्कूल टाटीझरिया, क्रिएटिव पब्लिक स्कूल डहरभंगा , अन्य विभिन्न विद्यालय के बच्चों द्वारा किया गया । यह पर्यावरण मेला का आयोजन 7अक्टूबर शनिवार को आरंभ वन पर्यावरण समिति बेरहो टाटीझरिया के ओर से किया गया था। आज पर्यावरण मेला में झारखंड प्रदेश के विभिन्न जिलों से लोगों का आगमन होता है। भव्य पर्यावरण मेला में बच्चों ने खिलौना, झूला, समौसा, चाट, गुप चुप समेत अन्य मिठाइयों का आनंद लिया। मेला परिसर में शांति व्यवस्था बनाए जाने को लेकर वन समिति के पदाधिकारी, वन पर्यावरण विभाग के डीएफओ सौरभ चंद्रा,रेंजर सुरेश राम,समाज सेवी ,जनप्रतिनिधि संग टाटीझरिया थाना प्रभारी आनंद आजाद अपने दल बल के साथ तैनात थे।

परवरिश स्कूल में स्पेलिंग प्रतियोगिता

कुजू। परवरिश एजुकेयर स्कूल को दो रोमांचक इंटर-क्लास और इंटर हाउस प्रतियोगिताओं का समापन हुआ। निदेशक शैलेंद्र कुमार, प्रबंध निदेशक विकास सिंह व प्राचार्या नेहाराज बनर्जी ने पीजी से यूकेजी कक्षाओं के लिए डिजाइन की गई पिक एंड स्पीक प्रतियोगिता और स्पेलिंग बी प्रतियोगिता में उत्साही भागीदारी और उत्कृष्ट प्रदर्शन की सरहाना की। साथ ही कहा कि पीजी से यूकेजी के छात्रों के लिए पिक एंड स्पीक प्रतियोगिता एक आनंददायक कार्यक्रम थ। जिसने हमारे सबसे कम उम्र के शिक्षार्थियों की बोलने की क्षमता को उजागर किया। इन उभरते वक्ताओं ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सब का मन मोह लिया। समानांतर में, कक्षा कसे शक्कके लिए स्पेलिंग बी प्रतियोगिता भाषा कौशल, शब्दावली और सटीकता की सच्ची परीक्षा थी। यह प्रतियोगिता हमारे छात्रों के भाषा कौशल को निखारने के समर्पण और कड़ी मेहनत का प्रमाण थी। परवरिश एजुकेयर स्कूल उन शिक्षकों और स्टाफ सदस्यों को हार्दिक धन्यवाद देता है जिन्होंने इन प्रतियोगिताओं के दौरान छात्रों का समर्थन किया और उन्हें प्रोत्साहित किया। मौके पर सिमिस्टी प्रकाश, आयुष्मान, तल्हा सरवर, लक्ष्मी कुमारी, सोनाक्षी, हामिद रजा, अवनी, टिया, ओम कुमार, प्रतीक कुमार, पूजा, इम्तियाज, शहजादी फातिमा, निकिता प्रसाद एवं अन्य छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया।

सौंदा डी में लगा पशु चिकित्सा शिविर

भुरकुंडा (रामगढ़)। सौंदा डी पंचायत भवन में शनिवार को पशु चिकित्सा शिविर लगा। शिविर में पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अशोक कुमार द्वारा गाय, भैंस, बकरी, मुर्गी-मुर्गा पालने वाले पशुपालकों को पशुओं की देख-रेख, बीमारी से बचाव आदि के बाबत उचित परामर्श दिया गया। साथ ही नि:शुल्क दवा का भी वितरण किया गया। शिविर को सफल बनाने में मुखिया उपेंद्र शर्मा, पंचायत समिति प्रतिनिधि डब्लू पांडेय, जवाहर यादव व सुदर्शन प्रसाद का विशेष योगदान रहा। मौके पर पशु पालक राकेश यादव, वैधनाथ यादव, संजय कुमार, सुधीर यादव, जितनी देवी, मो साहिद, गोविन्द, प्रकाश सहित लगभग 50 लोगों ने शिविर का लाभ उठाया।

राशन दुकान से हजारों रुपये की चोरी

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा बाजार में एक बार फिर शुक्रवार रात एस्बेस्टस तोड़कर चोरों द्वारा राशन दुकान में चोरी करने का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी के अनुसार भुरकुंडा बाजार गल्ला पट्टी स्थित भोला प्रसाद अग्रवाल की राशन दुकान में चोरों द्वारा एस्बेस्टस तोड़कर नकदी सहित हजारों रुपए के समानों की चोरी कर ली गई है। भुक्तभोगी ने बताया कि गल्ला में रखे चार-पांच हजार रुपए नकद सहित कई समानो की चोरी चोरों ने की।

पटना से पूजा करने रजरप्पा आये दो युवक भैरवी नदी में बाल-बाल बचे

रजरप्पा। सिद्धपीठ मां छिन्नमस्तिका रजरप्पा स्थित भैरवी नदी के तेज बहाव में बिहार से आए दो युवक फंस गये। दामोदर भैरवी संगम स्थल के पास दोनों युवक बचते बचाते एक गड्ढे में किसी तरह चट्टान को पकड़ा और खड़े होकर जान बचाने की गुहार लगाने लगे। यह देख स्थानीय और मंदिर न्यास समिति के पुजारी ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों युवकों को सकुशल नदी की तेजधार से बाहर निकाला। बिहार के पटना से श्रद्धालुओं की एक टोली शनिवार सुबह मां छिन्नमस्तिका के दर्शन करने के लिए पहुंची थी। जिसमें से एक युवक भैरवी नदी में नहाने के लिए चला गया। इस दौरान चट्टान पर उसका पैर फिसल गया और देखते ही देखते युवक बहने लगा। अपने मित्र को डूबता देख दूसरा युवक उसे बचाने के लिए नदी में कूद गया। देखते ही देखते दोनों युवक पानी के तेज बहाव में बहने लगे। रस्सी के सहारे स्थानीय युवक पिंटू भैरवी नदी की तेज धार में दोनों युवकों के पास पहुंचे। फिर एक-एक करके दोनों को रस्सी से बांधकर भैरवी नदी की तेज धार से निकालकर बाहर ले आए।

गणतंत्र दिवस परेड के लिए अंजली का चयन

भुरकुंडा। जेएम कॉलेज भुरकुंडा की छात्रा अंजली कुमारी का विश्वविद्यालय स्तर पर गणतंत्र दिवस पूर्व परेड के लिए राज्य स्तर पर चयन हुआ है। अंजली राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एक की स्वयंसेविका और सेमेस्टर चार राजनीति शास्त्र प्रतिष्ठा की छात्रा है। अंजली का चयन विनोवा भावे विश्वविद्यालय में 9 सितंबर को कई कठिन प्रतियोगिता के आधार पर चार छात्राओ का चयन हुआ है जिसमें से एक अंजली भी शामिल है।

चौपारण में भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा का विधायक ने किया अनावरण

मेरा सपना हो रहा है साकार : अकेला

खबर मन्त्र संवाददाता

चौपारण। कांग्रेस विधायक उमाशंकर अकेला के आवासीय परिसर में महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा का अनावरण भगत सिंह के भाई के पोते यादवेन्द्र सिंह संधू ने शनिवार को किया। इस दौरान बडी संख्या में विशिष्ट अतिथियों तथा आमजनों की उपस्थिति कांग्रेस कार्यकताओं के साथ दिखी। समारोह में कांग्रेस के विधायक इरफान अंसारी, पूर्णिमा सिंह, राजेश कच्छप, नमन विक्सल, अंबा प्रसाद, बगोदर विधायक बिनोद सिंह, जेएमएम विधायक मथुरा महतो, पूर्व सांसद भुनेश्वर मेहता, पूर्व विधायक रामलखन सिंह समेत हजारों की भीड प्रतिमा अनावरण सभा का हिस्सा बनें। इसके पूर्व यादवेन्द्र सिंह का झारखंड की सीमा चोरदाहा में बडी संख्या में विधायक पुत्र रविशंकर अकेला के नेतृत्व में स्वागत किया गया। सैकड़ों बाईक और कार से स्वागत करते हुए जुलूस की शक्ल में भव्य स्वागत करते हुए विधायक आवास लाया गया। इस दौरान चौपारण से लेकर चोरदाहा तक भक्ति की बहार दिखी। स्वागत से अभिभूत होकर केबीएसएस प्लस टू विधालय में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए यादवेन्द्र सिंह ने कहा कि झारखंड की धरती से भगत सिंह परिवार का रिश्ता रहा है।

यहां के नौजवानों ने काफी स्नेह और प्यार दिया। गर्व के साथ कहता हूं कि भगत सिंह का अकेला मैं ही वारिस नहीं बल्कि यहां के सभी लोग हैं। कहा कि विधायक उमाशंकर अकेला ने भगत सिंह और आजाद प्रतिमा लगाकर इतिहास बना दिया। इनका आभार है। विधायक उमाशंकर अकेला ने अपने पोते का नाम भगत सिंह रखा, इरफान अंसारी ने आज अपने बेटे का नाम अशफाकुल्लाह रखा। यह सही विरासत है। विधायक उमाशंकर ने कहा कि पंद्रह साल की उम्र से भगत सिंह का दीवाना हूं। यही कारण है कि अपने पोते का नामकरण उन्हीं के नाम पर किया। कहा आने वाले साल में चतरा मोड पर बडी प्रतिमा लगेगी और चतरा मोड को भगत सिंह चौक के नाम से जाना जायेगा।

जामताड़ा विधायक समारोह में अपने बेटे को साथ लेकर आये। बेटे के नाम को बदलने पर प्रसन्नता जाहिर की। कहा कि चौपारण में उमडी भीड दिखाती है कि नफरत हार गया और मुहब्बत जीत गई है। मौके पर पूर्व विधायक जानकी यादव, पूर्व विधायक योगेंद्र बैठा, पूर्व विधायक ममता देवी, मुन्ना सिंह, डॉ निजामुद्दीन, मुखिया अर्चना हेमरोम, मुखिया सुनीता देवी, मुखिया पूजा देवी, मुखिया गुलाबी यादव, प्रतिनिधि बिनोद सिंह,प्रखंड अध्यक्ष मंटू यादव,अपर समाहर्ता, स्वागतकर्ता रविशंकर अकेला सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

पदमा के सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता हुए शामिल

पदमा। प्रखंड से सैकड़ों कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता चौपारण स्थित विधायक उमाशंकर अकेला की आवास पर भगत सिंह एवं चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में शामिल हुए।

अनावरण कार्यक्रम में पदमा कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष गौतम कुमार मेहता के नेतृत्व में भारी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता ने चौपारण के लिए प्रस्थान किया , मौके पर विधायक प्रतिनिधि अनिल मेहता 20सूत्री अध्यक्ष संजय यादव इस अवसर पर मोहम्मद नईम अंसारी, पूर्व उप प्रमुख राजेंद्र मेहता , रोमी मुखिया प्रतिनिधि सुनील मेहता,राजकुमार चुनु कुमार परमेश्वर मेहता, संजय मेहता ,राजेश मेहता, कुलदीप रविदास, पंकज कुमार बीरबल कुमार भुवनेश्वर प्रसाद मेहता, रामचरित्र मेहता, प्रभु प्रसाद मेहता, विनोद मेहता, सिकंदर मेहता, धनु भुइयां, अशोक केसरी, अशोक राणा मुकेश यादव सहित भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता चौपारण गए।

अधिकारों को जानना ही मूल मंत्र : अंशु

बरही में जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने किया विधिक जागरूकता कार्यक्रम

खबर मन्त्र संवाददाता

बरही। प्रखंड अन्तर्गत ग्राम डपोक, दुलमहा, विजैया में विधिक जागरूकता कार्यक्रम के तहत लोगों को कानून के संबंध में संक्षिप्तरूप से जानकारी दी गयी। जिसके तहत प्रखंड के विभिन्न गांवों में घूम कर लोगों को विधिक जानकारी एवं उनके अधिकारों के बारे में बताया गया।

अधिवक्ता सौरभ अंशु ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हर बच्चों को शिक्षा पाना उनके मूलभूत अधिकार में से एक है, आप अपने विवेक एवं ज्ञान से सशक्त एवं सबल व्यक्ति बन सकते हैं। शिक्षा के आभाव में लोग अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों से वंचित रह पाते हैं। साथ ही पोस्को एक्ट एवं इनसे मिलने वाले कंपनसेशन, लैबर लॉज, ह्यूमन हराशमेंट, ह्यूमन फंडामेंटल राइट्स के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। विधिक के जानकारी के अभाव में उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है इसलिए सभी को अपने मूलभूत अधिकारों को जानना अति आवश्यक है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार का मुख्य लक्ष्य है कि प्रत्येक व्यक्तियों को अपने अधिकारों एवं कानून को जानना अति आवश्यक है इसलिए हमलोग हर एक कस्बे गली मोहल्ले में जाकर लोगों को विधिक के बारे में बताया करते हैं।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के पीएलवी जीतू कुमार एवं पंकज कुमार ने ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे लोगों को जानकारी देते हुए बताया कि अपने अधिकारों की जानकारी नहीं होने के कारण सभी सरकारी संस्थानों में लोग अपने अधिकार का सेवा नहीं ले पाते हैं इसलिए सभी को अपने बारे में जानकारी होना अति आवश्यक है।

विहिप ने धर्मसभा में हिस्सा लेने का किया आह्वान

रामगढ़ । शौर्य जागरण यात्रा के समापन और अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के निमित रविवार को रांची धुर्वा मैदान में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के तत्वधान में आयोजित विशाल धर्म सभा में रामगढ़ जिले से भारी संख्या में माताओं बहनों और सभी सनातनी भाइयों से उपस्थिति दर्ज करवाने का आग्रह किया गया है।

विहिप के जिला मंत्री छोटू वर्मा ने कहा कि पांच सौ सालों बाद हमें यह सौभाग्य मिला है की हम अपने आराध्य प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर निर्माण होते हुए हम अपनी आंखों से देख पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देशव्यापी शौर्य जागरण यात्रा के तहत चार रथ पूरे झारखंड प्रदेश में भ्रमण करते हुए आठ अक्तूबर को रांची धुर्वा मैदान पहुंचेगी। पूरे झारखंड से आयोजन स्थल पहुंचे श्रद्धालुओं को धर्मसभा के माध्यम से अयोध्या के साधु संतों के श्रीमुख से प्रवचन सुनने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को श्रीराम जन्मभूमि पर उनका प्राण प्रतिष्ठा होते देखने का सौभाग्य हमें मिलेगा।

न्यू लाइफलाइन नर्सिंग होम में महिला ने तीन बच्चों को दिया जन्म

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। पेलावाल की एक महिला ने तीन बच्चों को जन्म दिया और तीनों ही स्वस्थ हैं। जब प्रेग्नेंसी के बाद अल्ट्रासाउंड में पता चला कि महिला के गर्भ में तीन बच्चे पल रहे हैं, तो महिला और उसके परिवार वालों को बहुत चिंता हुई की इलाज और डिलेवरी कैसे होगा। पड़ोसी ने डॉ रजनी कुमारी से परामर्श लेने की सलाह दी, क्योंकि इनके पड़ोसी का भी तीन बच्चों की डिलेवरी डॉ रजनी के न्यू लाइफ लाइन नर्सिंग होम में हुआ था जो इन्द्रपुरी चौक के पास है। डॉ रजनी कुमारी के द्वारा इनका भी पूरे नौ महीने प्रेग्नेंसी का इलाज और परामर्श दिया गया अच्छे परामर्श इलाज के कारण तीनों बच्चों में से किसी को भी कोई समस्या नही हुई और अभी तीनों बच्चे और मां बिलकुल स्वस्थ है। कुशलता पूर्वक प्रसव के बाद डॉ रजनी ने बताया कि इससे पूर्व भी तीन बच्चों का प्रसव एक साथ करवा चुकी हूं। ये भी जच्चा और बच्चा बिल्कुल स्वस्थ हैं। प्रसव के बाद परिजनों ने डॉ रजनी और उनकी टीम को धन्यवाद दिया।

लायंस क्लब ने लगाया टीकाकरण शिविर

भुरकुंडा (रामगढ़)। लायंस सेवा सप्ताह के तहत लायंस क्लब ऑफ भुरकुंडा द्वारा ट्रेकर स्टैंड भुरकुंडा स्थित राज नर्सिंग होम में शनिवार को टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 15 नवजात शिशुओं और 5 गर्भवती महिलाओं को वैक्सीन दिया गया। साथ कहा गया कि नवजात शिशुओं व महिलाओं के लिए टीकाकरण जरूरी है। यह कई बीमारियों से बच्चों व गर्भवती महिलाओं को बचाता है। मौके पर कल्ब की अध्यक्ष माला शर्मा ने कहा की लायंस स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार काम कर रही है। इसी सोच के साथ शिविर में नवजात शिशु और माता को वेक्सीनेसन करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया की लायंस क्लब भुरकुंडा के द्वारा निःशुल्क टीकाकरण राज नर्सिंग होम में निरंतर जारी है। जो प्रत्येक सप्ताह लगाया जाता है। इसमें नवजात जीरो से 15 साल के बच्चों एवं एवं गर्भवती माता का टीकाकरण कराया जाता है। सचिव रेखा वर्णवाल ने बताया कि वर्तमान समय में बीमारी से बचाव के लिए नवजात शिशु और माता को वैक्सीन लगवाना आवश्यक है। कोषाध्यक्ष अंजू देवी ने कहा कि लायंस आगे भी शिविर लगाकर क्षेत्रवासियों को स्वास्थ्य सुविधा दिलाते रहेंगे। क्लब का उद्देश्य ही गरीब-जरूरतमंदों की सेवा करना है। शिविर को सफल बनाने में लायंस क्लब की अध्यक्ष माला शर्मा, सचिव रेखा वर्णवाल, कोषाध्यक्ष अंजू देवी, लायन राजेंद्र महतो, विजय वर्णवाल, अशोक सिन्हा, संजय कुमार सिंह, प्रमोद शर्मा, निर्मल अग्रवाल, अखिलेश शर्मा आदि का सराहनीय योगदान रहा।

वैश्य मोर्चा के स्थापना दिवस को लेकर बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु के भुरकुंडा के जवाहर नगर स्थित आवासीय कार्यालय में शनिवार को बैठक हुई। बैठक 12 अक्टूबर को रांची में होने वाले 5वां स्थापना दिवस की तैयारी को लेकर रखी गयी थी। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर संकल्प लिया गया कि वैश्य मोर्चा के 5वां स्थापना दिवस को सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता ऐतिहासिक बनाने का कार्य करेंगे। केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने कहा कि वैश्य मोर्चा कोई आम सामाजिक संगठन नहीं है। उन्होंने कहा कि वैश्य मोर्चा एक उद्देश्य और समाज के मुद्दों को लेकर लड़ने वाली संगठन है। इसलिए वैश्य मोर्चा के स्थापना दिवस का काफी महत्व है। केंद्रीय अध्यक्ष श्री साहु ने बताया कि इस स्थापना दिवस में शामिल होने के लिए स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, रांची के सांसद संजय सेठ, राज्यसभा सांसद आदित्य साहु, विधायक नवीन जायसवाल, गुड़गांव के पूर्व विधायक सह अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय महासचिव उमेश अग्रवाल, पूर्व विधायक निर्भय शाहाबादी, झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष किशोर मंत्री आदि ने अपनी सहमति दे दी है। जबकि और कई नेताओं की आने की संभावना है। बैठक में मुख्य रूप से केंद्रीय उपाध्यक्ष ढ़लन साव, केंद्रीय महासचिव आदित्य नारायण प्रसाद, वरिष्ठ नेता राजाराम प्रसाद, बड़कागांव अध्यक्ष मिथिलेश साव, पतरातू प्रखंड उपाध्यक्ष कैलाश साव, श्रीनिवास अग्रवाल, महासचिव भुनेश्वर साव, अशोक साव, संजय अग्रवाल, जीवन गुप्ता, लक्ष्मी प्रसाद, ओम प्रकाश साव, उपेन्द्र शर्मा आदि मौजूद थे।

मार्शल आर्ट आत्मरक्षा का बेहतर साधनः विजयंत

भुरकुंडा (रामगढ़)। ए ला एंगलाइज सीनियर सेकेंडरी विद्यालय में शनिवार को कराटे सह योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मार्शल आर्ट सितोरियू कराटे कोच सेंसई कंचन दास के देख-रेख में कक्षा 4 से 5 तक समस्त छात्र-छात्राओं को आत्मरक्षा के लिए मार्शल आर्ट का गुर सिखाया गया। साथ ही कराटे के फायदों से बच्चों को अवगत कराते हुए काता, कुमिते, फाइट और बोंकाई का प्रशिक्षण दिया गया। वहीं योग में सूर्य नमस्कार सहित अन्य आसनो का योगाभ्यास कराया गया। मौके पर विद्यालय के प्राचार्य विजयंत कुमार ने कहा कि विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों के स्वास्थ्य का भी पूरा ख्याल रखा जाता है। श्री कुमार ने कहा कि कराटे आत्मरक्षा का बेहतर साधन है। खास करके बच्चियों के लिए मार्शल आर्ट सिखना बहुत जरूरी है।

रामगढ़ में दुर्गा पूजा को ले शांति समिति की बैठक

रामगढ़। दुर्गा पूजा को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी मोहम्मद जावेद हुसैन के निर्देर्शनुसार परीक्षयमान उप समाहर्ता पंकज कुमार की अध्यक्षता में जिले के सभी पंडाल समिति के सदस्यों के साथ बैठक हुई। पंकज कुमार ने पूजा पंडाल समिति अध्यक्षों से क्रमवार रूप से पूजा के आयोजन में आने वाली समस्याओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा किया गया। श्री कुमार ने पंडाल समिति के सभी अध्यक्षों को नवरात्रि दुर्गा पूजा के आयोजन में निम्न बातों का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया जिसमें की पूजा पंडाल में विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था हेतु वायरिंग तार आदि की जांच विद्युत विभाग के अभियंता के माध्यम से साथ समय करवाने ताकि आगजनी की कोई घटना उत्पन्न ना हो, कहीं भी पूजा पंडाल रास्ता को बाधित कर नहीं बनाया जाए, पूजा पंडाल विवादित स्थान या भूमि पर नहीं बनाया जाए। पंडाल के सदस्यों को निर्देश दिया कि पंडाल में उपयोग होने वाले विद्युत आपूर्ति हेतु विभाग से अस्थाई वैध कनेक्शन लें।

एक नजर में

प्रमुख का महाराष्ट्र में भव्य स्वागत

टाटीझरिया। झारखंड के प्रमुख एक्सपोजर विजिट में पुणे गए हुए हैं। वहां इनलोगों ने प्रसिद्ध समाजसेवी अन्ना हजारे से भी मिलकर कई टिप्स लिए। इसी क्रम में महाराष्ट्र के जुन्नर विधानसभा के विधायक अतुल बांके और जिप अध्यक्ष भाऊ देव बाड़े द्वारा प्रमुखों का जोरदार स्वागत किया गया। इनके सम्मान में जिप कार्यालय में पुरुष नृतकों द्वारा झूमते हुए बाजा -गाजा के साथ भव्य तरीके से सम्मानित किया गया। इसके बाद नेताओं द्वारा बारी -बारी से इन्हें पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। टाटीझरिया प्रमुख सह जिलाध्यक्ष सह प्रमुख संघ के प्रदेश महासचिव संतोष मंडल और जिला महासचिव कटकमदाग प्रमुख कुमारी विनीता, गांडेय प्रमुख राजकुमार पाठक समेत अन्य को जनता की सेवा के कई टिप्स दिए गए। आपकी यह पहली सीढ़ी है,जनसेवा करते हुए आप हमसे भी आगे बढ़ सकते हैं,जरूरत है ईमानदारी पूर्वक काम करने की।

मंदिर की जमीन से हटेगा अतिक्रमण : सीओ

चरही। श्री-श्री दुर्गा पूजा समिति चरही के द्वारा अतिक्रमण से संबंधित हस्ताक्षर युक्त आवेदन चुरचू सीओ शशि भूषण सिंह को दिया गया था।इस आवेदन के आलोक में शनिवार को सीओ और थाना प्रभारी विक्रम कुमार दल-बल के साथ चरही बस्ती दुर्गा मंदिर परिसर पहुंचे। अतिक्रमण किए गए स्थल को निरीक्षण किया।निरीक्षण के क्रम में पाया गया,की मंदिर परिसर की भूमि पर कई लोगों के द्वारा अतिक्रमण किया गया है। जिस पर कई गुमटियां,दुकान और झोपड़ी बने हुए हैं।सीओ और थाना प्रभारी ने अतिक्रमण करने वाले लोगों से कहा कि सोमवार तक मंदिर परिसर की भूमि स्वयं गुमटी,दुकान और झोपडी को हटा लें। दिए गए निर्धारित समयानुसार को नहीं खाली किया गया तो मंगलवार को बुलडोजर के माध्यम से खाली कराया जाएगा। इसके तहत होने वाले खर्च को अतिक्रमण करने वाले लोगों से वसूल किया जाएगा।साथ हीं कानूनी कार्यवाही करते हुए मामला भी दर्ज कराया जाएगा। ग्रामीणों ने सीओ को यह भी जानकारी दी कि चरही से धोरधोरवा श्मशान घाट तक जाने के लिए रास्ता नहीं है।अगर है भी तो काफी संकीर्ण है।शव को घाट तक ले जाने में ग्रामीणों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।यहां पर भी अतिक्रमण किया गया है।सीओ ने ग्रामीणों से कहा कि स्थल का निरीक्षण कर इस समस्याओं का हल किया जाएगा।मौके पर मुरारी सिंह,भुनेश्वर ठाकुर,सत्येन्द्र नारायण सिंह,रोहन ठाकुर,रामचरण करमाली,अजित सिंह, राजू करमाली,मनेंद्र सिंह,लाल सिंह सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

यूको बैंक से लाभुक को मिला दो लाख का क्लेम चेक

चरही।शनिवार को यूको बैंक शाखा चरही के द्वारा लाभुक कजरी निवासी मृतक सुनीता देवी के पति महनू प्रजापति को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा क्लेम के तहत दो लाख रुपये का क्लेम चेक दिया गया।शाखा प्रबंधक ने कहा कि लोगों के सेवा में यूको बैंक हमेशा तत्पर है।ग्राहकों और लाभुकों के हर तरह की परेशानियों का समाधन तत्काल किया जाता है।आगे कहा कि सरकार के द्वारा चलाए जा रहे कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बैंक से ले सकते हैं। मौके पर शाख प्रबंधक रौशन मिंज,सहायक प्रबंधक लक्ष्मी कुमारी,आलोक शरण,जगरनाथ राणा,बीसी मो .एहसान अंसारी, कुमार, सुजीत राम, अनिल मुंडा,ब्रजनाथ करमाली सहित लाभुक के परिजन उपस्थित थे।

चौपारण में जयराम महतो की सभा आज

चौपारण। प्रखंड अंतर्गत ब्लॉक मैदान में रविवार को महाजुटान हो रहा है। इस महाजुटान का नाम बदलाव संकल्प सभा है जो झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति (जेबीकेएसएस) द्वारा आयोजित किया जा रहा है। सभा का मुख्य उद्देश्य स्थानीय नीति, नियोजन नीति, खनन नीति, पुनर्वास नीति, निजी कंपनियों में स्थानीय को नौकरी में 75 प्रतिशत आरक्षण एवं स्थानीय नेतृत्व के मसले पर अपनी आवाज को बुलंद करना है। झारखण्ड में एक बड़े बदलाव के लिए संकल्प लेना है। जिसमें बरही विधानसभा क्षेत्र के हजारों युवा, बुजुर्ग, महिलाएं एवं नौजवान और जनता शामिल होंगे।
शराब माफिया की दबंगई

केरेडारी : राशन दुकान में बिक रहा शराब

केरेडारी। हजारीबाग के केरेडारी में शराब माफिया के राज थमने का नाम नही ले रहा है सरकारी शराब दुकानदार खुद गाड़ी में लाद कर अधिक दामों पर पहुंचा रहे कई राशन दुकानों में यही कारण है कि केरेडारी के सरकारी शराब दुकानों में नही मिलता है। बियर का बोतल के बारे मे क्षेत्र के ग्राहकों ने बताया कि मजबूरी में राशन दुकान में जाकर 150 का बियर 300 में लेना पड़ता है। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार सिग्नेचर के खाली बोतल में ब्लैक हॉर्स और नाइट गर्ल नाम का एक दारू है जो 250 रुपये में एक फूल मिल जाता है, जिसे सिग्नेचर के खाली बोतल में भरकर 1050रु में धड़ले से बेचा जा रहा है, ग्राहकों के द्वारा शिकायत करने पर कहा जाता है नीचे से ऊपर तक सेटिंग है जहां जाना है चले जाओ,यही वजह है कि आए दिन केरेडारी के सरकारी शराब दुकानों में दुकानदार एवं ग्राहकों के बीच तू-तू मैं-मैं देखने को मिलता है।

बारिश में टूटा डायवर्सन, आवागमन बाधित

कटकमसांडी। कटकमसांडी प्रखंड क्षेत्र में लगातार चार से पांच दिन से हो रही बारिश की वजह से हजारीबाग में लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया था । वही कटकमसांडी प्रखंड क्षेत्र के संडवा मठ मंदिर लुपुंग के समीप सिवाने नदी स्थित पुल का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है । वही आवागमन के लिए वैकल्पी छोटा पुल (डायवर्सन) बनाया गया था । लेकिन लगातार हो रहे बारिश की वजह से यह डायवर्सन बिल्कुल क्षतिग्रस्त होकर पानी के तेज बहाव में बह गया । जिससे कई प्रखंडों को जोड़ने वाली यह पुल क्षतिग्रस्त होने से लोगों को लगभग 25 से 30 किलोमीटर अन्य रास्ते से दूरी तय कर लोगों को यात्रा करना पड़ रहा है । लोग बताते हैं कि इसी रास्ते से हम लोग खेती ग्रस्ति कृषि के लिए इसी पुल से गुजरना होता था लेकिन पुल टूट जाने से हम लोगो को आवागमन करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है वही लोगो का मानना है कि संवेदक द्वारा पुल बनाने में लापरवाही भी बरती जा रही है । लोगो ने यह भी बताया कि दो पहिया या चार पहिया और कई बड़ी वाहने भी इस रास्ते से गुजरा करते थे लेकिन पुल टूटने से अब लोगों के सामने बड़ी परेशानियां खड़ी हो गई है ।

बेस जितिया मेला में उमड़ी भीड़

कटकमदाग। कटकमदाग प्रखंड अंतर्गत बेस पंचायत के ग्राम बेस में देवी मंडप के प्रांगण में दो दिवसीय जितिया मेला लगा। शनिवार को 1:00 बजे से मेला का आगाज मुखिया दीपक यादव,जितिया मेला महा कमेटी अध्यक्ष विक्की कुमार धान, पूर्व पंचायत समिति सदस्य तिलेश्वर गंझू,नवादा मुखिया मोहमद सल्लाउदीन, रामलाल राणा,अरुण राणा,साहेब राणा, राजेंद्र यादव, बिनोद महतो,प्रवीण कुमार महतो, खुशहाल कुशवाहा, गोपी गंझू जगरनाथ साव, नागेश्वर गंझू,राहुल ऋषि, पवन कुमार कमेटी के उपाध्यक्ष सुरेंद्र राम, सचिव भुवनेश्वर गंझू, उपसचिव वकील गंझू, कोषाध्यक्ष करण साव ने समोहिक रूप से किया । इस मेला में हजारो की संख्या में उमड़े श्रद्धालु एवं दर्शक। मुखिया ने मेले को और बेहतर बनाने के लिए अगले वर्ष अपने ओर से जादू का खेल हो इस पर सहयोग करने की बात कही।

सिंह गर्जना, शौर्य और पराक्रम का पर्याय भारतीय वायुसेना

आर.के. सिन्हा

भारतीय वायुसेना के शौर्य पर हम भारतीय नागरिक जितना चाहें गर्व कर सकते हैं। देश आठ अक्टूबर को वायुसेना स्थापना दिवस के रूप में मनाता है। इसकी स्थापना 1932 में आठ अक्टूबर को हुई थी। तब तो अंग्रेजी हुकूमत के दिनों में इसे रायल इंडियन एयरफोर्स कहा जाता था। भारतीय वायुसेना को उसके कार्यों और देश की मजबूत सुरक्षा में योगदान के लिए हमेशा याद रखा ही जाना चाहिए। भारतीय वायुसेना की शक्ति सारे देश और देशवासियों को आश्वस्त करती रहती है। जब भी दुश्मन ने भारत पर हमला किया तो वायुसेना ने सेना के बाकी अंगों के साथ मिलकर शत्रु की गर्दन में ऐसा अंगूठा डाला है जिससे उसकी जान निकल गई है ।भारतीय वायुसेना के गौरवमयी इतिहास से सारा देश परिचित है। अगर बात 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध से शुरू करें तो फ्लाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों की याद आना स्वाभाविक है। वे उस वक्त राजधानी के रेस कोर्स स्थित एयर फोर्स स्टेशन में ही रहते थे, जब 1971 की जंग छिड़ी थी। वे भारत की जंग में विजय के नायकों में से थे। उस जंग के लिए 14 दिसम्बर 1971 का दिन खास था। उस दिन फ्लाइंग ऑफिसर सेखों ने पाकिस्तान के दो लड़ाकू सेबर जेट विमानों को ध्वस्त कर दिया था। उन्हें उस जंग में अदम्य साहस के लिए मरणोपरांत परमवीर चक्र से नवाजा गया था। फ्लाइंग अफसर निर्मलजीत सिंह सेखों का जन्म पंजाब के लुधियाना जिले में 1946 में हुआ था। 1967 में बतौर पायलट वायुसेना में शामिल हुए। 1971 में पाकिस्तानी वायुसेना ने जब श्रीनगर हवाई अड्डे पर हमला किया तब सेखों ने एक जेट से चार पाकिस्तानी सेबर जेट का मुकाबला कर दो को नेस्तनाबूद कर भारत की जीत सुनिश्चित कर दी थी। उसी दौरान मात्र 26 वर्ष की उम्र में वीरगति को प्राप्त हुए। जिन्होंने अपनी शादी का जश्न मनाने के लिए मैदान-ए-जंग को चुना।

यदि भारत ने 1971 की जंग में पाकिस्तान की कमर तोड़ डाली थी, तो इसका कहीं न कहीं श्रेय एयर चीफ मार्शल इदरीस हसन लतीफ को भी जाता है। वे 1971 के युद्ध के दौरान एयर वाइस मार्शल के पद पर थे। वे जंग के समय शत्रु से लोहा लेने की रणनीति बनाने के अहम कार्य को अंजाम दे रहे थे। लतीफ लड़ाकू विमानों के उड़ान भरने, युद्ध की प्रगति तथा यूनिटों की आवश्यकताओं पर भी नजर रख रहे थे। लतीफ शिलांग स्थित पूर्वी सेक्टर में थे जब पाकिस्तान ने हथियार डाले थे। दिल्ली कैंट में उस महान योद्धा के नाम पर एक सड़क भी है।

1962 में भारत और चीन के बीच एक युद्ध छिड़ गया। जहां विवादित हिमालय सीमा युद्ध का मुख्य बहाना थी, अन्य मूल विषयों ने भी इसमें एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। 1959 के तिब्बत विद्रोह के बाद जब भारत ने दलाई लामा को शरण दी, सीमा पर लगातार कई सशस्त्र झड़पें होती रहीं। इसके साथ हिमालय की सीमा से लगे 3225 कि.मी. लंबे विवादित क्षेत्र के बारे में इन दो देशों द्वारा किसी राजनीतिक सहमति पर न पहुंच पाने से चीन को भारतीय क्षेत्र पर हमला करने का बहाना मिल गया।

अक्तूबर 1962 में तृतीय कमांडिंग अफसर स्क्वॉड्रन ई डीसूजा की कमान में स्कॉर्पियो तेजपुर से दसॉ औरागन (तूफानी) ऑपरेट कर रहे थे। महीने के आरंभ में स्क्वॉड्रन ने अपनी तैयारी का स्तर बढ़ाया और वायुयान की सेवायोज्यता अवस्था बेहतर करने के लिए कुछ दिन अनुरक्षण के काम में लगाए। चीन के साथ आसन्न दुश्मनी को देखते हुए स्कॉर्पियो ने जब भी समय मिला अभ्यास डाइव और सामरिक सॉर्टी करते हुए अपने सामरिक कौशल की धार बनाए रखी। जब संघर्ष अवश्यंभावी दिख रहा था, स्कॉर्पियो हमेशा सशस्त्र और पलक झपकते ही आक्रमण के लिए तैयार रूप में आपात उपयोग के लिए रखे गए।

(वायुसेना स्थापना दिवस/ 08 अक्टूबर/विशेष)

एयर चीफ मार्शल इदरीस हसन लतीफ का देश के पहले गणतंत्र दिवस से एक अलग और खास संबंध रहा। दरअसल उन्हीं के नेतृत्व में उस गणतंत्र दिवस पर फ्लाई पास्ट हुआ था जिसे देखकर देश मंत्रमुग्ध हो गया था। देश ने पहले कभी लड़ाकू विमानों को अपने सामने कलाबाजियां खाते नहीं देखा था। लतीफ तब स्क्कवाड्रन लीडर थे। वे और उनके साथ हॉक्स टैम्पेस्ट लड़ाकू विमान उड़ा रहे थे। तब लड़ाकू विमानों ने वायुसेना के अंबाला स्टेशन से उड़ान भरी थी। लतीफ ने 1948 और 1965 की जंग में भी सक्रिय रूप से भाग लिया था। लतीफ के एयर फोर्स चीफ के पद पर रहते हुए वायुसेना का बड़े स्तर पर आधुनिकीकरण हुआ। उन्होंने जगुआर लड़ाकू विमान की खरीद करने के लिए सरकार को मनाया था।

एयर चीफ मार्शल सुब्रतो मुखर्जी का स्मरण करना भी आवश्यक है। उनको फादर ऑफ द इंडियन एयर फोर्स कहा जाता है। सुब्रतो मुखर्जी के पिता सतीश चंद्र मुखर्जी आईसीएस अफसर थे। सुब्रत मुखर्जी 1932 में वायुसेना में शामिल हुए। उन्होंने दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान भाग लिया। भारत की आजादी के बाद वे भारतीय वायुसेना के आधुनिकीरण में अहम रोल अदा किया। वे एक जाबांज पायलट थे। एयर चीफ मार्शल सुब्रतो मुखर्जी का आठ नवंबर, 1960 को टोक्यो में खाना खाते समय निधन हो गया था। उनके शव को दिल्ली लाया गया और पूरे सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। उसके बाद ही उनके नाम पर आज का सुब्रतो पार्क बना। यहां पर एयरफोर्स से जुड़े विभिन्न स्कूल, दफ्तर और आवास हैं। उनके जीवनकाल में ही राजधानी में एयरफोर्स स्कूल 1955 में खुल गया था। इसका उदघाटन भी एयर चीफ मार्शल सुब्रत मुखर्जी ने ही किया था।

इस तरह, भारतीय वायुसेना के लिए 23 अकबर रोड का भी अत्यंत खास स्थान है। भारतीय वायुसेना के एयर चीफ मार्शल राजधानी के 23 अकबर रोड के बंगले में रहते हैं। देश की स्वंतत्रता से पहले ही 23 अकबर रोड को वायुसेना प्रमुख का आवास बना दिया गया था। इसमें अंतिम रायल इंडियन एयर फोर्स के एयर वाइस मार्शल मेरिडिथ थामस भी रहे थे। 23 अकबर रोड को एयर फोर्स हाउस भी कहते हैं। इस लुटियन बंगले में सन 1947 के बाद अर्जन सिंह, सुब्रतो मुखर्जी, इदरीस हसन लतीफ, पीसी लाल, एनएके ब्राउन जैसे वायुसेना के प्रमुखों का निवास स्थान रहा । अर्जन सिंह बताते थे कि वे एयरफोर्स हाउस में पहली मर्तबा जनवरी,1945 को गए थे। वे दूसरे विश्व युद्ध से लौटे थे। वे तब इस बंगले में एयर वाइस मार्शल मेरिडिथ थामस से मुलाकात करने के लिए गए थे। अर्जन सिंह इसमें 1964 से 1969 तक रहे।

वे इस दौरान भारतीय वायुसेना के प्रमुख थे। एयरफोर्स हाउस में वायुसेना प्रमुख हर साल आठ अक्टूबर को वायुसेना दिवस पर एक कार्यक्रम आयोजित होता है। जिसमें देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री वगैरह भाग लेते हैं। एयर हाउस में ही रहने का सौभाग्य 1971 की जंग के एक नायक एयर चीफ मार्शल पीसी लाल को भी मिला। दूसरे विश्वयुद्ध से लेकर 1971 की जंग को पीसी लाल ने देखा था।

वर्ष 1969 में वायुसेना प्रमुख का दायित्व संभालने के बाद उन्होंने वायुसेना को भविष्य के युद्ध के लिए तैयार करने पर ध्यान लगाया और इसका फायदा 1971 के युद्ध में मिला। उन्हें पद्म भूषण और पद्म विभूषण से भी सम्मानित किया गया। कारगिल युद्ध और अनेक कठिन अवसरों पर भारतीय वायुसेना ने उल्लेखनीय कार्य करके देशवासियों का दिल जीता है। वायुसेना दिवस पर देश के जांबाज वायु सैनिकों को सलाम !

1965 के ऑपरेशन में जब पाकिस्तान को घूल चटा दी

समय के साथ भारत और पाकिस्तान के बीच लगातार बढ़ते तनाव की परिणति 01 सितंबर 1965 को पाकिस्तानी बलों द्वारा छंब सेक्टर में एक बड़े हमले के रूप में हुई। हमला करने का समय और स्थान चुनने में पहल करने और हथियारों तथा सैन्यदलों दोनों ही क्षेत्रों में भारत के मुकाबले में संख्या की अधिकता के आधार पर पाकिस्तान ने भारतीय बलों के लिए जमीन पर गंभीर खतरा उत्पन्न कर दिया। इसलिए छंब-जौरियां सेक्टर में आगे बढ़ रही पाकिस्तानी बख्तरबंद सेना के विरुद्ध तत्काल हवाई हमले का आग्रह किए जाने पर उस समय एक अग्रवर्ती बेस पर संक्रियात्मक प्रशिक्षण में भाग ले रही नं. 45 स्क्वॉड्रन ने संघर्ष के पहले दिन 1745 बजे अपने वैम्पायर एफबीएमके 52 वायुयानों में पहली सॉर्टी भरी और इनके पीछे-पीछे पठानकोट से ऑपरेट कर रही नं. 3 और 31 स्क्वाड्रनों के मिस्टेयर वायुयानों ने भी हमला कर दिया। इस हमले से पाकिस्तानी बख्तरबंद सेना लड़खड़ा गई। भारतीय वायु सेना के नैट वायुयानों ने इस सेक्टर में पी ए एफ के सेबर वायुयानों को मार गिराकर अपना वर्चस्व सिद्ध कर दिया और नं. 23 और 9 स्क्वॉड्रनों ने पहली हवाई जीत हासिल की। तेजी से

बढ़ते हुए 6 सितंबर को पश्चिमी पाकिस्तान और भारत के बीच लगी समूची अंतरराष्ट्रीय सारी सीमा पर पूरे स्तर पर युद्ध छिड़ गया।

आने वाले दिनों में भारतीय वायु सेना के कैनबरा वायुयानों ने सरगोधा और चकलाला स्थित प्रमुख पी ए एफ बेसों पर रात में धावा बोला और इनके साथ-साथ अकवाल, पेशावर, कोहट, चकझुमरा और रिसालवाला समेत अन्य पाकिस्तानी बेसों के विरुद्ध 200 जवाबी हवाई और इंटरडिक्शन मिशनों के लिए उड़ान भरी। हंटर वायुयानों की क्षमता का भरपूर प्रदर्शन देखने को मिला और नं. 7, 20 तथा 27 स्क्वॉड्रनों को पश्चिमी क्षेत्र में जवाबी हवाई हमलों के साथ-साथ इंटरडिक्शन और निकट सहयोग मिशनों पर लगाया गया जबकि नं. 14 स्क्वॉड्रन के हंटर वायुयानों ने पूर्व में कलाइकुंडा स्थित भारतीय वायु सेना बेस पर धावा बोलने वाले पी ए एफ के नं. 14 स्क्वॉड्रन के सेबर वायुयानों के साथ लड़ाई लड़ी। मिस्टेयर वायुयानों को मुख्यतः जमीनी आक्रमण का काम सौंपा गया जिसमें वे अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुए और 5 मि मी की स्वॉथ के साथ ये रॉकेट बख्तरबंद वाहनों के विरुद्ध सबसे असरदार सिद्ध हुए। संभवतः सबसे शानदार संक्रियात्मक सफलता नैट वायुयानों को मिली जिनसे लैस तीन स्क्वॉड्रनों ने अधिकांश संक्रियात्मक भारतीय वायु सेना बेसों के ऊपर उड़ान भरते हुए हवाई रक्षा का आधार मुहैया कराने के साथ-साथ एस्कॉर्ट मिशनों को भी अंजाम दिया। वास्तव में इसकी सफलता खास तौर पर एफ-86 के विरुद्ध ऐसी थी कि इसने "सेबर स्लेयर" की उपाधि हासिल की। सितंबर का संघर्ष पहला पूर्ण-स्तरीय युद्ध था जिसमें स्वतंत्रता के बाद के समय की भारतीय वायु सेना इसमें शामिल हुई और परिणाम के तौर पर इसने कई सबक सीखे। बाद में किए गए विश्लेषणों में कुछ आवश्यकताओं का खुलासा हुआ और सबक सीखने की दिशा में विस्तार की गति थोड़ी धीमी पड़ गई। यह महसूस किया गया कि भारत-चीन युद्ध के बाद शुरू किए गए भारतीय वायु सेना के विस्तार की अत्यंत तेज गति के मद्?देनजर गुणवत्ता की अपेक्षा सैनिकों की संख्या बल पर कुछ ज्यादा ही जोर दे दिया गया।

1971 का वायु सेना ऑपरेशन

अत्यधिक विस्तार कर चुकी वायु सेना के व्यावसायिक स्तर, क्षमता और लचीलेपन की कठिन परीक्षा का समय शीघ्र सामने आने वाला था। 1970 के शुरू से ही उपमहाद्वीप की राजनीतिक स्थिति बिगड़ने लगी और भारतीय वायु सेना को एक और संभावित सशस्त्र संघर्ष के लिए सतर्क किया गया। नवंबर में कुछ सप्ताह तक भारत और पाकिस्तान दोनों की सरकारों ने पश्चिमी सीमा से लगे क्षेत्रों में राष्ट्रीय हवाई क्षेत्र के अतिक्रमण पर विरोध जताया लेकिन दोनों देशों की वायु सेनाओं के बीच हवाई संघर्ष सही मायने में 22 नवंबर को शुरू हुआ जो भारत और पाकिस्तान के बीच 12दिनों तक चलने वाले पूर्ण-स्तरीय युद्ध का पहला कदम था। 1449 बजे चार पाकिस्तानी सेबर वायुयानों ने चौगाचा मोड़ क्षेत्र में भारतीय और मुक्ति बाहिनी मोर्चे पर गोलाबारी की और 10 मिनट बाद तीसरे गोलाबारी हमले में लगे सेबर वायुयानों को नं. 22 स्क्वॉड्रन के चार नैट वायुयानों ने इंटरसेप्ट किया जिसकी एक टुकड़ी दमदम हवाई अड्?डे, कलकत्ता से ऑपरेट कर रही थी। बाद की घमासान लड़ाई के दौरान तीन सेबर वायुयानों को मार गिराया गया और सभी नैट वायुयान सही-सलामत अपने बेस पर लौट आए। भारत-पाकिस्तान के एक नए हवाई युद्ध में पहली बढ़त हासिल कर ली गई थी। 3 दिसंबर को पूर्ण स्तरीय युद्ध आरंभ होने से पहले भारत और पाकिस्तान दोनों के हवाई क्षेत्रों के भीतर अगले 10 दिनों के दौरान अन्य लड़ाइयां होने वाली थीं। पाकिस्तानी वायु सेना द्वारा पहले भारतीय वायु सेना के श्रीनगर, अमृतसर और पठानकोट स्थित बेसों पर पूर्व-नियोजित हमला किया गया और बाद में अंबाला, आगरा, जोधपुर, उत्तरलई, अवंतीपुर, फरीदकोट, हलवाड़ा और सिरसा पर भी हमले किए गए। भारतीय वायु सेना के बेसों के अतिरिक्त पाकिस्तानी वायु सेना ने रेलवे स्टेशनों, भारतीय अस्त्र-शस्त्र केन्द्रों और अन्य लक्ष्यों पर भी हमले किए। जवाब में आगामी दो सप्ताह के दौरान भारतीय वायु सेना ने पश्चिमी क्षेत्र में जम्मू, कश्मीर, पंजाब और राजस्थान स्थित प्रमुख एवं अग्रवर्ती बेसों से कोई 4000 तथा पूर्वी क्षेत्र में 1978 और सॉर्टियां भरीं।

भारतीय वायु सेना के पास दिसंबर 1971 के संघर्ष के दौरान अपने प्रदर्शन से संतुष्ट होने का उचित कारण था। यद्यपि पाकिस्तानी वायु सेना ने प्रमुख अग्रवर्ती बेसों पर पूर्व-नियोजित हवाई हमलों के माध्यम से युद्ध की शुरूआत की थी, भारतीय वायु सेना ने शीघ्र बढ़त हासिल कर ली और इसके बाद दोनों सीमाओं पर हवाई प्रभुत्व स्थापित कर लिया। युद्ध में नुकसान तो होना ही था परंतु भारतीय वायु सेना ने अपने दुश्मन के मुकाबले कहीं ज्यादा सॉर्टियां भरीं जिनमें मुख्यतः इंटरडिक्शन मिशन सॉर्टियां अधिक थीं और इससे हुआ अधिकतर नुकसान गहन वायुयान रोधी गोलाबारी का परिणाम था। भारतीय वायु सेना ने हवाई युद्ध में निश्चित तौर पर अपनी श्रेष्ठता साबित की। पहला दौर एक बार फिर नैट वायुयानों के नाम रहा परंतु इसके बाद के साथी मिग-21 वायुयान शीघ्र ही व्यावसायिक पायलटों द्वारा उड़ाए जा रहे इस सुपरसोनिक लड़ाकू वायुयान की श्रेष्ठता प्रदर्शित करने वाले थे। मिग-21 एफएल वायुयानों से लैस छह स्क्वॉड्रनें भारतीय वायु सेना के युद्ध-क्रम का हिस्सा थीं और पूर्वी तथा पश्चिमी दोनों सेक्टरों में ऑपरेशनों में भाग ले रही थीं। बांग्लादेश में तूफानी हवाई हमले के दौरान तीन मिग-21 स्क्वॉड्रनें जवाबी हवाई कार्रवाई, एस्कॉर्ट और निकट सहयोग कार्यों में गुवाहाटी और तेजपुर से ऑपरेट कर रही थीं। छोटी रेंज में मिग-२१ की अत्यंत प्रभावशाली मारक क्षमता का सटीक हमलों में बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला जब 500 किग्रा के बमों से तेजगांव और कुमीटोला स्थित पाकिस्तानी वायु सेना के हवाई बेसों पर हमले किए गए और खुद राजधानी ढाका स्थित महत्वपूर्ण कमान केन्द्रों पर 57 मि. मी. रॉकेटों से अचूक हमले किए गए। मिग 21 को पश्चिमी क्षेत्र में हवाई रक्षा, एस्कॉर्ट और इंटरसेप्शन के प्रमुख कार्यों में तैनात किया गया। उत्तर में पठानकोट से लेकर दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र में जामनगर तक सभी प्रमुख हवाई बेसों पर तैनात किए गए मिग-21 एफएल वायुयानों ने महत्वपूर्ण ठिकानों (वीपी) और महत्वूपर्ण क्षेत्रों (वी ए) के ऊपर सैकड़ों समाघाती हवाई गश्त सॉर्टियां भरीं, बमवर्षक और स्ट्राइक फाइटर वायुयानों के लिए एस्कॉर्ट मिशनों को अंजाम दिया और दुश्मन के खतरनाक घुसपैठियों को रोकने के लिए लगातार चक्कर लगाए। मिग-21 को अंततः दिसंबर 1971 की लड़ाई के दौरान उपमहाद्वीप के ऊपर हवाई संघर्ष में अपना असली प्रतिद्वंद्वी एफ-104 स्टारफाइटर मिला और घमासान लड़ाई के रूप में दर्ज चारों मुकाबलों में मिग-21 वायुयानों ने एफ-104 वायुयानों को पछाड़ते हुए उन्हें धूल चटाई। 12 दिसंबर 1971 को पहली हवाई जीत हासिल हुई जब नं. 47 स्क्वॉड्रन की मिग-21 एफएल ने कच्छ की खाड़ी के ऊपर पाकिस्तानी वायु सेना के एक एफ-104 को मार गिराया। शीघ्र ही 17 दिसंबर को लगातार तीन और जीत हासिल करते हुए एचएफ-24 मारुत को एस्कॉर्ट कर रहे नं. 29 स्क्वॉड्रन के मिग-21 एफएल ने इंटरसेप्ट कर रहे एफ-104 वायुयान को राजस्थान के रेगिस्तान में उत्तरलाई के निकट बंदूक-मिसाइल मुठभेड़ में मार गिराया, जबकि घुसपैठ मिशन में लगे तीसरे एफ-104 को नं. 29 स्क्वॉड्रन के एक और मिग-21 एफएल ने मार गिराया। दिसंबर 1971 के युद्ध में भारतीय वायु सेना को भारत का सर्वोच्च शौर्य पुरस्कार प्राप्त करने का गौरव हासिल हुआ। श्रीनगर से नं. 18 स्क्वॉड्रन के साथ नैट वायुयान उड़ा रहे फ्लाइंग अफसर निर्मल जीत सिंह सेखों को मरणोपरांत परम वीर चक्र प्रदान किया गया। साथ ही इसे युद्ध के बाद के विश्लेषण से सबक लेने पड़े, यद्यपि इन सबकों से किसी मूलभूत परिवर्तन के बजाय परिमार्जन को राह मिली।

सामग्री और फोटो वायु सेना के वेबसाइट से ली गयी है।

भारतीय वायु सेना के हवाई आक्रमण : सटीक और अचूक परिणाम

भारतीय वायु सेना द्वारा दुःश्मन के आपूर्ति कैम्पों और अन्य टागेटों पर किए गए हवाई आक्रमणों से बेहतर परिणाम सामने आए। उल्लेखनीय तथ्य यह है कि ग्राउंड पर कोई भी एक ऐसा ओपरेशन नहीं था जो हवाई हमले के बिना संभव हुआ। इनमें से प्रत्येक आपरेशन 15 कोर और जम्मू एवं कश्मीर के ए ओ सी के समन्वित नियोजन का परिणाम था। तथापि, इन ऑपरेशन से जो बात उभरकर सामने आई वह यह थी कि आरंभ से ही सेना वायु सेना के संयुक्त नियोजन और परामर्श की आवश्यकता थी जहां वायु सेना उन टागेटों के लिए सुझाव देती जिन्हें सेना की ग्राउंड ओपरेशन योजना में सबसे पहले शामिल किया जा सकता था। यह उस मामले से कहीं अधिक कारगर होता जहां सेना ने पहले अकेले बनायी गयी अपनी निजी योजना के अनुसार कार्रवाई आरंभ की थी और जब उन्होंने इसकी आवश्यकता समझी हवाई सहायता के लिए बुलाया।

सर्वप्रथम, शुगमन की आपूर्तियों को बाधित करने वाले क्षेत्रों में, पिछले कुछ सप्ताह से शुगमन की संभारिकी मशीनों पर लगातार जारी सफलतापूर्वक हमलों से बहुत से क्षेत्रों में शुगमन को वहां बनाए रखने की क्षमता में गंभीर कमी आई। द्रास सेक्टर में पाइंट सं. 4388 पर किए गए श्रृंखलावद्ध हमले इस बात के एक उत्कृषट उदाहरण थे कि समय से की गई टोह और प्राणघातक हमले से इसका पता चला कि कैसे, शुगमन विकल्प आपूर्ति मार्गों पर शिफ्ट हुआ और जिन पर पुनः कारगर हमले किए गए। शुगमन के रेडियो इंटर सेप्टरों की जांच से पता चला कि इसमें भा वा से शुगमन के आपूर्ति (सप्लाई) मार्गों को बाधित करने में सफल रही। बैटल फिल्ड एयर स्ट्राइक्स (बी ए एस) टागेटों के विपरीत इंटर डिक्शान टागेटों को पहले लेने की आवश्यकता स्पष्ट रूप से सामने आई और यह भी कि हवाई शक्ति को न केवल कम महत्व के टागेटों जैसे मशीन गन, चौकियों, ट्रेंचेज जैसे लक्ष्यों पर ही समय लगाना (फोकस करना) था अपितु बड़े परिणामी लक्ष्यों (जैसे मुंथों ढालों में आपूर्ति कैंप और टाइगर हिल की चोटी पर शुगमन की बटालियन के मुखयालय) को भी नेश्त-नाबूद करना था। डेक लेवल पर चीखें मारने (स्क्रीमिंग करने), एक्सटेंडिंड अर्टिलियरी के पीस के रूप में कार्य करने वाले फाइटरों के दिन लद चुके हैं। आज के युद्ध-क्षेत्र का हवाई रक्षा परिवेश ऐसी वायुशक्ति के नियोजन की अब अनुमति नहीं देता। इस महत्वपूर्ण तथ्य को सैनिक और सिविलियन दोंनों को ही समान रूप से समझने की आवश्यकता है।

इस ओपरेशन में हवाई शक्ति का दूसरा प्रमुख प्रभाव हताहतों के संबंध में था। सामान्यतः शुगमन जो बेहतर किलेबंदी की स्थिति में रक्षित हो, (इस मामले में पाकिस्तान) तो उसके हताहत सैनिकों की संखया आक्रमणकारी फोर्स की तुलना में ३ से ६ गुणा कम होती है। तथापि, इस ओपरेशन में स्थिति विपरीत देखने में आई, शुगमन के हताहत सैनिकों की संखया हमारे हताहत सैनिकों से कहीं अधिक थी। एक महत्वपूर्ण तथ्य जिसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए, युद्ध के दोनों पक्षों में, यह पाकिस्तानी सेना थी जिसने हवाई हमलों को झेला इन हमलों ने उसके हताहतों की संखया में बड़ी मात्रा में वृद्धि की। यह समझा जाता है कि हवाई शक्ति के प्रयोग के बिना, हमारे निजी हताहत सैनिकों की संखया पहुंच सकती थी यदि चार अंकों से अधिक नहीं होती ?

उस हमले का तीसरा पहलु, अटैक चापर ओपरेशन था। एम आई-३५ जैसे भा वा से के समर्पित अटैक चापर उस ऊंचाई पर ऑपरेट करने में अक्षम थे जिससे इस भूमिका के लिए सशास्त्र और माडिफाइड एम आई-१७ प्रयोग में लाए गए। स्वयं मशीन की क्षमता के साथ-साथ और ओपरेशन क्षेत्र सही हवाई रक्षा परिवेश तैयार करना ऐसे निर्णायक कारक थे जो इस प्लेटफार्म पर नियोजन (हवाई शक्ति के नियोजन) का निर्धारण करते। प्रभावकारिता बनाम सुभेदता के परीक्षण की आवश्यकता थी। आपरेशन सफेदसागर के दौरान, खाली पड़े शुगमन द्वारा कब्जाए क्षेत्रों में मैन पोर्टेबल सैम, अटैक चापरों के कारगर रूप से नियोजन में बाधा थे। तथापि भा वा से के चीता फ्रंट लाइन ने भूमिका का निषपादन करने में, जैसे एयरबार्न फारवर्ड एयर कंट्रोलर (एफ ए सी) को प्लेटफार्म उपलब्ध कराने जैसे भूमिका का निषपादन करने में सहायक थे, इसमें एक फाइटर पायलट जो जमीनी लक्ष्यों पर आक्रमण करने के संबंध में फाइटरों को दिशा-निर्देश देता है।

हवाई शक्ति का चौथा प्रमुख प्रभाव ग्राउंड पर किए गए आक्रमणों (की गई गोलावारी) से इसने व्यापक अंतर (ग्राउंड तहस-नहस कर दिया) ला दिया। इसका उदाहरण एक फील्ड आर्मी यूनिट के मुखयालय से प्राप्त संदेश से बेहतर कोई उदाहरण नहीं हो सकता (जो ऊपर तिरछे शब्दों में दिया गया है) जिसमें कहा गया है कि "टाइगर हिल पर किए गए लगातार घातक हवाई हमलों से हमारे सैन्यबलों ने पूरे टाइगर हिल क्षेत्र पर कब्जा कर लिया, शुगमन भाग खड़ा हुआ"।

पांचवा , कुशाग्र बुद्धि और कल्पना का सहारा लेकर नाइट आपरेशन संचालित किए गए। कई बार मिग-२१ जैसे एयरक्राफ्ट द्वारा स्टाप वॉच और जी पी एस रिसीवर का कम प्रयोग करने पर भी बेहतर परिणाम हासिल किए गए। इन आपरेशनों ने शुगमन की साहस जुटाने की क्षमता और शारीरिक शक्ति और युद्ध करने की इच्छा पर बुरा प्रभाव डाला।

छठवां, एयर डिफेंस एस्कोर्ट और युद्ध क्षेत्र में दिन और रात गश्त लगाने में किए गए प्रयासों से कई बार पाकिस्तानी टागेटों पर अटैक कर रहे हमारे स्ट्राइक फार्मेशनों से 15 किमी (एल ओ सी पार उनकी अपनी साइड में) दूर पाकिस्तानी वायु सेना के एफ-16 कुछ समय के लिए घूमते नजर आए, जिन्हें स्ट्राइक लेवल से ऊपर बचावकारी पैटर्न में उड़ान भर रहे हमारे निजी एयर डिफेंस फाइटरों ने उन्हें दूर ही रखा।

कांके चौक पर कांग्रेसियों ने फूंका पीएम का पुतला

कांके। प्रखंड कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष संजर खान की अध्यक्षता में कांग्रेसी कार्यकताओं ने कांग्रेस पार्टी के सर्वोच्च नेता सांसद राहुल गांधी के विरुद्ध भाजपा नेताओं द्वारा चरित्र पर अभद्र टिप्पणी किए जाने के विरोध में कांके चौक में पुतला दहन किया। प्रखण्ड अध्यक्ष संजर खान व मदन कुमार महतो ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय के द्वारा भाजपा के ऑफिशियल सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद राहुल गांधी को नए भारत का रावण बताते हुए विवादित पोस्टर जारी किया हैं प्रखंड अध्यक्ष संजर खान ने बीजेपी की इस हरकत के लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय को जिम्मेदार ठहराया है। प्रखंड उपाध्यक्ष अबुतल्हा अंसारी लालचंद सोनी संजू देवी लाला महली भीखन राम, चांद मंसूरी सहित कई लोग शामिल थे।

संत जेवियर्स कॉलेज में आयोजित दो दिनी सेमिनार का हुआ समापन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। संत जेवियर्स कॉलेज में शिक्षा विभाग व आईक्यूएसी के संयुक्त प्रयास से कॉलेज के सभागार में शनिवार को नयी शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप उच्च शिक्षा का पुनर्विन्यास आयोजित दो दिवसीय सेमीनार का समापन हुआ। संगोष्ठी के दुसरे दिन के कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना नृत्य के साथ हुआ। दूसरे दिन पर मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित ओड़िशा मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव डॉ. जयंत्कर शर्मा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा समावेशी और सामान गुणवत्तावाली होनी चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य बालकों को प्रतिद्वंदिता भरे समाज के साथ चलने के लिए तैयार करना एवं उन्होंने जीवन पर्यंत चलने वाली शिक्षा पर जोर दिया। इस दो दिवसीय संगोष्ठी में प्रतिभागियों ने कुल 34 शोध पत्र प्रस्तुत किये समापन समारोह कॉलेज के प्राचार्य डॉ. फा. नबोर लकड़ा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त कियो उप प्राचार्य डॉ. रोबर्ट प्रदीप कुजूर ने अपने समापन संबोधन में कहा कि शिक्षक आर्किटेक्ट फॉर फ्यूचर जनरेशन होते हैं। दो दिवसीय सेमीनार के मुख्य आयोजक शिक्षा विभाग के प्राध्यापिका डॉ. अनुपमा भार्गव व डॉ. नंदिता पाण्डेय, संयोजक डॉ. फा. फ्लोरेंस पूर्ति एवं आयोजन समिति में डॉ. विक्रम बहादुर नाग, डॉ. सुधांशु सिरिल कुजूर, प्रो. पंकज कुमार, प्रो. जगबंधु महतो, डॉ. नीलिमा टोप्पो, प्रो. सुधा रानी खलखो, प्रो. कविता तोपनो, प्रो. अंकिता बसु, प्रो. शिल्पा किंडो शामिल थे।

बीएमएस कोल सेक्टर में हड़ताल पर अन्य यूनियनों के साथ खड़ा है : रेड्डी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची/नई दिल्ली। बीएमएस ने 27 सितम्बर को मुख्य श्रमायुक्त कार्यालय में हुई त्रिपक्षीय वार्ता एवं सुलह बैठक के लिए सहमति देने को लेकर सफाई दी है। बीएमएस के कोल प्रभारी के. लक्ष्मा रेड्डी ने कहा है कि कोल उद्योग में हड़ताल को लेकर उनका संगठन अन्य यूनियन के साथ है। इधर एचएमएस से सम्बद्ध कोयला श्रमिक सभा के केन्द्रीय अध्यक्ष एवं जेबीसीसीआई सदस्य शिवकुमार यादव ने शुक्रवार को नागपुर में बीएमएस के कोल प्रभारी श्री रेड्डी से मुलाकात की। इस संबंध में शिवकुमार यादव ने बताया कि बीएमएस के कोल प्रभारी के साथ 27 सितम्बर को मुख्य श्रमायुक्त कार्यालय में आयोजित हुई त्रिपक्षीय वार्ता को लेकर चर्चा की गई। श्री यादव ने कहा कि बीएमएस नेता ने स्पष्ट किया है कि कोयला कामगारों के हित की लड़ाई में उनका संगठन अन्य यूनियन के साथ है। हड़ताल के मुद्दे पर बीएमएस अन्य श्रमिक संगठनों के साथ खड़ा है। नागपुर में हुई चर्चा के दौरान बीएमएस नेता आशीष मूर्ति भी उपस्थित रहे। यहां बताना होगा कि जबलपुर हाईकोर्ट के फैसले के बाद वेतन संबंधी उपजी स्थिति को लेकर पांचों श्रमिक संगठन एचएमएस, बीएमएस, इंटक, सीटू, एटक ने 5, 6, 7 अक्टूबर को कोयला उद्योग में हड़ताल का ऐलान किया था। कोल इंडिया प्रबंधन ने हड़ताल टालने के लिए 27 सितम्बर को नई दिल्ली में पांचो यूनियन के प्रमुख नेताओं को वार्ता के लिए आमंत्रित किया था।

इस वार्ता में 11 अक्टूबर तक हड़ताल को स्थगित किए जाने का निर्णय लिया गया था। इसी दिन प्रस्तावित हड़ताल को लेकर मुख्य श्रमायुक्त कार्यालय द्वारा भी पांचो यूनियन और सीआईएल प्रबंधन के साथ त्रिपक्षीय वार्ता आयोजित की गई थी, लेकिन सीएलसी के साथ आयोजित वार्ता में इंटक, सीटू, एटक के नेता सम्मिलित नहीं हुए थे। सीएलसी द्वारा बुलाई गई वार्ता में भारतीय मजदूर संघ से सुधीर घुरडे, आशीष मूर्ति तथा हिंद मजदूर सभा से नाथूलाल पांडेय, रामांशु पांडेय ने शिरकत की थी। इस बैठक में बताया गया कि सीआईएल प्रबंधन के साथ हुई बैठक में 11 अक्टूबर तक हड़ताल स्थगित करने पर सहमति बनाई गई है। मुख्य श्रमायुक्त कार्यालय ने भी हड़ताल पर नहीं जाने की सलाह दी। मुख्य श्रमायुक्त कार्यालय से त्रिपक्षीय वार्ता के मिनट्स सामने आए हैं।

इस मिनट्स की अंतिम लाइन बीएमएस एवं एचएमएस पर सवाल खड़ी करती है। इस लाइन में लिखा है कि दोनों यूनियन (बीएमएस व एचएमएस) की आपसी सहमति से सुलह बैठक के लिए 10 अक्टूबर की तारीख तय की गई है। इस खुलासे के बाद बीएमएस और एचएमएस पर सवाल उठ रहे थे।

पत्रकारों की गिरफ्तारी के विरोध में इंडिया गठबंधन का राजभवन मार्च कल

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यालय में इंडिया के घटक दलों की बैठक की गयी। बैठक की अध्यक्षता भाकपा के अजय कुमार सिंह, झामुमो नेता मुस्ताक अंसारी व कांग्रेस के राकेश किरण ने की। बैठक को संबोधित करते हुए महेंद्र पाठक ने कहा कि केंद्र सरकार इंडिया घटक दलों के नेताओं को ईडी, सीबीआई एवं अन्य केंद्रीय एजेंसियों के माध्यम से परेशान कर रही है। जब से इंडिया गठबंधन बना है तब से केंद्र की मोदी सरकार की नींद हराम हो चुकी है। अब देश में अघोषित आपातकाल की स्थिति पैदा हो गई है। तभी तो न्यूज क्लिक सहित दिल्ली के कई पत्रकारों को गिरफ्तार किया गया। उनके मोबाइल व लैपटॉप को जब्त किया गया। यानी केंद्र सरकार के विरोध में चाहे विपक्षी पार्टियों के नेतृत्व में हो या मीडिया कर्मी भाजपा के विरोध में बोलेंगे या लिखेंगे, तो उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पत्रकारों एवं विपक्षी नेताओं के खिलाफ लगातार केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे हमले के विरोध में 9 अक्टूबर को राजभवन मार्च कर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। झारखंड मुक्ति मोर्चा के मुस्ताक अंसारी ने कहा कि विपक्ष के लोगों चाहे वह पंजाब का हो, बिहार, बंगाल, दिल्ली या झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, सभी विपक्षी दलों के लोगों को निशाना बनाया जा रहा है।

राष्ट्रीय जनता दल के धर्मेंद्र महतो व आम आदमी पार्टी के संतोष कुमार ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में पत्रकारों या विपक्षी नेताओं पर हमले को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सीपीआई के अजय कुमार सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार की जन विरोधी नीतियों के विरोध में इंडिया गठबंधन लगातार लड़ाई लड़ेगी। बैठक में कांग्रेस के राकेश किरण, राष्ट्रीय जनता दल के धर्मेंद्र महतो, आम आदमी पार्टी के संतोष कुमार रजक, कांग्रेस के जोगेंद्र सिंह बेनी, भाकपा के इम्तियाज खान, टीएमसी के जयप्रकाश साहू, अशोक कुमार वर्मा, डॉ जितेंद्र कुमार सहित कई लोग मौजूद थे।

अभ्रक उद्योग को पुनर्जीवित करने पर वित्तमंत्री से वार्ता

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। गिरिडीह जिले में रूग्ण होते अभ्रक उद्योग के पुनर्जीवित के लिए चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री और उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने वित मंडी डॉ. रामेश्वर उरांव से मुलाकात कर सहयोग का आग्रह किया। चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने कहा कि राज्य में औद्योगिकीकरण को गति देने की दिशा में सरकार ने अनेकों बार अभ्रक उद्योग को पुनर्जीवित करने की प्रतिबद्धता दिखाई है, जिससे इस उद्योग से जुडे उद्यमियों के बीच सकारात्मक संदेश गया है। इसी क्रम में ढिबरा, माईका के कुछ सैंपल्स हैदराबाद स्थित लैब में जांच हेतु जियोलॉजिकल डिपार्टमेंट द्वारा चार माह पूर्व भेंजे गये हैं, जिसकी जांच रिपोर्ट अब तक अप्राप्त है। इन छोटी-छोटी अड़चनों के कारण अभ्रक उद्योग को पुनर्जीवित करने के प्रयास विफल हो रहे हैं।

लगभग 150 वर्ष पुराने अभ्रक उद्योग के मृतप्राय होने तथा इनके पुर्नरूत्थान में अग्रतर कार्रवाई नहीं होने के कारण विशेषकर गिरिडीह और कोडरमा जिले में इस उद्योग से जुडे हजारों लोगों की आजीविका प्रभावित हो रही है, जिसकी समीक्षा आवश्यक है। रूग्ण होते अभ्रक उद्योग के रिवाईवल हेतु आवश्यक हस्तक्षेप के चैंबर अध्यक्ष के आग्रह पर वित मंत्री ने सकारात्मक कार्रवाई के लिए आश्वस्त किया।

नवागढ़ पंचायत के मुखिया और वार्ड सदस्य केरल भ्रमण के लिए रवाना

अनगड़ा। प्रखंड के आदिवासी आदर्श पंचायत नवागढ़ के मुखिया भुवनेशवर बेदिया शनिवार को पंचायत के दो वार्ड सदस्यों एतवा बेदिया एवं विजय बेदिया के साथ केरल भ्रमण के लिए रवाना हुए। केरल में वे लोग वहां के मॉडल पंचायतों में किए जा रहे विकास कार्यों एवं अन्य गतिविधियों से व रू-ब-रू होकर उसी मॉडल को वे अपने पंचायत में कार्यान्वित करने का प्रयास करेगें । मालूम हो कि झारखंड सरकार ने अनगड़ा प्रखंड के नवागढ़ पंचायत को आदर्श पंचायत रूप में विकसित करने के लिए पायलेट प्रोजेक्ट में शामिल किया है। इस अवसर पर पंचायत सचिवालय प्रांगण में विवेकानन्द सेवा केन्द्र के अध्यक्ष संतोष बेदिया जगदीश भोक्ता पहान राहुल विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं नवाचार हब के कार्यकर्ता सोमरा बेदिया पहलू बेदिया आदि ने फूलमाला व बुके देकर उन्हें रवाना किया।

तेल टैंकर ने मैक्लुस्कीगंज रेलवे फाटक को तोड़ा

खलारी। तेज गति से आ रहे एक इंडियन ऑइल तेल टैंकर वाहन ने मैक्लुस्कीगंज रेलवे फाटक को तोड़ा। लगभग तीस मिनट तक छोटे बड़े भारी वाहनों का आवागमन बाधित रहा। घटना लगभग शाम 5 बजे की बतायी जाती है। मिली जानकरी के अनुसार मैक्लुस्कीगंज रेलवे फाटक 8ध्ए टी में तैनात रेलवे कर्मी ने फाटक बंद करने के दौरान अचानक से तेज गति में आकर तेल टैंकर ट्रक जेएच 02ए के 6412 से बंद फाटक को टक्कर मार दिया। टैंकर के टक्कर से फाटक पूरी तरह क्षतिग्रस्त ही गया। क्षतिग्रस्त फाटक को रेलवे सिग्नल विभाग के कर्मचारियों के द्वारा फाटक दुरुस्त करने में लगे थे।

अवैध बालू लदा ट्रैक्टर जप्त

खलारी। मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र अवैध बालू तस्करी रात के अँधेरे में लगातार जारी है। रात के अंधेरे में अवैध बालू तस्कर सक्रिय हो जाते है। अंधेरे में तस्करों पर कार्रवाई करते हुए मैक्लुस्कीगंज पुलिस ने एक बालू लदे ट्रैक्टर को जप्त कर बधमरी पिकेट में रखा गया। बताया गया कि पुलिस रात्रि को मंगरुतरी के पास पकड़ लिया।

मोहन नगर दुर्गा पूजा समिति का गठन

खलारी। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मोहन नगर में भव्य दुर्गा पूजा का आयोजन किया जाएगा। माँ दुर्गा के द्वारा महिसासुर वध की झाँकी का दृश्य आकर्षक होगा। साथ ही श्रद्धालु माता का अलौकिक दर्शन करेंगे। इसके लिए मोहन नगर दुर्गा पूजा समिति का गठन किया गया। समिति में संरक्षण नंदलाल चौहानए शैलेन्द्र शर्मा एराजेश्वर सिंहएसुनील प्रधान, रेणु देवीए संयोजक अशर्फी राम सह संयोजक कृष्णा चौधरी अध्यक्ष कृष्णा चौहान उपाध्यक्ष बूटन चौहान एमोहन यादवए मिथिलेश प्रजापतिए रणविजय सिंह , उतरा कुमारए कार्यकारी अध्यक्ष मुन्नू शर्मा, सुरक्षा विधि व्यवस्था शिवनारायण चौहान, सतीश चौहान, जीते चौहान, हीरो ठाकुरए पीयूष, प्रेम कुमार सहित आदि लोगों को समिति के विस्तार में शामिल किया गया हैं।

डीएवी पब्लिक स्कूल बचरा में पुरस्कार वितरण समारोह

खबर मन्त्र संवाददाता

पुरस्कार वितरण समारोह में मौजूद स्कूली बच्चे

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के डीएवी पब्लिक स्कूल बचरा में शनिवार को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में स्कूल के प्राचार्य राजीव रंजन झा ने स्कूल मे संपन्न हुए विभिन्न प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर स्कूल में हंसराज हाउस और श्रद्धानंद हाउस के बीच फाइनल फुटबॉल मैच खेला गयाए जिसमें हंसराज हाउस ने जीत दर्ज की।वही स्कूल प्रांगण में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गयाएजिसमें प्रत्येक हाउस से चार.चार बच्चों ने भाग लिया।इस प्रतियोगिता में सामान्य ज्ञानएखेलकूद और विज्ञान से संबंधित प्रश्न पूछे गए।स्कूल के वरिष्ठ शिक्षक एके घोष के नेतृत्व में इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में हंसराज हाउस प्रथमएविवेकानंद हाउस द्वितीय और दयानंद हाउस तृतीय स्थान पर रही। समारोह को संबोधित करते हुए स्कूल के प्राचार्य राजीव रंजन झा ने प्रतियोगिता में शामिल सभी बच्चों को बधाई दी।इस संबंध में उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रतियोगिता का आयोजन कराने का मुख्य उद्देश्य बच्चों में छिपी प्रतिभा को सामने लाना है।इस तरह के प्रतियोगिता में शामिल होने से बच्चों का मनोबल बढ़ता है।उन्होंने सभी बच्चों को बधाई देते हुए आगे भी इस तरह के प्रतियोगिता में बढ़.चढ़कर भाग लेकर बेहतर प्रदर्शन करने और अपने स्कूल एवं क्षेत्र का नाम रोशन करने की अपील की। इस मौके पर स्कूल के सभी शिक्षक और बच्चे मौजूद थे।

नगर विकास विभाग में बदले गये कई अधिकारी, एक की सेवा वापस

रामबदन सिंह बनाये गये आवास बोर्ड के कार्यपालक अभियंता, गोपेश फुसरो के ईओ

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। नगर विकास एवं आवास विभाग की ओर से शनिवार को ट्रांसफर-पोस्टिंग की गयी है। इसकी अधिसूचना जारी कर दी गयी है। इनमें से एक की सेवा उनके पैतृक विभाग को वापस कर दी गयी है। कुछ अधिकारी पदस्थापन के लिए प्रतीक्षारत थे, उनकी पोस्टिंग की गयी है। रामबदन सिंह को झारखंड राज्य आवास बोर्ड का नया कार्यपालक अभियंता बनाया गया है। प्रियंका कुमारी चास नगर निगम की नयी सहायक नगर आयुक्त बनायी गयी हैं। मुक्ति किरो को चास नगर निगम का सहायक नगर आयुक्त और गोपेश कुंभकार को फुसरो नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी (ईओ) के पद पर पदस्थापित किया गया है। रांची क्षेत्रीय विकास प्राधिकार में सहायक अभियंता रहे नवल किशोर प्रसाद की सेवा उनके पैतृक विभाग जल संसाधन विभाग को वापस कर दी गयी है। **सुरेश यादव बने मानगो के डीएमसी :** झारखंड राज्य आवास बोर्ड में कार्यपालक अभियंता के पद पर पदस्थापन के लिए अधिसूचित सुरेश यादव को मानगो नगर निगम में उपनगर आयुक्त के पद पर पदस्थापित किया गया है। इधर, पथ निर्माण विभाग से सेवाप्राप्त एवं पदस्थापन के लिए प्रतीक्षारत रामबदन सिंह को झारखंड राज्य आवास बोर्ड में कार्यपालक अभियंता के पद पर पदस्थापित किया गया है।

चास नगर निगम में सहायक नगर आयुक्त बनीं प्रियंका : पदस्थापन के लिए प्रतीक्षारत सहायक अभियंता कौशलेश कुमार यादव को झारखंड खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार (धनबाद) में सहायक अभियंता के पद पर पदस्थापित किया गया है। धनबाद नगर निगम में परीक्ष्यमान सहायक नगर आयुक्त प्रियंका कुमारी को चास नगर निगम में सहायक नगर आयुक्त के पद पर पदस्थापित किया गया है। रांची क्षेत्रीय विकास प्राधिकार में सहायक अभियंता रहे नवल किशोर प्रसाद की सेवा उनके पैतृक विभाग जल संसाधन विभाग को वापस कर दी गयी है।

चास नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त मुक्ति किरो : हुसैनाबाद नगर पंचायत में परीक्ष्यमान कार्यपालक पदाधिकारी के पद पर पदस्थापित गोपेश कुंभकार को फुसरो नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी के पद पर पदस्थापित किया गया है। वहीं, हजारीबाग नगर निगम में परीक्ष्यमान सहायक नगर आयुक्त मुक्ति किरो को चास नगर निगम में सहायक नगर आयुक्त के पद पर पदस्थापित किया गया है। हजारीबाग नगर निगम में परीक्ष्यमान सहायक नगर आयुक्त अशोक कुमार हांसदा को गिरिडीह नगर निगम का सहायक नगर आयुक्त बाया गया है।

अर्जुन मुंडा ने किया आदि महोत्सव का शुभारंभ

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची।/जमशेदपुर। शनिवार को भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के तहत ट्राइबल कोऑपरेटिव मार्केटिंग डेवलपमेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ट्राइफेड) ने भव्य आदि महोत्सव, एक जनजातीय महोत्सव की शुरूआत की है। महोत्सव का उद्घाटन माननीय केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा, सांसद विद्युत वरण महतो, विधायक (जमशेदपुर पूर्वी) सरयू राय, चाणक्य चौधरी (उपाध्यक्ष (कॉपोरेट मामले), टाटा स्टील) और सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों एवं आदिवासी उत्साही लोगों की उपस्थिति में, बिस्टुपुर, गोपाल मैदान, जमशेदपुर, झारखंड में हुआ। समारोह में लोगों ने इस सांस्कृतिक रूप से समृद्ध कार्यक्रम में आनंद और महत्व को जोड़ा और इस आयोजन को एक यादगार और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध अनुभव बनाने में अपना योगदान दिया। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि आदि महोत्सव हमारे देश की जनजातीय संस्कृति, परम्पराओं और कला को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में पहुंचाने का एक प्रमुख मंच है। यह हमारे आदिवासी पूर्वजों, विभिन्न अद्वितीय आदिवासी समुदायों की संस्कृति, उनकी जीवनशैली और स्वयं आदिवासियों के योगदान का उत्सव है। जमशेदपुर में आयोजित यह महोत्सव विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) और वन धन केंद्र लाभार्थियों सहित लगभग 336 जनजातीय कारीगरों और कलाकारों की मेजबानी कर रहा है। देश के कोने कोने से आए मेरे आदिवासी भाई बहनों के संगीत, कला, चित्रकला और व्यंजनों के अलावा, आदि महोत्सव कारीगरों से मिलने, उनके जीवन जीने के तरीके के बारे में जानने और जनजातीय संस्कृति व परंपराओं से रूबरू होने का यह अवसर है। यह आदि महोत्सव 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की अनुभूति को पूर्ण करता है। अगली 16 तारीख तक हमारे झारखंड के लोग जनजातीय रंग में रंगने वाले हैं। आपकी जिज्ञासा, आपके समर्थन से इनको उत्साह मिलेगा आइये इन 10 दिनों को यादगार बना दें, आपके लिए भी और इनके लिए भी है। आदिवासी उद्यमिता, शिल्प, संस्कृति, व्यंजन और वाणिज्य का वार्षिक उत्सव, आदि महोत्सव, देश भर की जनजातियों की समृद्ध और विविध विरासत को प्रदर्शित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है। इस वर्ष यह महोत्सव विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) और वन धन केंद्र लाभार्थियों सहित 336 आदिवासी कारीगरों और कलाकारों की प्रतिभा को उजागर करेगा। इस कार्यक्रम में झारखंड के 30 कारीगरों के स्टॉल, लगभग 11 वीडीवीके के स्टॉल और 5 व्यंजन स्टॉल शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में 15 व्यंजन स्टालों सहित अन्य राज्यों के 68 कारीगरों के स्टालों का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया जाएगा। विभिन्न मंत्रालय और उनके विभाग भी इस आयोजन में सक्रिय रूप से भाग लेंगे। जनजातीय कार्य मंत्रालय के तहत एक अग्रणी संगठन के रूप में ट्राइफेड, जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने, विपणन सहायता, ब्रांडिंग प्रदान करने और उनकी अनूठी कला, संस्कृति और उत्पादों के लिए बाजार तक पहुंच का विस्तार करने की अपनी प्रतिबद्धता जारी रखेगा।

करंट की चपेट में आने से सीसीएल कर्मी की मौत

खलारी। मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र के तुमांग पंचायत के धमधमिया में एक सीसीएल कर्मी की मौत बिजली तार करेंट के चपेट में आने से हो गया। घटना शनिवार की सुबह लगभग 6रू40 की बताया गया। जानकरी के अनुसार एनके एरिया के पुरनाडीह परियोजना में कार्यरत सीसीएल कर्मी एतवा उराँव ;लगभग 55 वर्षीयद्ध बिजली के संपर्क में आने से मौत हो गया। मृतक एतवा उराँव सीसीएल के धमधमिया आवासीय कॉलोनी में रहते थे। वे सुबह टहलने व शौच के लिए मंगल बाजार के खेत की ओर जा रहा था। रास्ता में बिजली का तार गिरा हुआ था। जिसे साइड करने के दौरान बिजली के तार में संपर्क में आ गये। उसी दौरान प्रत्यक्षदर्शी त्रिपुरारी धोबी ने देखा कि एक व्यक्ति करेंट के चपेट में आ गया है। जिसके बाद शोर गुल किया गया तो आसपास के पड़ोसी आकर आनन फानन में डकरा केंद्रीय अस्पताल लाया गया। जहाँ पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर मैक्लुस्कीगंज पुलिस पहुँच कर बॉडी को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

विधायक ने टंडवा प्रमुख लिया हालचाल

पिपरवार। सिमरिया विधानसभा के विधायक किशुन कुमार दास ने अपने पिपरवार एवं टंडवा के कार्यकताओं के साथ टंडवा प्रमुख रीना कुमारी के आवास में की मुलाकात। बीते कई दिनों से टंडवा प्रमुख रीना कुमारी की तबीयत खराब होने ही खबर विधायक किशुन कुमार दास को मिली। मैं किशन कुमार दास प्रमुख रीना कुमारी का तबीयत हलचल लेने उनके घर पहुंचे। इस दरमियान विधायक किशुन कुमार दास में प्रमुख महोदय स्वस्थ होने के लिए ईश्वर से जल्दी स्वस्थ होने के प्रार्थना की। मौके पर मंडल अध्यक्ष संजीव कुमार मिश्रा, टंडवा मण्डल अध्यक्ष गोविंद तिवारी, ज़िला महा मंत्री मिथलेश गुप्ताएआचेवाट पांडे आदि लोग मौजूद थे।

एशियन गेम्स : बेटियों ने भारत को दिलाया ऐतिहासिक सौंवा पदक

107 पदकों के साथ एशियाई खेलों में भारत का अभियान खत्म, अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

एजेंसी

हांगझोउ। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने शनिवार को रोमांचक मुकाबले में चीनी ताइपे को 26-25 से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया। एशियाई खेलों के 72 साल के इतिहास में यह पहला मौका है जब भारत ने पदकों की सेंचुरी पूरी की है। इसमें 25 स्वर्ण, 35 रजत और 40 कांस्य पदक शामिल है। इस बार एथलेटिक्स में प्रदर्शन सबसे शानदार रहा है जिसमें अकेले भारत को 29 पदक मिले हैं जबकि शूटिंग में भारत के खाते में 22 पदक आये हैं। महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भारत का तीसरा महिला कबड्डी खिताब था, जबकि चीनी ताइपे ने हांगझोउ में अपने 2018 के कांस्य को रजत में प्रोन्नत किया। स्वर्ण पदक मैच शुरूआती मैच की तरह ही कड़ा मुकाबला था। दूसरे हाफ में चीनी ताइपे ने भारतीय टीम को ऑलआउट कर दिया, हालांकि रेडिंग विभाग में भारत ने उन्हें पछाड़ दिया। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने इससे पहले हांगझोउ 2010 और इंचियोन 2014 में गोल्ड मेडल जीता था जबकि जकार्ता 2018 एशियन गेम्स में टीम को ईरान के खिलाफ हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। पुष्पा राणा और पूजा हाथवाला ने भारत के लिए रेड की शुरूआत की। एशियन गेम्स 2023 कबड्डी के ग्रुप स्टेज मुकाबलों में भारत ने चीनी ताइपे के खिलाफ पहला मैच ड्रॉ (34-34) खेला, और उसके बाद दक्षिण कोरिया (56-23) और थाईलैंड (54-22) को हराया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने एशियाई खेलों में सौ पदक होने पर बधाई दी, 10 अक्तूबर को करेंगे स्वागत

हांगझोउ। भारत ने शनिवार को यहां एशियाई खेलों में महिला कबड्डी में स्वर्ण पदक जीतकर पदकों का आंकड़ा सौ पहुंचा दिया। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने जियाओशान गुआली स्पोर्ट्स सेंटर में एशियाई खेलों 2023 के फाइनल में चीनी ताइपे के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में 26-25 से स्वर्ण पदक जीत लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के एशियाई खेलों में 100वां पदक जीतने को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए खिलाड़ियों को बधाई दी है। श्री मोदी ने ट्विट कर कहा कि भारत के लोग इस बात से रोमांचित हैं कि हम 100 पदकों की उल्लेखनीय उपलब्धि तक पहुंच गए हैं। श्री मोदी ने कहा मैं अपने एथलीटों को हार्दिक बधाई देता हूं जिनके प्रयासों से भारत को यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है। उन्होंने कहा प्रत्येक विस्मयकारी प्रदर्शन ने इतिहास रचा है और हमारे दिलों को गर्व से भर दिया है। श्री मोदी कहा 'मैं 10 तारीख को हमारे एशियाई खेलों के दल की मेजबानी करने और हमारे एथलीटों के साथ बातचीत करने के लिए उत्सुक हूं।' महाद्वीपीय प्रतियोगिता के इतिहास में महिला कबड्डी में यह भारत का तीसरा स्वर्ण पदक है।

तीरंदाजी: भारत ने कंपाउंड स्पर्धा में किया क्लीन स्वीप

सुरेखा वेन्नम और ओजस प्रवीण देवताले ने एशियन गेम्स की तीरंदाजी स्पर्धा में भारत के लिये महिला और पुरुष व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते जबकि अभिषेक वर्मा ने रजत और अदिति गोपीचंद स्वामी महिलाओं की कंपाउंड स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। तीरंदाजी में भारत के खाते में अब तक नौ पदक आये है जिसमें से सात पदक कंपाउंड तीरंदाजों ने अपने नाम किए हैं। इसके साथ ही भारत ने इस कैटेगरी को सभी पांच स्वर्ण पदकों के साथ क्लीन स्वीप किया।

स्वर्ण पदक जीतने के बाद भारतीय हॉकी खिलाड़ियों के साथ हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह व अन्य।

भारत ने एशियाई खेलों में आठवीं बार जीता पुरुष कबड्डी का खिताब

एजेंसी

हांगझोउ। एशियाई खेलों में कबड्डी स्पर्धा के फाइनल में भारत ने ईरान को करीबी मुकाबले में 33-29 से परास्त कर आठवीं बार खिताब अपने नाम किया। 2018 में जकार्ता एशियाई खेल में भारत सेमीफाइनल में ईरान से हार गया था। इससे पहले बीजिंग 1990 में एशियन गेम्स में कबड्डी की शुरूआत के बाद से भारत ने सभी सात स्वर्ण पदक जीते थे। कप्तान फजल अत्राचली के नेतृत्व में मजबूत ईरानी डिफेंस ने जबरदस्त टैकल से भारत पर शुरूआत में दबाव बनाए रखा, हालांकि भारतीय कबड्डी कप्तान पवन सहरावत और रेडर नवीन कुमार ने लगातार अंक हासिल करिते भारत को मैच में बनाए रखा। उप-कप्तान सुनील कुमार के नेतृत्व में भारतीय डिफेंस ने ईरान को ऑल-आउट करने में मदद की और ब्रेक होने तक 17-13 के स्कोर के साथ चार अंकों की बढ़त हासिल कर ली। इस दौरान असलम इनामदार और नवीन कुमार ने भी महत्वपूर्ण रेडिंग अंक हासिल किए। भारत ने दूसरे हाफ की शुरूआत में ही कुछ अंक हासिल किए, लेकिन ईरान ने भारत को ऑल-आउट कर दिया और फुल टाइम के 10 मिनट पहले स्कोर 25-ऑल से बराबर कर लिया। इसके बाद पवन सहरावत ने भारत को आगे बढ़ाया और कप्तान फजल अत्राचली को रेड में आउट कर दिया। इसी के साथ भारत 28-25 से आगे हो गया। ईरान ने लगातार तीन अंकों के साथ वापसी की और सीटी बजने से केवल एक मिनट पहले स्कोर 28 की बराबरी पर था। डू या डाई की रेड में पवन सहरावत ने तीन अंक जीतकर अपनी टीम को फिर से बढ़त दिला दी। हालांकि, मैच को निलंबित कर दिया गया क्योंकि रेफरी और टीमों ने पवन सहरावत की रेड पर हासिल किए अंकों पर स्पष्टीकरण मांगा। इसके बाद ईरान की ओर से अलीरेजा मिजेइयन रेड के लिए गए लेकिन भारतीय डिफेंस ने उन्हें आउट कर दिया। अंतिम कुछ सेकेंड में नवीन कुमार अपनी रेड के साथ एक अंक जीतने में सफल रहे और इसी के साथ भारत ने जीत हासिल कर ली। इससे पहले भारत ने ग्रुप चरण में चार मैचों में से चार जीत के साथ अजेय रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। उन्होंने सेमीफाइनल में पाकिस्तान को हराया। ईरान ने सेमीफाइनल तक अजेय सफर तय किया और फाइनल में जगह बनाने के लिए चीनी ताइपे को हराया।

वर्षा प्रभावित मैच में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने जीता गोल्ड

हांगझोउ। एशियन गेम्स में पहली बार शिरकत कर रही भारतीय क्रिकेट टीम ने शनिवार को वर्षा के कारण रद्द किये गये मुकाबले में बेहतर टी20 रैंकिंग के आधार पर स्वर्ण पदक हासिल किया जबकि अफगानिस्तान की टीम को रजत पदक पर संतोष करना पड़ा। टॉस जीत कर भारत गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी अफगानिस्तान का स्कोर 18.2 ओवर में 5 विकेट पर 112 रन था, जब लगातार बारिश के कारण झेजियांग यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी क्रिकेट फील्ड में खेल रुका और मैच फिर शुरू नहीं हुआ। अफगानों की शुरूआत खराब रही और उनके शीर्ष तीन खिलाड़ी जुबैद अकबरी (5), मोहम्मद शहजाद (4) और नूर अली जादरान (1) सस्ते में आउट हो गए, जिसके बाद चार ओवर के अंदर उनका स्कोर 12/3 हो गया। शिवम दुबे (1-0-4-1) को पहली सफलता मिली जब उन्होंने अपने पहले ओवर में अकबरी को आउट किया। भारतीय तेज गेंदबाज की बढ़ती गेंद पर हुक शॉट लगाने जा रहे अकबरी आउट हो गए। अगले ओवर में विकेटकीपर-बल्लेबाज शहजाद बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह (3-0-17-1) की गेंद पर कैच आउट हो गए। रवि बिश्नोई के डीप स्क्वायर लेग से जितेश शर्मा के स्टंप उखाड़ने में मदद करने के बाद जादरान रन आउट हो गए। इसके बाद शाहिदुल्लाह ने अफसर जजई (15) के साथ साझेदारी में 43 गेंदों में नाबाद 49 (3 चौके, 2छक्के) रन बनाकर अपनी पारी को पुनर्जीवित किया। लेकिन भारत ने पलटवार किया जब लेग स्पिनर बिश्नोई (4-0-12-1) ने 37 रन की साझेदारी को तोड़ दिया और जजई को आउट कर दिया।

सात्विक-चिराग ने भारत को दिलाया स्वर्ण पदक

हांगझोउ। चीन के हांगझोउ में खेले जा रहे 19वे एशियाई खेलों में भारत का स्वर्णिम सफर जारी है। भारत ने शनिवार को न सिर्फ पदक तालिका में पहली बार 100 के पार पहुंचने का रिकार्ड बनाया बल्कि एशियाई खेलों में पहली बार बैडमिंटन का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। बैडमिंटन के पुरुष युगल फाइनल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने दक्षिण कोरिया के चोई सोल्ग्यू और किम वोन्हू को 21-18, 21-16 से हराकर एशियाई खेलों में भारत के लिये पहला बैडमिंटन स्वर्ण पदक जीता। ज्ञातव्य है कि इससे पहले भारत ने एशियाई खेलों की बैडमिंटन प्रतियोगिता में कभी स्वर्ण पदक नहीं जीता था।

कुश्ती में पूनिया ने भारत को दिया रजत

राष्ट्रमंडल खेलों के विजेता दीपक पूनिया को एशियाई खेल में 86 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती वर्ग के खिताबी मुकाबले में शनिवार को ईरान के हसन यजदानी से हार कर रजत पदक पर संतोष करना पड़ा। इस जीत के साथ भारत ने कुश्ती में एक रजत और पांच कांस्य पदकों के साथ अपने अभियान का समापन किया। रियो 2016 ओलंपिक चैंपियन और टोक्यो 2020 के रजत पदक विजेता ईरान के हसन यजदानी ने पहले चरण में ही आठ अंक की बढ़त बना ली थी। पूनिया ने दूसरे राउंड में कड़ी चुनौती पेश की लेकिन ईरानी पहलवान अपने एशियन गेम्स के खिताब का बचाव करने में सफल रहे।

भारतीय पुरुष व महिला टीमों ने शतरंज में जीती चांदी

भारत की पुरुष और महिला टीमों ने एशियाई खेलों में शनिवार को शतरंज में रजत पदक अपने नाम किये। महिला टीम स्पर्धा में कोनेरू हम्पी, हरिका द्रोणावल्ली, वैशाली रमेशबाबू, वंतिका अग्रवाल और सविता श्री बी की भारतीय टीम ने अपने नौ राउंड में सात जीत हासिल की। टीम को एक मैच में हार मिली, जबकि एक मुकाबला ड्रॉ रहा। उनकी एकमात्र हार चौथे राउंड में मेजबान चीन के खिलाफ 2.5-1.5 से थी। भारत ने फाइनल राउंड में चीन रिपब्लिक को 4.0:0.0 से हराकर रजत पदक जीता। चीन ने आठ जीत और एक ड्रॉ के साथ महिलाओं की स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। छह जीत, एक ड्रॉ और दो हार के साथ कजाकिस्तान को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। इस बीच, गुकेश डी, विदित गुजराती, अर्जुन एरिगैसी, पेंटाला हरिकृष्णा और रमेशबाबू प्रगनानंद पुरुष टीम स्पर्धा में ईरान से पिछड़ गए। ईरान ने अपने नौ राउंड में सात जीत और दो ड्रॉ दर्ज किए, जबकि भारत ने छह जीत और तीन ड्रॉ खेले। उज्बेकिस्तान ने छह जीत, दो ड्रॉ और एक हार के साथ कांस्य पदक जीता। भारतीय पुरुष टीम ने फिलीपींस के खिलाफ 3.5:0.5 से जीत के साथ अपना पदक पक्का कर लिया। भारत की एशियन गेम्स 2023 मेडल टैली में भारतीय शतरंज टीम ने दो रजत पदक जोड़े। भारतीय खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत स्पधाओं में कोई पदक नहीं जीते। व्यक्तिगत पुरुष स्पर्धा में, विदित गुजराती पांचवें स्थान पर रहे, उनके बाद अर्जुन एरिगैसी ने छठे स्थान पर रहते हुए अपना अभियान समाप्त किया।

भारत की महिला हॉकी टीम ने जीता ब्रॉन्ज मेडल

हांगझोउ। एशियन गेम्स में भारत लगातार नए इतिहास रचती जा रही है। भारत ने मेडल जीतने का सिलसिला एशियन गेम्स के 14वें दिन भी जारी रखा है। हॉकी में भारत की पुरुष टीम ने 13वें दिन की शाम को गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचा था। अब भारत की महिला हॉकी टीम ने भी ब्रॉन्ज मेडल जीतकर एक नया इतिहास बना दिया है। भारत की महिला हॉकी टीम ने डिफेंडिंग चैंपियन जापान को 2-1 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया है। भारत की ओर से दीपिका और सुशीला चानु ने दो गोल्स किए, जिनकी मदद से भारत ने जापान जैसी मजबूत टीम को हराने में कामयाबी हासिल की। आपको बता दें कि एशियन गेम्स के इतिहास में भारत की महिला हॉकी टीम के लिए यह सातवां मेडल है।

जम्मू में दिखेगा दिग्गज क्रिकेटरों का जमावड़ा

श्रीनगर। तीन दशक से भी ज्यादा समय के बाद जम्मू के क्रिकेट प्रेमी लीजेंड लीग के जरिये दिग्गज क्रिकेटरों के प्रदर्शन के गवाह बनेंगे। मौलाना आजाद स्टेडियम पर लीग के तीन मुकाबले खेले जायेंगे। लीजेंड लीग के अधिकारियों ने एक विज्ञप्ति में बताया कि आगामी 18 नवंबर से नौ दिसंबर के बीच खेली जाने वाली प्रतियोगिता के सभी 19 मैच जम्मू, रांची, देहरादून, विजाग और सूरत में होंगे जबकि फाइनल सूरत के लालभाई कॉन्ट्रैक्टर स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।

पाकिस्तानी मीडिया को वीजा देना बीसीसीआइ का काम, वह प्रयास कर रहा है : आइसीसी

हैदराबाद। पाकिस्तानी प्रशंसकों और मीडिया को वीजा दिए जाने में देरी पर पीसीबी द्वारा फिर निराशा जताये जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने कहा कि बीसीसीआइ भारत में विश्व कप की कवरेज के लिए आने का इंतजार कर रहे पाकिस्तानी पत्रकारों को वीजा दिलाने के लिए प्रयास कर रहा है। करीब 60 पाकिस्तानी पत्रकार विश्व कप कवर करने भारत आने का इंतजार कर रहे हैं। नीदरलैंड के खिलाफ विश्व कप के पहले मैच में पाकिस्तान को काफी घरेलू समर्थन मिला लेकिन पाकिस्तान का कोई पत्रकार या प्रशंसक मौजूद नहीं था। कराची में जन्मे मोहम्मद बशीर अमेरिकी नागरिक हैं और यहां पाकिस्तान की हौसलाअफजाई के लिए आए हैं। आईसीसी विश्व कप का आयोजक है तो बीसीसीआइ मेजबान। आइसीसी प्रवक्ता ने कहा, वीजा दिलाना मेजबान बीसीसीआइ का काम है और हमारे पूरे सहयोग के साथ वह इस पर काम कर रहा है। इस मसले को सुलझाने के पूरे प्रयास किए जा रहे हैं।' पीसीबी के एक प्रवक्ता ने कहा, हम आइसीसी को बार बार याद दिला रहे हैं कि प्रशंसकों और पत्रकारों को वीजा दिलाना उसका दायित्व है। हम आगे भी यह मसला उठाते रहेंगे। आईसीसी विश्व कप में पाकिस्तान का पहला मैच कवर करने के लिए भारतीय वीजा को लेकर अनिश्चितता की स्थिति देखकर निराशा हुई।' पाकिस्तानी पासपोर्ट धारक का वीजा आवेदन भारत में गृह, विदेश और खेल मंत्रालय से होकर गुजरता है।

अमित रोहिदास को 1.5 करोड़ रुपये देंगे नवीन

भुवनेश्वर। एशियाई खेल में हॉकी में स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम के सदस्य अमित रोहिदास को ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने डेढ़ करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने ओडिशा के सुंदरगढ़ के निवासी डिफेंडर-ड्रैगफ्लिकर अमित रोहिदास को बधाई देते हुए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की और उन्हें न केवल ओडिशा बल्कि पूरे देश के युवाओं के लिए प्रेरणाश्रोत बताया। उन्होने कहा ह्न अमित रोहिदास की उल्लेखनीय उपलब्धि दृढ़ता और उत्कृष्टता की भावना का उदाहरण हैं। वह हमारे राज्य और उससे बाहर के महत्वाकांक्षी एथलीटों के लिए आशा और गर्व का प्रतीक बन गए हैं। उनकी सफलता की कहानी महानता हासिल करने के प्रयास कर रहे हर व्यक्ति के साथ मेल खाती है। उनकी उपलब्धियों पर हमे बेहद गर्व है।

जीत के साथ अभियान का आगाज करने उतरेगी रोहित सेना

एजेंसी

चेन्नई। मेजबान भारत अपने वनडे विश्व कप 2023 अभियान की शुरूआत रविवार 8 अक्टूबर को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में 5 बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले से करेगा। चेपॉक पारंपरिक रूप से स्पिनरों के अनुकूल स्थल के रूप में जाना जाता है। जिस ट्रैक पर भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया का खेल खेला जा रहा है, उसके रैंक-टर्नर होने की उम्मीद है और स्पिन द्वारा संभावित परीक्षण से पहले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज अपनी तैयारियों में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। भारत अंतिम एकादश में तीन स्पिनरों- कुलदीप यादव, जड़ेजा और रविचंद्रन अश्विन के साथ उतर सकता है, ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने नेट्स में स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अपने कौशल को निखारने पर ध्यान केंद्रित किया। डेविड वार्नर, मिशेल मार्श, स्टीव स्मिथ और कंपनी जैसे लोगों ने एडम जंपा, डी' आर्सी शॉर्ट, मार्नस लाबुशाने और अन्य स्थानीय नेट गेंदबाजों जैसे अपने ही ट्विकर्स का सामना किया। टर्निंग ट्रैक पर ऑस्ट्रेलियाई टीम को गेंद को अंतराल में भेजकर स्कोरबोर्ड को टिके रखने के महत्व को पता है क्योंकि सीमाएं बनाना मुश्किल हो सकता है। शुक्रवार को नेट्स में स्पिनरों ने ज्यादातर गेंदबाजी की, लेकिन तेज गेंदबाजों मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने भी अन्य स्थानीय तेज गेंदबाजों के साथ कुछ समय तक गेंदबाजी की। 'मेन इन येलो' का जन्म और पालन-पोषण भले ही घर में तेज और उछाल भरी पिचों पर हुआ हो, लेकिन वे उपमहाद्वीप के बाहर के कुछ अन्य देशों की तुलना में स्पिन को बेहतर ढंग से खेलते हैं। चेपॉक में उनका प्रभावशाली रिकॉर्ड विभिन्न परिस्थितियों में उनकी अनुकूलन क्षमता को बताता है और यह भी बताता है कि वे शीर्ष क्रिकेट खेलने वाले देशों में से एक क्यों हैं।

वर्ल्ड कप से पहले दिखी कोहली अच्छी फॉर्म

वनडे वर्ल्ड कप से पहले कोहली अच्छी फॉर्म में दिख रहे हैं। विश्व कप से पहले खेले गए एशिया कप में उनके बल्ले से शतक निकला था, जो उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ अहम मैच में लगाया था। फिर इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के इकलौते मुकाबले में उन्होंने 56 रन स्कोर किए थे। वर्ल्ड कप में कोहली की फॉर्म भारत के लिए काफी कारगर हो सकती है।

ऑस्ट्रेलिया और भारत का रिकॉर्ड

आयोजन स्थल पर 6 मैचों में ऑस्ट्रेलिया 5 जीतने में सफल रहा और केवल एक बार हारा है। इस बीच भारत ने चेपॉक पर 14 मैच खेले हैं, जिनमें से सात में जीत और छह में हार मिली है। इनमें से एक खेल बिना किसी परिणाम के समाप्त हुआ।

संभावित प्लेइंग 11

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), इशान किशन, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या, रवींद्र जड़ेजा, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह।

ऑस्ट्रेलिया : डेविड वार्नर, मिशेल मार्श, स्टीव स्मिथ, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, कैमरून ग्रीन, एलेक्स कैरी/जोश इंग्लिस, एडम जम्पा, मिशेल स्टार्क, सीन एबॉट, पैट कमिंस (कप्तान)।

दक्षिण अफ्रीका ने श्रीलंका को 102 रन से हराया

एजेंसी

नयी दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में पहले खेलते हुए डिकॉक (84 गेंदों पर 100), डुसेन (110 गेंदों पर 108) और मार्कराम (54 गेंदों पर 106) के शतकों की बदौलत 428 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी श्रीलंका की टीम ने 326 रन बनाए लेकिन वह मुकाबला 102 रन से हारने पर मजबूर हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने विश्व कप में सर्वाधिक रन का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। इससे पहले 2015 में पर्थ में अफगानिस्तान के खिलाफ छह विकेट पर 417 रन बनाए थे। इससे पहले डिकॉक और डुसेन ने जहां दूसरे विकेट के लिए 204 रन जोड़कर मजबूत नीव रखी, वहीं मार्कराम ने 14 चौकों और तीन छक्कों की मदद से तूफानी पारी खेली। डिकॉक ने अपनी पारी में 11 चौके और तीन छक्के लगाए, जबकि डुसेन की पारी में 13 चौके और दो छक्के शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका के इन तीनों बल्लेबाजों का विश्व कप में यह पहला शतक भी है। इन तीनों के अलावा हेनरिक क्लासेन ने 20 गेंद पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 32 रन और डेविड मिलर ने 21 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 39 रन का योगदान दिया। श्रीलंका का टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला सही साबित नहीं हुआ। विकेट बल्लेबाजी के लिए अनुकूल था और कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण श्रीलंका का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर पड़ गया था। दिलशान मधुशंका ने शुरू में ही तेंबा बावुमा (08) को पगबाधा आउट करके श्रीलंका को अच्छी शुरूआत दिलाई थी लेकिन इसके बाद उसके गेंदबाज कोई प्रभाव नहीं छोड़ पाए। इस टूर्नामेंट के बाद वनडे से संन्यास लेने का फैसला कर चुके डिकॉक ने अपने सदाबहार अंदाज में बल्लेबाजी करके अपने करियर का 18वां शतक पूरा किया जबकि डुसेन ने उनका अच्छा साथ देकर अपने 50वें वनडे मैच में पांचवा शतक लगाया। डिकॉक के आउट होने से यह साझेदारी टूटी, लेकिन इससे श्रीलंका के गेंदबाजों को किसी भी तरह की राहत नहीं मिली क्योंकि मार्कराम ने क्रीज पर उतरते ही ताबड़तोड़ रन बनाए तथा आयरलैंड के केविन ओब्रायन के विश्व कप में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड तोड़ा। ओब्रायन ने 2011 में 50 गेंद पर शतक लगाया था। श्रीलंका के स्पिनरों को पिच से किसी तरह की मदद नहीं मिली। आलम यह था कि 19 से लेकर 29वें ओवर तक 85 रन बने। श्रीलंका का क्षेत्ररक्षण भी अच्छा नहीं रहा और उसके खिलाड़ियों ने दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों को कुछ मौके भी दिए। जवाब में खेलने उतरी श्रीलंका टीम की शुरूआत खराब रही। निसांका 0 तो कुसल परेरा 7 रन बनाकर आऊट हो गए। लेकिन इसके बाद कुसल मेंडिस ने एक छोर संभाला और ताबड़तोड़ हिटिंग जारी रखी। मेंडिस को समरविक्रमा का सहयोग मिला जिन्होंने 23 रन बनाए। इसके बाद मेंडिस ने चरिथ असलांका के साथ पार्टनरशिप आगे बढ़ाई। मेंडिस 42 गेंदों पर 4 चौके और 8 छक्कों की मदद से 76 रन बनाकर रबाडा की गेंद पर क्लासेन को कैच थमा गए।

स्पिनरों से निपटने को तैयार हैं हम: कमिंस

चेन्नई। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने शनिवार को स्वीकार किया कि घरेलू परिस्थितियों में भारतीय स्पिनर एक चुनौती हैं, लेकिन टीम को उनके खिलाफ कई बार सफलता मिली है। कमिंस ने मैच की पूर्व संध्या पर संवाददाताओं से कहा भारत के पास एक अच्छी गेंदबाजी लाइनअप हैं, खासकर यहां घरेलू परिस्थितियों में। इसलिए, वे चुनौती पेश करेंगे मगर अच्छी बात यह है कि हमने उन्हें बहुत खेला है। इसलिए, हमारे बल्लेबाजों की अपनी योजनाएं होंगी। और फिर हमे उनके खिलाफ कई बार सफलता मिली है।

अफगानिस्तान पर बांग्लादेश को मिली आसान जीत

धर्मशाला। मेहदी हसन मिराज (57 रन और 25 रन पर तीन विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन की मदद से बांग्लादेश ने शनिवार को यहां आइसीसी विश्व कप मुकाबले में अफगानिस्तान को 92 गेंद शेष रहते छह विकेट से हरा दिया। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम पर अफगानिस्तान की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुये 37.2 ओवरों में 156 रन पर सिमट गयी। बांग्लादेश ने जीत का आसान लक्ष्य 34.4 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। बांग्लादेश की आसान जीत के नायक मेहदी हसन मिराज बने जिन्होने पहले अफगानिस्तान के कप्तान हशमतउल्लाह शहीदी (18), राशिद खान (9) और मुजीब उर रहमान (1) का विकेट लिया और बाद में अर्धशतकीय पारी खेल कर अपनी टीम की जीत को और आसान बना दिया। उन्हे प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

स्पीड न्यूज

मूक बालिका को दी गई विधिक सहायता

दुमका। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार अनिल कुमार मिश्रा के निदेर्शानुसार बालिका गृह, दुमका में आवासित मुख बालिका को विधिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से एक टीम गठित कर मूक बधिर बालिका को प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत द्वारा विधिक सहायता प्रदान की गई। मूक बधिर बालिका से परामर्श के लिए मूक-बधिर विद्यालय के सहायक शिक्षक, सुधीर कुमार को प्रतिनियुक्ति कर बालिका से सांकेतिक भाषा का प्रयोग करते हुए उससे उसका नाम एवं घर का पता पूछने की कोशिश की जा रही है।

स्नातक सेमेस्टर 6 की प्रायोगिक परीक्षा 10 से

दुमका। एसपी कॉलेज के स्नातक सेमेस्टर 6 की प्रायोगिक परीक्षा की तिथि शनिवार को जारी हुआ। प्रायोगिक परीक्षा 10 से 15 अक्टूबर 2023 तक चलेगी। भौतिक का परीक्षा 10 एवं 11 अक्टूबर को, रसायन विज्ञान 10 एवं 11 अक्टूबर, वनस्पति विज्ञान के 10 एवं 11 अक्टूबर को, 10 से 15 अक्टूबर जंतुविज्ञान एवं 13 अक्टूबर को मनोविज्ञान की प्रायोगिक परीक्षा होगी। सेमेस्टर 6 में कोर विषयों के साथ डीएसई की भी प्रायोगिक परीक्षा होगी। उक्त जानकारी परीक्षा विभाग के सहायक राजकुमार ठाकुर ने दी।

पीजी सेमेस्टर 2 की परीक्षा फॉर्म भरने का संशोधित कार्यक्रम जारी

दुमका। सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के पीजी सेमेस्टर-2, सत्र 2022-24 परीक्षा 2023 का परीक्षा फॉर्म ऑनलाइन भरने की संशोधित तिथि जारी हुई। परीक्षा फार्म 500 रुपये विलम्ब शुल्क के साथ 6 अक्टूबर से परीक्षा प्रारंभ होने के एक सप्ताह पूर्व तक निर्धारित किया गया है। छात्र-छात्राओं ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरने कर हार्ड कॉपी अपने कॉलेज या विभाग में जमा करना अनिवार्य है।

यूजी सेमेस्टर-3 की परीक्षा का संशोधित कार्यक्रम जारी

दुमका। सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के यूजी सेमेस्टर-3, सत्र 2021-24 परीक्षा 2022 के परीक्षा कार्यक्रम में आंशिक संशोधन किया गया है। इस संशोधित कार्यक्रम के अनुसार 12 अक्तूबर को आयोजित होने वाली एसइसी - ह्यह्यएन्वायर्न्मेंट एण्ड पब्लिक हेल्थह्यह्य पत्र की परीक्षा अब 17 अक्टूबर को द्वितीय पाली में आयोजित होगी । शेष विषयों की परीक्षा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगी ।

एसकेएमयू के बीबीए-बीसीए का परीक्षाफल हुआ जारी

दुमका। सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के बीबीए एवं बीसीए का परीक्षाफल जारी हुआ। बीबीए व बीसीए के सत्र-2022-25 के सेमेस्टर-1 परीक्षा 2022 का परीक्षाफल घोषित हुआ। बीबीए सेमेस्टर-1 परीक्षा में 100 फीसदी परीक्षार्थी उतीर्ण हुए है। वही बीसीए सेमेस्टर-1 में 98.72 फीसदी उतीर्ण हुए। इसकी जानकारी विश्वविद्यालय प्रवक्ता दीपक कुमार दास ने दी।

मर्डर केस में फंसते दिख रहे कड़क आइएएस केके पाठक

मुजफ्फरपुर। बिहार के चर्चित और कड़क आएएस अधिकारी केके पाठक की मुश्किलें बढ़ती हुई दिख रही हैं। मुजफ्फरपुर स्थित जिला न्यायालय में उनके विरुद्ध एक केस में न्यायिक जांच शुरू कर दी गई है। ये मामला हत्या से जुड़ा है। मर्डर के इस पुराने मुकदमे में केके पाठक पर संगीन आरोप लगे हैं जिसके तहत कोर्ट ने शनिवार को परिवादी का बयान दर्ज किया। दरअसल मामला करीब डेढ़ साल पुराना है। शनिवार को कोर्ट ने मामले में संज्ञान लेते हुए परिवादी सुधीर कुमार ओझा का बयान दर्ज किया। इसके साथ ही कोर्ट ने अन्य गवाहों के बयान के लिए 8 नवंबर की तिथि मुकर्रर की है। शिक्षा विभाग की कमान मिलते ही उनकी भिड़ंत विभाग के मंत्री चंद्रशेखर से काफी लंबे समय तक मालूम हो कि केके पाठक वर्तमान में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव हैं और अपने कड़े तेवर के कारण वो फिर इन दिनों सुर्खियों में हैं।

वैश्य, निषाद जैसी जातियों की कम संख्या पर सुशील मोदी ने उठाए सवाल कहा

'ताकि राजनीतिक ताकत का एहसास न हो'

खबर मन्त्र संवाददाता

पटना। बिहार में जातीय जनगणना के और आंकड़े प्रकाशित करने के नीतीश सरकार के निर्णय पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाने से मना कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि वह राज्य सरकार को कोई नीतिगत निर्णय लेने से नहीं रोक सकता। सर्वोच्च न्यायालय ने याचिकाकताओं की उस आपत्ति को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया कि राज्य सरकार ने कुछ आंकड़े प्रकाशित कर स्थगन आदेश की अवहेलना की। इसपर बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुशील मोदी ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जातीय गणना पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का स्वागत करते हैं। लेकिन भाजपा नेता ने बिहार सरकार पर पक्षपाती रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए सवाल उठाए हैं। सुशील मोदी ने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने जातीय गणना के आंकड़े प्रकाशित करने पर किसी प्रकार की रोक लगाने से इनकार किया है, ऐसे में अब कोर्ट की कोई भूमिका नहीं बची है। लेकिन, जो आंकड़े सार्वजनिक किए गए दो-तीन जातियों को छोड़कर अधिकांश जातियां ठगी हुई महसूस कर रही हैं। लग रहा है उनके साथ धोखाधड़ी हुई है। साजिश के तहत उनकी संख्या कम कर दिखाया गया है। सुशील मोदी ने कहा कि अब तो जदयू के सांसद सुनील कुमार पिंटू ने सवाल उठा दिया है और 8 अक्टूबर को तेली-साहू समाज की बैठक बुलाई है। भाजपा सांसद ने कहा, सत्ता से जुड़ी हुई जातियों की संख्या बढ़ा चढ़ा कर दिखाई गई है और बाकी जातियों को

उपजातियों में तोड़ दिया गया है। लगता है कहीं बैठकर फॉर्म भर दिया गया है। सुशील मोदी ने कहा कि कई जातियां सर्वे से ठगा महसूस कर रहीं हैं ऐसे में राज्य सरकार इसकी समीक्षा कराए। सुशील मोदी ने कहा कि वैश्य, निषाद सहित कई जातियों को उपजातियों में बांटकर दिखाया गया है और सत्ता समर्थक खास जातियों के आंकड़े बढ़ा चढ़ाकर पेश किए गए हैं। जातीय गणना सर्वे पर कोई कानूनी मुद्दा नहीं, बल्कि विश्वसनीयता पर संदेह है। सुशील मोदी ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा और जदयू के एक सांसद सहित अनेक लोग जब सर्वे के आंकड़ों को विश्वसनीय नहीं मान रहे हैं, तब सर्वे प्रक्रिया की समीक्षा करायी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार में जातीय सर्वे कराने के सरकार के नीतिगत निर्णय पर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की मुहर लगने के बाद अब कानूनी रूप से सर्वे को लेकर कोई कानूनी मुद्दा नहीं है। लेकिन, दूसरी तरफ सर्वे की विश्वसनीयता जनता का मुद्दा बन गया है। ऐसी शिकायतें मिलीं कि प्रगणकों ने अनेक इलाकों के आंकड़े घर बैठे तैयार कर लिए। सुशील मोदी ने कहा कि वैश्य, निषाद जैसी कुछ जातियों के आंकड़े 8-10 उपजातियों में तोड़ कर दिखाए गए, ताकि उन्हें अपनी राजनीतिक ताकत का एहसास नहीं हो। मोदी ने सवाल पूछा कि आखिर यह यह किसके इशारे पर हुआ? मोदी ने कहा कि राज्य में वैश्य समाज की आबादी 9.5 प्रतिशत से अधिक है, लेकिन यह सर्वे में दर्ज नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि जिस जाति-धर्म के लोग वर्तमान सत्ता के साथ हैं, उनकी संख्या को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने के लिए उपजातियों के आंकड़े छिपाए गए. ऐसे में जातीय सर्वे पर जो संदेह-सवाल उठ रहे हैं, उनका उत्तर राज्य सरकार को देना चाहिए, पार्टी प्रवक्ताओं को नहीं।

भारतीय पुलिस कठिनाइयों में रहते हुए भी अपने कर्तव्य और अनुशासन का निर्वाह करती है

डा0 दिलीप कुमार झा पत्रकार झारखंड।

प्राप्त आंकड़े के मुताबिक दुनियां का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश अब चीन को पछाड़ते हुए भारत विश्व में प्रथम राष्ट्र बन चुका है । जहां धर्म निरपेक्षता के चादर तले हिंदू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई, बौद्ध, जैन, और भी छोटे छोटे समूह में बंटे पंथ और समाज को भारतीय संविधान के दायरे में रहते हुए कानूनों का पालन करते हुए सुरक्षा प्रदान कराना इनकी जिम्मेदारी और कर्तव्य होती है। जबकि रिकॉर्ड के मुताबिक भारत में एक पुलिस कर्मी पर 641नागरिकों के सुरक्षा की जिम्मेदारी तय होती है। सारे सशत्र बल ही नही इन्हें छड़ी डंडा और निहत्थे भी समूहों से भिड़ना पड़ता है। इनपर आंतरिक सुरक्षा का दायित्व है। लेकिन ये अब आंतरिक सुरक्षा कीजगह अब रोजी रोजगार ,आरक्षण से प्राप्त सरकारी नौकरी के कोटा को भरने, व्यक्तिगत सुरक्षा, वीआईपी सुरक्षा में लगाकर, औद्योगिक सुरक्षा, जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा वर्तमान और भूतपूर्व नेताओं की सुरक्षा का भार भी इनपर ही है। इस देश की जनता की सुरक्षा का नंबर सबसे अंतिम पायदान पर आता है।

राकेश टिकैत ने नीतीश सरकार से की बड़ी मांग

बिहार में लागू हो मंडी कानून

खबर मन्त्र संवाददाता

पटना। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश टिकैत तीन दिवसीय दौरे पर पटना पहुंचे हैं। यहां वे सरकार के साथ-साथ कई किसान नेताओं से मुलाकात करेंगे। दिल्ली से पटना पहुंचे किसान नेता ने पटना एयरपोर्ट पर मीडियाकर्मियों से बातचीत में बिहार सरकार से मांग की कि राज्य में मंडी कानून लागू किया जाए। उन्होंने बड़ी-बड़ी कंपनियों द्वारा बिहार के किसानों की जमीन हड़पने की साजिश को लेकर भी अपनी बात कही और आने वाले समय में किसानों के विभिन्न मुद्दों को लेकर आंदोलन की चेतावनी दी। राकेश टिकैत ने कहा कि मेरा बिहार का 3 दिन का कार्यक्रम है। सबसे पहले बिहार में बाजार समिति लागू होनी चाहिए हजारों ट्रक यहां से रोज धान जाता है। यहां के किसानों को एमएसपी नहीं मिलती है, यह व्यवस्था बंद हो। यहां के किसान फसल पैदा करते हैं, लेकिन इनको उचित मूल्य मिले। बड़ी-बड़ी कंपनियां बिहार से फसल खरीदती हैं और बाहर जाकर ऊंचे दामों में बेचती हैं। यहां तीन दिन रुकूंगा और यहां के सिस्टम को देखूंगा। यहां मंडी सिस्टम लागू होनी जरूरी है और हम लोगों की पहली मांग है की मंडी कानून लागू किया जाए। उन्होंने लालू प्रसाद यादव मिलने के सवाल पर कहा कि यहां हूं तो सारे नेताओं से मिलेंगे, सरकार से भी मिलेंगे।

फ्री सैम्पल दवा विक्रय मामलों की हुई जांच

कांग्रेस नेता त्रिशानु राय ने डीसी से की थी शिकायत

बारह शिकायत हुआ कलम बद्ध

खबर मन्त्र संवाददाता

चाईबासा। पशु शल्य चिकित्सक चाईबासा डॉ. योगेन्द्र कुमार द्वारा पशुपालकों को फ्री सैम्पल नॉट टू बी सोल्ड विक्रय किए जाने के आदि मामलें पर स्थानीय लोगों के द्वारा प्राप्त शिकायत को प.सिंहभूम जिला बीस सूत्री सदस्य सह कांग्रेस जिला महासचिव त्रिशानु राय द्वारा उपायुक्त अनन्य मित्तल को सहायता कोषांग के माध्यम से दी गई जानकारी के बाद उपायुक्त के निदेर्शानुसार एक तीन सदस्यीय जांच कमिटी बनाई गई है। जिला पशुपालन पदाधिकारी प.सिंहभूम डॉ. सुधाकर सिंह मुंडा की अध्यक्षता में अवर प्रमंडल पशुपालन पदाधिकारी डॉ. रंजीत कुमार भगत, आदर्श ग्राम पदाधिकारी डॉ. अमरेन्द्र कुमार भूषण को सदस्य बनाया गया है। शनिवार को शिकायतकर्ता को जिला पशुपालन कार्यालय में जांच कमिटी के समक्ष अपना साक्ष्य प्रस्तुत करते हुए अपनी वस्तुस्थिति स्पष्ट करने को कहा गया था जिसके आलोक में शनिवार को शाम लगभग चार बजे जिला पशुपालन कार्यालय चाईबासा में प.सिंहभूम जिला बीस सूत्री सदस्य सह कांग्रेस जिला महासचिव त्रिशानु राय की मौजूदगी में बारह शिकायतकर्ताओं ने जांच कमिटी के समक्ष अपना साक्ष्य प्रस्तुत किया। शिकायतकर्ताओं की शिकायत को कलम बद्ध किया गया। जांच लगभग शाम छह बजे तक चली।

जांच लगभग शाम छह बजे तक चली

पशु शल्य चिकित्सक डॉक्टर योगेंद्र कुमार की कार्यशैली से पशु पालक त्रस्त है। शिकायतकर्ताओं के बयान दर्ज किये गए। जांच कमिटी के अध्यक्ष सह जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ सुधाकर सिंह मुंडा ने कहा कि सभी शिकायतकर्ताओं की शिकायत साक्ष्य के साथ में प्रत्यक्ष रूप से कलमबद्ध किया गया है। जांच प्रतिवेदन जल्द ही उच्चपदाधिकारीयों को प्रेषित कर दिया जाएगा।

17 प्रतिशत मुस्लिम वोटरों पर जेडीयू की नजर

नीतीश ने बुलाई अल्पसंख्यक नेताओं की बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

पटना। बिहार में जातिगत जनगणना रिपोर्ट जारी होने के बाद बिहार की सियासत में उथल-पुथल मची हुई है। जातिगत आंकड़े आने की बाद से ही तमाम राजनीतिक दल इससे उनके दल को होने वाले नफा-नुकसान के आंकलन करने में जुटे हुए हैं। इसी हलचल के बीच बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने सरकारी आवास एक आणे मार्ग में पार्टी के मुस्लिम नेताओं और कार्यकताओं की एक बैठक बुलाई है जो कि बेहद महत्वपूर्ण बताई जा रही है। माना जा रहा है कि मुस्लिम नेताओं और कार्यकताओं के नीतीश कुमार की यह बैठक आने वाले लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर हो रही है। दरअसल जातिगत गणना के अनुसार मुस्लिम आबादी 17.7 प्रतिशत होने के बाद मुस्लिम मतदाता महत्वपूर्ण हो गए हैं. इन दिनों तमाम राजनीतिक पार्टिया इस बड़े वोट बैंक पर नजरें गड़ा चुकी हैं। ऐसे तो ये वोट बैंक आरजेडी के ट समीकरण का ही माना जाता रहा है। लेकिन, अब जदयू की नजर भी इन मुस्लिमों वोटरों पर है। इसलिए यह बैठक काफी अहम मानी जा रही है। बता दें, नीतीश कुमार की सरकार ने जाति आधारित गणना का रिपोर्ट जारी किया तो उसमें अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों की संख्या 17.70% बताई गई जो बिहार में अति पिछड़ा, डइउ और दलित के बाद चौथे सबसे बड़ा वोट बैंक माना जा रहा हैं और मुस्लिम समुदाय का झुकाव जिधर होगा उसका पलड़ा बेहद मजबूत हो सकता है और नीतीश कुमार इसे काफी बेहतर तरीके से समझ सकते हैं। सूत्र बताते हैं कि नीतीश कुमार बैठक में मुस्लिम समुदाय को लेकर किए जा रहे सरकार के कार्यों को मुस्लिम समुदाय के बीच ले जाने के का निर्देश देने वाले है ताकि इस समुदाय को पता चल सके की नीतीश सरकार क्या कुछ इस समाज के लिए कर रही है। खबर है कि नीतीश कुमार आने वाले लोकसभा चुनाव में मुस्लिम आबादी के हिसाब से अधिक टिकट देने का भी इशारा कर सकते है, मुस्लिम प्रतिनिधित्व भी कैसे लोकसभा और विधान सभा में बढ़े इसका भरोसा भी देने की कोशिश करेंगे। खबर ये भी है कि बिहार में आने वाले समय में अमन चैन रहे कोई दंगा फसाद ना हो इसे लेकर सख्त मैसेज के साथ साथ पूरा भरोसा भी अल्पसंख्यक समुदाय को देने की कोशिश करेंगे। नीतीश कुमार ने हाल के दिनों में पार्टी के नेताओ को बिहार के अल्पसंख्यक समाज के बीच भाईचारा यात्रा में भेज कर ये मैसेज दे चुके हैं। वहीं पूर्व में नीतीश कुमार कुछ ऐसे फैसले भी ले चुके हैं, जिसने मुस्लिम समुदाय को बड़ा मैसेज दिया है। बीते कुछ सालों में नीतीश कुमार ने तालीमी मरकज में काम करने वालो को मिलने वाली राशि को दुगना किया। वहीं मुस्लिम युवाओं को रोजगार के लिए अल्पसंख्यक उद्यमी योजना की शुरूआत की।

एसडीओ ने गांव का दौरा कर दिया आश्वासन

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। ठाकुर गंगटी अनुमंडल पदाधिकारी सौरभ कुमार भुवनिया प्रखंड विकास पदाधिकारी राजीव कुमार और थाना के अधिकारी और पुलिस बल के साथ शुक्रवार को मिश्र गंगटी गांव पंहुचे। गांव के मुख्य मार्ग पक्की पी सी सी सड़क के किनारे काफी दूरी तक में जमा पानी को बाहर निकलने का त्वरित आदेश दिया। सड़क तोड़ने वाला मशीन को मंगवाकर तुरंत अपने सामने तोड़ने का कार्य को शुरू कराया। ताकि जमे हुए पानी को बाहर निकाला जा सके। गांव में काफी लंबी दूरी तक जल जमाव हो जाने से दर्जनों ग्रामीणों के घरों में पानी प्रवेश कर गया था। कई ग्रामीणों का घर गिरने के कगार पर हो गया था। साथ ही साथ जल जमाव के चलते गांव में बीमारी फैलने की भी आशंका व्यक्त की जा रही थी।

इस संबंध में कई महिला, पुरुष ग्रामीणों ने मिलकर बीते चार अक्टूबर को क्षेत्रीय विधायक दीपिका पांडे सिंह और उपयुक्त को आवेदन देकर जल्द जमा पानी को दूर करने का मांग किया था। इसी के आलोक में शनिवार को अनुमंडल पदाधिकारी सौरव कुमार भुवनिया मिश्र गंगटी गांव पहुंचे और जमा पानी को तुरंत निकालने का आदेश दिया। अंचलाधिकारी राजीव कुमार से कहा कि सड़क किनारे सरकारी जमीन अतिक्रमण मुक्त करावे ताकि गांव से पानी निकलने के लिए नाला का निर्माण किया जा सके।

पुलिस अधीक्षक गोड्डा ने पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक कर दिये निर्देश

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। गोड्डा पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना ने अपने जिले के तमाम पुलिस अधिकारियों यथा एसडीपीओ, पुलिस निरीक्षक, थाना प्रभारियों, शाखा प्रभारियों सहित अन्य विभागों के प्रमुख अधिकारियों के साथ अपने मुख्यालय स्थित कार्यालय में बैठक कर अधिकारियों को कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। जिसमे नियम और कानून का पालन करते हुए क्षेत्र में अपराध पर नियंत्रण आसामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी कर उनकी क्रियाकलापों और गतिविधियों पर नजर रखने का निर्देश दिया है।

इसके साथ ही आगामी दुगार्पूजा के अवसर पर शांति व्यवस्था और आम नागरिकों की सुरक्षा के प्रति गंभीरता से क्षेत्र में आसामाजिक तत्वों पर निगरानी कर इनपर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। मोटर साइकिल चोरों पर निगरानी करते हुए बैंक एटीएम केंद्र व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए पेट्रोलिंग व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त रखने का निर्देश दिया है। महिलाओं छात्राओं की शिकायतों को

प्रमुखता से लेते हुए उन्हे सहायता प्रदान करते हुए उनकी शिकायतों को फौरन दर्ज करते हुए त्वरित कार्रवाई करे, अवैध उत्खनन, जंगलों से बृक्षो की कटाई, नशा कारोबारी, अवैध शराब विक्रेताओं पर कड़ी कार्रवाई की और उन्हें कानून के दायरे में लेते हुए विधि सम्मत कार्रवाई करें।

डायन बिसाही के आरोप से प्रताड़ित महिलाओं, मॉब लिंचिंग, समूह बना कर कानून तोड़ने वालों पर नियंत्रण कर समझौते के लिए प्रयास करें जिसमे प्रशासनिक पदाधिकारियों का सहयोग लेते हुए कार्रवाई करें। लंबित मुकदमे, वारंटी फरार आरोपियों की धर पकड़, कुर्की जब्ती, पर क्रियाशिलता आवश्यक है। प्राप्त आदेशों, विभाग और न्यायालय द्वारा निर्गत आदेशों पा पालन करते हुए मुख्यालय को सूचना देने का कार्य करें। पासपोर्ट, चरित्र प्रमाण पत्रों के सत्यापन में अनावश्यक विलंब न करे। ऐसे ही और बहुत सारे निर्देश दिए गए जिससे शांति सुरक्षा अपराध पर नियंत्रण करने में सफलता प्राप्त हो सके और क्षेत्र में अमन चैन के साथ पुलिस की विश्वसनीयता और साफ सुथरी छवि आम आदमी के लिए एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जा सके।

पेज 1 का शेष

श्रीअन्न करमुक्त...

इसी तरह सिलाई-कढ़ाई में इस्तेमाल होने वाले जरी धागे पर जीएसटी की दरें 18 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दी गयी हैं। **शीरा पर अब 5 फीसदी टैक्स :** जीएसटी काउंसिल ने शीरा पर जीएसटी को 28 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी करने और मानव उपभोग के लिए डिस्टिल्ड अल्कोहल को लेवी से छूट देने का भी निर्णय लिया। काउंसिल ने निर्णय लिया कि इंडस्ट्रियल इस्तेमाल के लिए एक्स्ट्रा न्यूट्रल अल्कोहल पर जीएसटी लगता रहेगा। **आनलाइन गेमिंग :** बैठक में दिल्ली और गोवा ने ई-गेमिंग कंपनियों और कैसिनो पर लगने वाले कर का मुद्दा उठाया। दोनों राज्यों का कहना था कि गेमिंग कंपनियों पर 28 फीसदी जीएसटी एक अक्टूबर को लागू किया जाना था, लेकिन उनको नोटिस पिछले 6 साल के लिए दिये जा रहे हैं। गौरतलब है कि दिल्ली और गोवा जैसे राज्यों ने ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों और कैसीनो पर पिछली तारीख से कर की मांग का मुद्दा उठाया है। मल्होत्रा ने जीएसटी परिषद की बैठक के बाद कहा कि कुछ सदस्यों ने पिछली तारीख से टैक्सेशन का मुद्दा उठाया। उन्हें बताया गया कि यह पिछली तारीख से लागू नहीं किया गया है, बल्कि यह पहले से ही कानून में था। **अधिकतम उम्र सीमा तय :** बैठक में जीएसटी अपीलीय ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष और सदस्यों की अधिकतम आयु सीमा तय करने का भी निर्णय लिया गया। अब जीएसटीएटी अध्यक्ष की अधिकतम आयु 70 वर्ष और सदस्यों की अधिकतम आयु 67 वर्ष होगी। इससे पहले यह सीमा 67 और 65 वर्ष थी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इनके बारे में जानकारी दी।

आतंकवाद को कुचलने के लिए...

भारी कीमत चुकानी होगी : इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि हमास आतंकियों ने इजरायल पर हमला किया है। यह युद्ध है और हम तैयार हैं। उन्हें इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शनिवार सुबह गाजा पट्टी से इजराइल पर ताबड़तोड़ रॉकेट दागे गये। अलग-अलग शहरों में रॉकेट हमलों से जबर्दस्त जन-धन की हानि हुई। कई इमारतों में आग लग गयी। हमलों के बाद पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने देश के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। गाजा पट्टी स्थित हमास के ठिकानों पर ताबड़तोड़ हवाई हमले शुरू कर दिये। फिलिस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि गाजा पट्टी में हुए हमलों में 200 लोगों की मौत हुई है, जबकि 1600 से अधिक लोग घायल हुए हैं। हमास के हमले से नाराज इजरायल सरकार के रक्षा मंत्री ने घोषणा कर दी है कि युद्ध छिड़ गया है। उन्होंने दावा किया कि इस युद्ध में इजराइल जीतेगा। गाजा पर शासन करने वाले उग्रवादी समूह हमास और इजराइल के बीच वर्षों से गंभीर तनाव व्याप्त है। **इजराइली सेना गाजा में घुसी :** आतंकवादी संगठन हमास ने शनिवार को गाजा पट्टी से इजरायल पर 20 मिनट में 5000 से अधिक रॉकेट दागे हैं। वहीं इजराइल के रक्षा बलों ने अपने देश की सीमा में हमास आतंकवादियों के घुसपैठ की बात भी कही है। इससे बौखला कर इजराइल ने हमास पर भीषण हमला बोल दिया। भयंकर युद्ध जारी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इजराइली टैंक गाजा में दाखिल हो चुके हैं। इजराइली सेना की सात बटालियनों गाजा में दाखिल हुई है। उसके डिफेंस फोर्सेज ने गाजा सीमा पर हमास के तीन स्क्वॉड भी तबाह कर दिये हैं। **भारत के प्रति इजराइल ने आभार जताया :** पीएम मोदी ने इजराइल पर हुए हमास के हमले को आतंकवादी हमला करार देते हुए इसकी निंदा की। पीएम मोदी ने कहा कि इजराइल में आतंकवादी हमलों की खबर से स्तब्ध हूं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं निर्दोष पीड़ित परिवारों के साथ हैं। इस कठिन घड़ी में हम इजराइल के साथ एकजुटता से खड़े हैं। इसी कड़ी में इजराइली राजदूत नोर गिलोन ने पीएम मोदी को धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा कि भारत का नैतिक समर्थन बेहद सराहनीय है इससे इजराइल प्रबल होगा।

लातेहार में 6 लड़कियां...

एक युवक मनीष भैरवी नदी में नहाने के लिए चला गया और चट्टान पर उसका पैर फिसल गया। देखते ही देखते युवक बहने लगा। अपने मित्र को डूबता देख दूसरा युवक अभिषेक उसे बचाने के लिए नदी में कूद गया दोनों युवक पानी के तेज बहाव में आ गये। मंदिर न्यास समिति के पुजारी के प्रयास के बाद रस्सी के सहारे स्थानीय युवक पिंटू भैरवी नदी की तेज धार में दोनों युवकों के पास पहुंचे। फिर एक-एक करके दोनों को रस्सी से बांधकर भैरवी नदी की तेज धार से निकालकर बाहर ले आये। **औरंगा में डूबी चार को बचाया :** लातेहार जिले के मनिका भटको गांव में शनिवार को छह बच्चियां औरंगा नदी में नहाने के क्रम में डूब गयीं। शोर सुन कर स्थानीय लोग मौके पहुंचे और चार लड़कियों को किसी तरह बचा लिया। हालांकि इस दौरान एक लड़की तेज धार में बह गई और उसका कुछ पता नहीं चल पा रहा है। एक लड़की की नदी में डूबने से मौत हो गयी। उसका शव बरामद कर लिया गया है। मृत बच्ची की पहचान पूर्णिमा कुमारी के रूप में की गयी। एक अन्य बच्ची चांदनी कुमारी का कुछ अता-पता नहीं चल पा रहा है। स्थानीय लोग लापता हुई बच्ची की तलाश कर रहे हैं। नहाने गयी बच्चियों को गहराई का पता नहीं चल सका और वे डूबने लगीं।

सीएम कल करेंगे...

इसके जरिए पंपिंग के लिए जल की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सिकटिया ग्राम के समीप अवस्थित अजय बराज के अपस्ट्रीम से पंप मोटर से जल पाइपलाइन के माध्यम से सिंचित क्षेत्र में चकवार सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराया जाएगा। प्रस्तावित पटवन क्षेत्र में मुख्य रूप से धान के अतिरिक्त सरसों, मूंग, गेहूं एवं मक्का की खेती भी संभव हो सकेगी। खेती एवं पशुओं को पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अधिक वर्षा होने और खेतों में जल की जरूरत सीमित होने की स्थिति में पानी को स्थानांतरित कर नजदीक के तालाबों को भरने का प्रावधान किया है, ताकि ग्रामीणों को तालाबों के माध्यम से हमेशा जल मिल सके।

स्पीड न्यूज

कनाडा में विमान दुर्घटना, दो भारतीयों सहित तीन की मौत

ओट्टावा। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में शनिवार को एक विमान दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गयी। मरने वाले तीनों पायलट थे, जिनमें से दो भारतीय प्रशिक्षु पायलट थे। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के चिलिवैक शहर में शनिवार को दो इंजन वाला हल्का विमान, पाइपर पीए-34 सेनेका, तीन पायलटों के साथ उड़ा था। विमान पर दो भारतीय प्रशिक्षु पायलट अभय गडरू और यश विजय रामुगड़े थे। दोनों भारतीय प्रशिक्षु पायलट भारत के महाराष्ट्र से बताए गए हैं।

अमेरिका के ग्रीन फ्यूनरल होम में 115 शव बरामद

कैनन सिटी। अमेरिका के कोलोराडो में एक ग्रीन फ्यूनरल होम में 115 शव मिलने से हड़कंप मच गया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि शवों के गलत तरीके से रखने की जांच की जा रही है। फ्रेमोंट काउंटी शेरिफ एलन कूपर ने बताया कि जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि क्या यहां कुछ गलत हुआ है या कोई बड़ी लापरवाही की गई है। कोलोराडो के पेनरोज में रिटर्न टू नेचर फ्यूनरल होम में शवों की हरित अंत्येष्टि बिना केमिकल व ताबूत के किया जाता है।

बेंगलुरु में पटाखे आग लगने से 10 जिंदा जले

बेंगलुरु। तमिलनाडु की सीमा से सटे बेंगलुरु के बाहरी इलाके अट्टीबेले में शनिवार को अपराह्न करीब तीन बजे एक लॉरी से पटाखे उतारने के दौरान अचानक आग लग गई। इस दुर्घटना में 10 लोग जिंदा जल गए पुलिस सूत्रों के अनुसार यह लॉरी तमिलनाडु से आई थी। इसमें लदे पटाखे जब एक गोदाम में उतारे जा रहे थे, उसी दौरान अचानक आग लग गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल पुलिस ने 10 शव मिलने की पुष्टि की है।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों ने पुलिस जवान को छोड़ा

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में पिछले सप्ताह अगवा किए गए एक पुलिस जवान को नक्सलियों ने रिहा कर दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य पुलिस की नवगठित इकाई बस्तर फाइटर्स का जवान शंकर कुड़ियाम (28) करीब एक सप्ताह से लापता था। गुरुवार को नक्सलियों ने दावा किया था कि उन्होंने 29 सितंबर को कुड़ियाम का अपहरण कर लिया था।

डोडा : खाई में वाहन गिरने से तीन की मौत

भद्रवाह। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में एक वाहन सड़क से फिसलकर गहरी खाई में जा गिरा, जिससे उसमें सवार तीन मजदूरों की मौत हो गई और पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा शुक्रवार रात को करीब 10 बजकर 40 मिनट पर हुमबल गांव के पास हुआ। तीन मजदूरों मणि कुमार (31), करणजीत सिंह (40) और लाल चंद (45) की मौके पर ही मौत हो गई। पांच अन्य मजदूरों को गंभीर रूप से घायलों को बाहर निकाला गया, जिनका इलाज डोडा के सरकारी अस्पताल में किया जा रहा है।

कांग्रेस में फिर शामिल हुए मसूद

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व सदस्य इमरान मसूद शनिवार को फिर से कांग्रेस में शामिल हो गए। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा, वरिष्ठ नेता राजीव शुक्ला और उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय की मौजूदगी में इमरान मसूद ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। उन्हें मार्च 2014 में भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री पद के तत्कालीन उम्मीदवार नरेन्द्र मोदी के बारे में कथित तौर पर विवादित बयान देने पर भड़काऊ भाषण देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

सिक्किम के लाचेन, लाचुंग में तीन हजार पर्यटक फंसे

राहत और बचाव में जुटी आइटीबीपी की टीम

एजेंसी

गंगटोक। सिक्किम में अचानक आई बाढ़ और सड़क संपर्क कट जाने के कारण मंगन जिले के लाचेन और लाचुंग में 3,000 से अधिक पर्यटक फंसे हुए हैं और सभी सुरक्षित हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय वायुसेना ने एमआई-17 हेलीकॉप्टर के जरिये बचाव और राहत अभियान चलाने के कई प्रयास किए, लेकिन खराब मौसम, निचले इलाकों में बादल छाए रहने और लाचेन तथा लाचुंग में कम दृश्यता की स्थिति के कारण बागडोगरा के साथ-साथ चाटेन से हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सके। अधिकारियों ने बताया

कि लाचेन और लाचुंग की सड़कें क्षतिग्रस्त हैं। उन्होंने बताया कि बचाव दल को आगे बढ़ने के लिए जोंगू के माध्यम से चुंगथांग तक एक वैकल्पिक मार्ग खोलने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि तीस्ता ऊर्जा ने पर्यटकों के बचाव और चुंगथांग क्षेत्र में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए एक हेलीकॉप्टर भी प्रदान किया है। अधिकारियों ने बताया कि इलाके में पहुंची भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की टीम फिलहाल चुंगथांग में राहत और बचाव का काम कर रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगन जिले के संबंध में मौसम पूर्वानुमान में कहा कि अगले पांच दिन में जिले के ज्यादातर स्थानों पर हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश होने का अनुमान है। आईएमडी ने अगले पांच दिन तक लाचेन और लाचुंग में आमतौर पर बादल छाये रहने का भी अनुमान जताया है। अधिकारियों ने बताया कि एनडीआरएफ के दल राज्य एजेंसियों के साथ सिंगतम, बारदांग और रंगपो जैसे इलाकों में बचाव अभियान में व्यस्त हैं। बचाव दल हालांकि उत्तरी सिक्किम, चुंगथांग, लाचेन और लाचुंग के ऊपरी इलाकों तक नहीं पहुंच पाए हैं। बाढ़ से राज्य में 13 पुल बह गए, जिसमें अकेले मंगन जिले के आठ पुल शामिल हैं। गंगटोक में तीन और नामची में दो पुल बह गए। बाढ़ ने सबसे ज्यादा तबाही चुंगथांग में मचायी है और 80 फीसदी हिस्सा प्रभावित हुआ है।

मरने वालों की संख्या 30 पहुंची

सिक्किम में तीस्ता नदी में आई बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 30 हो गई है। सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि शनिवार शाम 6 बजे तक हादसे में मरने वालों की संख्या 30 तक पहुंच गई है। 81 लोग अभी भी लापता हैं। बाढ़ से 1320 घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और 2563 लोगों को सुरक्षित बचाया गया। 26 लोगों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक अब तक मंगन जिले में 4 और गंगटोक जिले में 6 लोगों की मौत हुई है। पाकिम जिले में 19 लोगों की मौत हुई, जिनमें सेना के 9 जवान भी शामिल हैं। नामची जिले में अभी तक किसी की मौत की पुष्टि नहीं हुई थी, लेकिन आज एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हुई है।

अफगानिस्तान में भूकंप से 320 लोगों की मौत, कई घायल

काबुल। अफगानिस्तान शनिवार को 6.3 तीव्रता के दो भूकंप के झटकों से दहल उठा। इसमें 320 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। अफगानिस्तान के आपदा प्रबंधन टीम के प्रवक्ता मोहम्मद अब्दुल्ला जान ने कहा कि भूकंप की चपेट में आकर कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए। इसका केंद्र हेरात शहर से 40 किलोमीटर उत्तर पश्चिम में था।

संयुक्त राष्ट्र ने बताया कि अफगानिस्तान में आए भूकंप से अबतक 320 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, हेरात निवासी अब्दुल शकोर समदी ने कहा कि दोपहर के आसपास भूकंप के कम से कम पांच झटके महसूस किए गए। समदी ने कहा कि सभी अपने घरों से बाहर आ गए।

गगनयान मिशन के लिए मानवरहित उड़ान की परीक्षण तैयारियां अंतिम चरण में

इस महीने के अंत तक हो सकता है प्रक्षेपण

इससे जुड़े सभी वाहन श्रीहरिकोटा पहुंचे

एजेंसी

नयी दिल्ली। चंद्रयान, आदित्य एल वन के बाद अब अंतरिक्ष में गगनयान मिशन भेजने की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को गगनयान यान के संबंध में सोशल मीडिया एक्स पर जानकारी और तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि इसरो गगनयान मिशन के लिए मानवरहित उड़ान परीक्षण शुरू करेगा। फ्लाइट टेस्ट व्हीकल एबॉर्ट मिशन-1 (टीवी-डी1) की तैयारी चल रही है, जिसमें क्रू एस्केप सिस्टम के प्रदर्शन शामिल है।

मिशन के बारे में विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीवीएसएससी) के निदेशक एस उन्नीकृष्णन नायर ने गुरुवार को बताया था कि इससे जुड़े सभी वाहन प्रणालियां प्रक्षेपण के लिए श्रीहरिकोटा पहुंच चुकी हैं।

इसके पहले चरण के तहत मानवरहित परीक्षण अक्टूबर के अंत तक किया जा सकता है। क्रू एस्केप सिस्टम यानी विकसित यान से अंतरिक्ष यात्रियों को निकालने की प्रणाली है, जिसका परीक्षण जल्दी ही किया जाएगा।

गगनयान मिशन के तहत चार महत्वपूर्ण परीक्षण किए जाने हैं। जिसमें इस महीने परीक्षण यान टीवी-डी1 का परीक्षण किया जाएगा।

इसके बाद दूसरे परीक्षण यान टीवी-डी2 और पहले मानव रहित गगनयान (एलवीएम3-जी1) का परीक्षण किया जाएगा। उसके बाद परीक्षण यान मिशन (टीवी-डी3 और डी4) और एलवीएम3-जी2 को रोबोटिक पेलोड के साथ भेजने की योजना है। अंतिम चरण मानवयुक्त परीक्षण यान को लॉन्च करने का है।

भारत का पहला मिशन है गगनयान

इसरो का गगनयान मिशन भारत का पहला और दुनिया का चौथा अंतरिक्ष मानव मिशन है। इसके रॉकेट को जीएसएलवी मार्क-III में कुछ बदलाव करके बनाया गया है, जिसे एचएलवीएम-III नाम दिया गया है। इसमें इंसानों को ले जाने वाले कैप्स्यूल और आपात स्थिति में इजेक्शन सिस्टम जोड़ा गया है। गगनयान में 3,735 किलोग्राम वजन का एक स्पेसक्राफ्ट भी है, जो अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भ्रमण करने में मदद करेगा। इसे ऑर्बिटर मॉड्यूल भी कहा जाता है। गगनयान मिशन को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया जाएगा। फिर यह करीब 3 दिनों तक पृथ्वी का परिक्रमा करेगा। इसके बाद इसके कैप्सूल (क्रू मॉड्यूल) को पैराशूट के माध्यम से समुद्र में उतारा जाएगा। गगनयान मिशन की सफलता से भारत, पूर्ववर्ती यूएसएसआर, अमेरिका और चीन के बाद अंतरिक्ष में मानव भेजने वाला चौथा देश बन जाएगा।

एयर इंडिया ने जारी किया ए350 विमान का पहला लुक

नयी दिल्ली। टाटा समूह के मालिकाना हक वाली एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया ने शनिवार को लोगो और लिवरी (आउटफिट) बदलने के बाद अपने विमान ए350 का पहला लुक जारी कर दिया है। एयर इंडिया ने एक्स हैंडल से विमान की तस्वीरें पोस्ट की और लिखा कि यहां टूलूज में पेंट की शॉप पर हमारी नई पोशाक (न्यू लिवरी) में राजसी ए350 का पहला लुक है। हमारे विमान ए350 विंटर सीजन में घर आने शुरू हो जाएंगे। फ्रांस के टूलूज में एयर इंडिया की वर्कशॉप की पेंट शॉप में लेटेस्ट तस्वीरें ली गईं।

नौसेना ने शुरू किया 360 डिग्री मूल्यांकन तंत्र

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय नौसेना ने शनिवार को मूल्यांकन तंत्र को शुरू किया। नौसेना ने कहा कि एक चुस्त, अनुकूल और उन्नत मानव संसाधन प्रबंधन अनिवार्य है और इस संबंध में विभिन्न पदोन्नति बोर्डों के लिए 360 डिग्री मूल्यांकन प्रणाली की एक नयी परिवर्तनकारी पहल को संस्थागत रूप दिया गया है। सफेद वर्दी में महिलाएं और पुरुष भारतीय नौसेना के शिप फर्स्ट दृष्टिकोण के केंद्र में हैं और निकट भविष्य में भी इसकी सबसे बड़ी परिसंपत्ति बने रहेंगे। गोपनीय रिपोर्टों के वर्तमान मूल्यांकन तंत्र में टॉप-डाउनदृष्टिकोण की अंतर्निहित सीमा है। नए मूल्यांकन तंत्र का उद्देश्य पदोन्नति की खातिर विचार किए जा रहे प्रत्येक अधिकारी के लिए उनके साथियों और अधीनस्थों से बड़े पैमाने पर सर्वेक्षण करना है। नौसेना ने कहा कि सर्वेक्षण में कई प्रकार के सवाल पूछे जाते हैं, जिसमें व्यवसायिक ज्ञान, नेतृत्व की विशेषताएं, युद्ध/संकट में उपयुक्तता और उच्च पद धारण करने की क्षमता जैसे पहलू शामिल होते हैं। इसी तरह की मूल्यांकन प्रणाली विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शिक्षण संगठनों में प्रचलन में है।

फिल्म जवान ने 1103 करोड़ की कमाई की

मुंबई। अभिनेता शाहरुख खान की थ्रिलर फिल्म जवान ने दुनियाभर में 1103.27 करोड़ रुपये की कमाई की है। फिल्म के निर्माताओं ने यह जानकारी दी। फिल्म निर्माण कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने शुक्रवार शाम को एक्स पर फिल्म की कमाई के बारे में जानकारी साझा की। पोस्ट में फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर कमाई के एक पोस्टर के साथ लिखा गया कि हर गुजरते दिन के साथ जवान बॉक्स ऑफिस पर नया रिकॉर्ड बना रही है ह्व एटली द्वारा निर्देशित फिल्म सात सितंबर को हिंदी, तमिल और तेलुगू भाषा में दुनियाभर में रिलीज हुई थी। निर्माताओं ने बताया कि भारतीय सिनेमा के इतिहास में जवान दुनियाभर में 1100 करोड़ रुपये से

अधिक की कमाई करने वाली पहली फिल्म बन गई है। निर्माताओं के मुताबिक, फिल्म ने भारत में 733.37 करोड़ रुपये और विदेशी सिनेमाघरों से 369.90 करोड़ रुपये की कमाई की है।

प्रधानमंत्री मोदी ने की लाल किले से की गयी घोषणाओं की समीक्षा

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले के भाषण में की गई घोषणाओं की समीक्षा के लिए शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक की। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से इसकी जानकारी दी गई। पीएमओ के अनुसार अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में प्रधानमंत्री ने गरीबों और मध्यम वर्ग के आवास के लिए किफायती ऋण सुनिश्चित करने का उल्लेख किया था। इसी घोषणा के अनुरूप प्रधानमंत्री ने इस घोषणा को क्रियान्वित करने की तैयारियों की समीक्षा की। स्वतंत्रता दिवस के भाषण में प्रधान मंत्री ने घरों के लिए सौर ऊर्जा सुनिश्चित करने का उल्लेख किया था।

महिला चालकों को नौकरी की श्रेणी बदलने का विकल्प देने पर विचार कर रहा रेलवे बोर्ड

नयी दिल्ली। रेलवे बोर्ड महिला चालकों और रेल पटरी का रखरखाव करने वाली कर्मियों को अपनी नौकरी की श्रेणी बदलने का विकल्प देने की मांग पर विचार कर रहा है तथा इसने सभी जोन को ऐसे कर्मचारियों और लंबित आवेदनों की संख्या साझा करने को कहा है। बोर्ड ने चार अक्टूबर को सभी रेलवे जोन को भेजे एक पत्र में कहा कि नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमेन (एनएफआईआर) ने वुमन ट्रैक मेंटेनर्स (पटरी की देखरेख करने वाली महिला कर्मी) और रनिंग स्टाफ को अपनी नौकरी की श्रेणी बदलने के लिए एक बार का विकल्प देने का अनुरोध किया है। रनिंग स्टाफ में सवारी गाड़ियों और माल गाड़ियों के चालक व गुड्स गार्डआदि कर्मचारी आते हैं।

इन कर्मचारियों और लंबित आवेदनों को दे सभी जोन

मामला बोर्ड के कार्यालय में विचाराधीन है। इस संबंध में सभी जोनल रेलवे को महिला ट्रैक मेंटेनर्स, एएलपी (सहायक लोको पायलट) की संख्या और अन्य श्रेणियों में काम करने वाली महिला रनिंग स्टाफ या महिला कर्मचारियों से उनकी निर्धारित श्रेणियों में बदलाव के लिए लंबित अनुरोधों की संख्या बताने का अनुरोध किया गया है। सहायक ट्रेन चालकों को सहायक लोको पायलट के रूप में भी जाना जाता है। पटरी की देखरेख करने वाली महिला कर्मियों और सहायक लोको पायलट के संगठनों ने उनके काम की परिस्थितियों को बहुत कठिन और असुरक्षित बताया है, इसलिए वे अपनी नौकरी की श्रेणी को बदलना चाहती हैं। इंडियन रेलवे लोको रनिंगमेन ऑर्गनाइजेशन के कार्यकारी अध्यक्ष संजय पांधी ने इस कदम का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे का हल करने के लिए यह सही कदम नहीं है। उन्होंने कहा कि हालांकि, कुछ महिला सहायक लोको पायलट और लोको पायलट को उनकी नौकरी की श्रेणी बदले बगैर कार्यालयों में काम करने की अनुमति दी गई है।

वायु सेना को आज मिलेगा नया ध्वज

नयी दिल्ली। वायु सेना को उसके 91 वें स्थापना दिवस पर रविवार को नया ध्वज मिलेगा। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी स्थापना दिवस के मौके पर उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित समारोह में नये वायु सेना ध्वज का अनावरण करेंगे। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि नया ध्वज भारतीय वायु सेना के मूल्यों को बेहतर ढंग से प्रकट करने के लिए बनाया गया है। इसके लिए ध्वज के ऊपरी दाएं कोने में फ्लाई साइड की ओर वायु सेना क्रेस्ट को शामिल किया जा रहा है। इस क्रेस्ट में रअशोक स्तंभ और उसके नीचे देवनागरी में सत्यमेव जयते लिखा है। नीचे एक हिमालयी ईगल है जिसके पंख फैले हुए हैं, जो वायुसेना के रणकौशल को दर्शाता है। हल्के नीले रंग की अंगूठी जैसी आकृति हिमालयी ईगल को घेरे हुए है जिस पर वायु सेना लिखा है।

एयर इंडिया ने रद्द की तेल अवीव की फ्लाइट

इजरायल हमला : दूतावास ने भारतीयों से सतर्क रहने का किया आग्रह

एजेंसी

नयी दिल्ली। इजराइल के तेल अवीव पर शनिवार को हमास आतंकवादियों के हमला करने के बाद एयर इंडिया ने नयी दिल्ली से वहां जाने वाली उड़ान रद्द कर दी। एयरलाइन तेल अवीव के लिए पांच साप्ताहिक उड़ानें संचालित करती है। ये उड़ानें-सोमवार, मंगलवार, गुरुवार, शनिवार और रविवार को होती हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शनिवार को नयी दिल्ली से तेल अवीव के लिए उड़ान संख्या एआई 139 और वापसी की उड़ान एआई 140 को रद्द कर दिया गया है। उड़ान एआई 139 भारतीय समय अनुसार शनिवार दोपहर 3.35 बजे रवाना होनी थी और तेल अवीव से वापसी की उड़ान इजराइल के समय अनुसार रात 10.10 बजे थी। दिल्ली और तेल अवीव में लगभग 2.30 घंटे का अंतर है। एयर इंडिया के प्रवक्ता के अनुसार, यात्रियों को उनकी जरूरत के अनुसार पूरा सहयोग किया जा रहा है।

इजराइल के दक्षिण में अभूतपूर्व युद्ध जैसे हालात को देखते हुए शनिवार को भारतीय दूतावास ने सभी भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने और सुरक्षा नियमों का पालन करने की सलाह दी है। दूतावास ने अपने परामर्श में कहा के इजराइल में वर्तमान स्थिति को देखते हुए, इजराइल में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों से अनुरोध किया जाता है कि वे सतर्क रहें और स्थानीय अधिकारियों की सलाह के अनुसार सुरक्षा नियमों का पालन करें।

कृपया सावधानी बरतें, अनावश्यक आवाजाही से बचें और सुरक्षित स्थलों के करीब रहें। परामर्श अंग्रेजी, हिंदी, मराठी, तमिल, तेलुगु, मलयाली और कन्नड़ भाषाओं में जारी किया गया है। दूतावास की वेबसाइट पर दिए गए विवरण के अनुसार, इजराइल में लगभग 18,000 भारतीय नागरिक हैं, जिनमें मुख्य रूप से इजराइली बुजुर्गों, हीरा व्यापारियों, आईटी पेशेवरों और छात्रों की देखभाल करने के लिए नियुक्त लोग शामिल हैं। इजराइल में भारतीय मूल के लगभग 85,000 यहूदी भी हैं जो पचास और साठ के दशक में भारत से इजराइल गए थे।

इजराइल में करीब 18,000 भारतीय और भारतीय मूल के 85,000 यहूदी हैं

मोदी ने की आतंकवादी हमले की निंदा

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमास उग्रवादियों के हमले के मद्देनजर शनिवार को इजराइल के प्रति एकजुटता व्यक्त की। मोदी ने इजराइल पर हुए हमास के हमले को आतंकवादी हमला करार देते हुए इसकी निंदा की। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने स्थिति को लेकर कहा कि उनका देश युद्धरत है। मोदी ने कहा कि इजराइल में आतंकवादी हमलों की खबर से स्तब्ध हूं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं निर्दोष पीड़ित परिवारों के साथ हैं। इस कठिन घड़ी में हम इजराइल के साथ एकजुटता से खड़े हैं।

राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा में मुख्य यजमान होंगे प्रधानमंत्री : शंकराचार्य

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती ने बताया कि श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य यजमान होंगे। जगदगुरू शंकराचार्य कहा कि रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के लिए काशी के विद्वान अयोध्या आऐंगे। रामलला की मूर्ति तैयार की जा रही हैं। समारोह के लिए 22 जनवरी की तिथि पर अमृत सिद्धि योग और सर्वाधिक सिद्धि योग मिल रहा है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की शनिवार को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा से पहले श्री मणिराम दास छावनी में दो दिवसीय महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में ट्रस्ट अध्यक्ष एवं श्री मणिराम दास छावनी महन्त नृत्य गोपाल दास के साथ ट्रस्ट के 15 सदस्यों में 12 सदस्य उपस्थित रहे ।

वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची
VERMA PRESS
Verma's® Today®
शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं–

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 140	Hindi	₹ 140
English	₹ 140	English	₹ 140
Mathematics	₹ 140	Mathematics	₹ 140
Science	₹ 140	Science	₹ 140
Social Science	₹ 140	Social Science	₹ 140
Sanskrit	₹ 120	Sanskrit	₹ 120
Hindi – B	₹ 140	Hindi – B	₹ 80
Hindi Vyakaran– II	₹ 120	Hindi Vyakaran– II	₹ 120
English Grammar– II	₹ 120	English Grammar– II	₹ 120
Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 55	Hindi Practical	₹ 55
English Practical	₹ 55	English Practical	₹ 55
Maths. Practical	₹ 65	Maths. Practical	₹ 55
Science Practical	₹ 65	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 65	S. Science Practical	₹ 65
Sanskrit Practical	₹ 55	Sanskrit Practical	₹ 55
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 75
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 130
Science	₹ 200	Science	₹ 200
Social Science	₹ 200	Social Science	₹ 130
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 80	S. Science Practical	₹ 80

मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !